बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
रविवार 24 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 330
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

सीबीएसई ने 7 नए रीजनल ऑफिस खोले

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने देश के विभिन्न प्रमुख जिलों में 7 नए रीजनल और सब-रीजनल ऑफिस खोलने का बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली में मुख्यालय के अलावा अब रीजनल ऑफिस की संख्या बढ़कर 23 हो जाएगी। इस विस्तार का मकसद छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों को सेवाएं अधिक सुलभ और प्रभावी तरीके से प्रदान करना है। नई रीजनल ऑफिस की स्थापना से बोर्ड के कामकाज में सुधार होगा और स्टूडेंट्स को रिजल्ट, एकेडमिक डॉक्यूमेंट्स, रिकॉर्ड और अन्य जरूरी सेवाएं अपने नजदीकी ऑफिस से आसानी से मिल सकेंगी। इससे पहले दूर-दराज के राज्यों के छात्रों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जो अब काफी हद तक कम हो जाएगा। सीबीएसई ने 22 अगस्त को ऑफिसियल नोटिफिकेशन जारी कर इन नए कार्यालयों की जानकारी दी है। रायपुर (छत्तीसगढ़), रांची (झारखंड), ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश), और गंगटोक (सिक्किम) में ऑफिस काम करना शुरू कर चुके हैं। वहीं, गुरुग्राम और लखनऊ में 1 सितंबर से और अगरतला (त्रिपुरा) में 15 सितंबर से ये ऑफिस संचालित होंगे।

रेलवे चलाएगा 380 गणपति स्पेशल ट्रेन....

नई दिल्ली। त्यौहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ी घोषणा कर दी है। रेलवे ने इस बार 380 गणपति स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले साल 2024 में 358 और 2023 में 305 गणपति स्पेशल ट्रेन चली थीं। गणेश उत्सव के दौरान महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में यात्रियों की भारी मांग को देखकर सेंट्रल रेलवे सबसे अधिक 296 ट्रेनें चलाएगा। वहीं, वेस्टर्न रेलवे 56 ट्रेनें, कोंकण रेलवे (केआरसीएल) 6 ट्रेनें और साउथ वेस्टर्न रेलवे 22 ट्रेनें चलाएगा। कोंकण रेलवे मार्ग पर चलने वाली गणपति स्पेशल ट्रेनों के लिए विशेष स्टॉपेज की योजना बनाई गई है। इसमें कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वामने, करंजडी, विन्हेरे, दीवानखावटी, कलांबनी बुद्रुक, खेड़, अंजनी, चिपलुन, कामथे, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकावली और सिंधुदुर्ग शामिल हैं। रेलवे का कहना है कि इस कदम से श्रद्धालुओं और यात्रियों को त्योहारी सीजन में आरामदायक और सुगम यात्रा मिल सकेगी।

कुछ ना कहना

रूस से तेल खरीदी पर भारत पर लगाया एक्स्ट्रा टैरिफ, चीन पर क्यों नहीं?

जयशंकर ने अमेरिका के दोहरे रवैये पर उठाए सवाल, कहा- हम दबाव में नहीं आएंगे

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच इन दिनों ट्रेड और रूसी तेल खरीद को लेकर तनाव जारी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ट्रेड, तेल और भारत-पाकिस्तान रिश्तों में मध्यस्थता को लेकर दोनों मुल्कों में तनाव है। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिका से कट्टी नहीं हैं, बल्कि बातचीत चल रही है। जयशंकर ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड पर बातचीत में भारत के किसानों और छोटे उत्पादकों के हित सबसे ऊपर हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी रेड लाइन से कभी समझौता नहीं करेगा, चाहे बात किसानों के हितों की हो या रणनीतिक स्वायत्तता की।

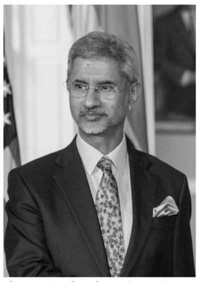

जयशंकर ने कहा कि नेगोशियेशंस अभी जारी है, लेकिन हमारी कुछ रेड लाइन्स हैं। सबसे अहम है किसानों और छोटे उत्पादकों के हित। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर समझौता संभव नहीं है। उन्होंने विपक्ष और आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई असहमत है, तो उन्हें जनता से कहना चाहिए कि वे किसानों के हितों की रक्षा करने को तैयार नहीं हैं और उन्हें रणनीतिक स्वायत्तता की अहमियत नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस से तेल आयात और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों पर बात करते हुए जयशंकर ने अमेरिका के दोहरे रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इसे तेल का मुद्दा बताया जाता है लेकिन चीन, जो रूस से सबसे बड़ा आयातक है, उस पर कोई टैरिफ नहीं लगाया। भारत को क्यों निशाना बनाया। उन्होंने यूरोप और अमेरिका के व्यवहार पर कहा कि अगर आपको रूस से तेल या उसके प्रोडक्ट्स खरीदने में दिक्कत है, तो मत खरीदिए, लेकिन यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है। अगर पसंद नहीं तो हमसे मत खरीदिए।

जयशंकर ने साफ कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता को ध्यान में रखकर ही ऊर्जा से जुड़े फैसले लेगा और किसी दबाव में नहीं आएगा। बता दें रूस से तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाया है और यह भी कहा है कि इसकी वजह से रूस का बड़ा नुकसान हुआ है और भारत ने तेल खरीद पर पुनर्विचार किया है। हालांकि, भारत ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि तेल खरीदी जारी है।

भारत-पाकिस्तान रिश्तों पर विदेश मंत्री ने कहा कि 1970 के दशक से भारत में एक राष्ट्रीय सहमति रही है कि किसी भी तरह की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि 50 साल से यह तय है कि पाकिस्तान के साथ रिश्तों में हम किसी तीसरे पक्ष की दखलअंदाजी नहीं मानेंगे।

भारत और चीन के बीच रुपए और युआन में होगा धंधा

भारत और चीन के बीच नए कारोबारी रिश्ते तय हो गए हैं। हिमालय के तीन दूरों से चीन और भारत के बीच में कारोबार होगा। सड़क मार्ग से चीन और भारत के बीच एक बार फिर व्यापार शुरू होने जा रहा है। मुद्रा का लेन देन भी भारतीय और चीन की मुद्रा में होगा।

भारत तिब्बत व्यापार समिति के महासचिव दौलत रायपा ने जानकारी देते हुए कहा, सदियों से तिब्बत के साथ भारत और चीन के बीच व्यापार होता रहा है। स्थानीय मुद्रा में ही व्यापार करने की मांग हम लोग कर रहे थे। भारत सरकार ने स्टेट बैंक आफ इंडिया की ब्रांच में मनी एक्सचेंज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके कारण चीन और भारत के बीच में अब सड़क मार्ग से कारोबार बड़े पैमाने पर हो सकेगा।

भारत से चीन बकरी,भेड़,अनाज, मसाले, गुड,मिश्री गेहूं इत्यादि का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। अंग्रेजों के शासनकाल में भी लिपुलेख दर्रे से व्यापार और तीर्थ यात्रा दोनों देशों के बीच में होती थी। भारत और चीन के बीच व्यापार का यह सड़क मार्ग व्यापारियों के लिए उपयोगी था।

5334 मीटर ऊंचाई पर सदियों से भारत नेपाल और चीन के बीच में इसी मार्ग से व्यापार होता रहा है। कैलाश मानसरोवर की यात्रा का भी यही मार्ग है। जो भारत चीन और तिब्बत को आपस में जोड़ता है।

उत्तराखंड : धराली के बाद थराली में फटे बादल, सड़कें उखड़ीं, मलबा बन गए कई घर

चमोली। उत्तराखंड में भारी बारिश से हो रही तबाही थम नहीं रही है। पहले उत्तरकाशी के धराली में बादल फटे और कई लोगों की जान चली गई। सड़कें और मकान बह गए। अब चमोली जिले के थराली में बादल फटने से भारी नुकसान की खबरें आ रही हैं। यहां कई सड़कें पानी में बह गई तो कई घर मलबे में तब्दील हो गए। दरअसल, चमोली के थराली गांव में आधी रात को अचानक बादल फटा। डर के मारे लोग नींद से जाग उठे। जब तक वो कुछ समझते, तब तक उनके दरवाजे पर तबाही दस्तक दे चुकी थी। आनन-फानन में लोग अपने घरों से निकलकर सुरक्षित जगह की ओर भागने लगे।

बताया गया कि आधी रात करीब 1 बजे थराली में बादल फटा। चमोली के थराली में बादल फटने की वजह से कई घरों में मलबा घुस गया है। या यूं कहिए कि कई घर मलबे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं। अभी तक दो लोगों के लापता होने की खबर है। फिलहाल, प्रशासन, एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। राहत की बात है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि लापता होने वालों में लड़की के लापता होने की खबर है। उसकी उम्र 20 साल है और उसका घर सागवाड़ा गांव में है। दूसरा व्यक्ति चेपडो गांव से लापता हुआ है। बाजार में खड़ी कई गाड़ियां ध्वस्त हुई हैं, जिनमें एंबुलेंस और छोटी गाड़ियां भी इसकी चपेट में आई हैं। तबाही के बाद का वीडियो भी

सामने आया है। इस वीडियो में लोग अपनी जान बचाने के लिए किसी जगह पर जाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। चश्मदीदों के मुताबिक, चमोली के थराली में यह घटना रात को 1 बजे के आसपास हुई है। आधी रात को ही थराली बाजार के आसपास बादल फटने के बाद हड़कंप मच गया। ऐसा लगा जैसे आसमान से अचानक आफत बरस गई हो। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक तबाही आ चुकी थी। इसके बाद सब इधर-उधर मदद के लिए फोन घुमाने लगे। कई लोग इस तबाही में फंस गए हैं। कुछ परेशान लोगों ने बताया कि जल संस्थान का दफ्तर भी इसकी चपेट में आया है। फिलहाल, अभी और नुकसान होने की आशंका है।

सीएसपीएल और इसके प्रमोटर के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता । 6,210.72 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में ईडी की कोलकाता जोनल टीम ने पीएमएलए के तहत कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड (सीएसपीएल) और इसके प्रमोटर संजय सुरेका के ठिकानों पर छापेमारी की। ये छापेमारी सीबीआई की एफआईआर के बाद की गई है। आरोप है कि कंपनी और उसके डायरेक्टर्स/प्रमोटर्स ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को 6,210.72 करोड़ रुपए का चूना लगाया। इसके लिए फर्जी तरीके अपनाए गए - जैसे फंड्स की हेराफेरी और गलत इस्तेमाल, फर्जी स्टॉक स्टेटमेंट देना, बैलेंस शीट में गड़बड़ी करना। ईडी ने 50 लाख से ज्यादा बैलेंस वाले कई बैंक खाते पकड़े गए और फ्रीज कर दिए। इस छापेमारी में जमीन-जायदाद से जुड़े दस्तावेज मिले, जो संजय सुरेका की बेनामी संपत्तियों से जुड़े बताए जा रहे हैं। यह भी सामने आया कि बैंकों ने उन संपत्तियों पर लोन लिमिट बढ़ा दी, जिन पर ईडी पहले ही अटैचमेंट कर चुकी थी। इससे साफ है कि अटैच की हुई संपत्तियों का भी गलत इस्तेमाल कर क्रेडिट लिया गया। जांच में कई कंपनियों का नाम सामने आया है, जो इस पैसे को इधर-उधर घुमाने (लेयरिंग) में शामिल थीं।

ईडी के छापे में कांग्रेस नेता गिरफ्तार, घर मिले थे नगद 12 करोड़ व 6 करोड़ का सोना

बेंगलुरु। ऑनलाइन गेमिंग बिल संसद में पास होने के सिर्फ एक दिन बाद ही ईडी ने कर्नाटक कांग्रेस नेता के सी वीरेंद्र के घर से 12 करोड़ रुपए नगद बरामद किए हैं। कैश के अलावा 6 करोड़ रुपए की ज्वेलरी भी ईडी ने जब्त की है। ईडी ने चितदुर्गा जिले से कांग्रेस विधायक के सी वीरेंद्र और अन्य लोगों के खिलाफ ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी के का केस दर्ज किया था। गिरफ्तारी भी हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में वीरेंद्र अपने साथियों के साथ गंगटोक गए थे, जहां वह एक लैंड कैसिनो लीज पर लेने वाले थे। इसी दौरान ईडी ने उन्हें गंगटोक से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उन्हें स्थानीय कोर्ट में पेश कर ईडी ने बेंगलुरु कोर्ट ले जाने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल कर ली है। ईडी ने देशभर में 31 जगहों पर छापेमारी की, जिनमें गंगटोक, चितदुर्गा जिला, बेंगलुरु, हुबली, जोधपुर, मुंबई और गोवा शामिल हैं। गोवा में पांच कैसिनो- पप्पी'स कैसिनो गोल्ड, ओशन रिवर्स कैसिनो, पप्पी'स कैसिनो प्राइड, ओशन 7 कैसिनो और बिग डैडी कैसिनो-पर भी कार्रवाई की गई। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी कई ऑनलाइन सट्टेबाजी साइट्स चला रहा था, जिनके नाम किंग567, राजा567 आदि हैं। इसके अलावा आरोपी का भाई के सी थिप्पेस्वामी दुबई से तीन कंपनियां- डायमंड सॉफ्टटेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9 टेक्नोलॉजीज-चलाता है। ये कंपनियां कॉल सेंटर सेवाओं और गेमिंग बिजनेस से जुड़ी हुई हैं। वहीं एक और भाई केसी नागराज और उसका बेटा पृथ्वी एन राज भी इस काम में शामिल बताए जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक छापेमारी में ईडी को करीब 12 करोड़ रुपए नकद, जिसमें 1 करोड़ रुपए विदेशी मुद्रा भी शामिल है, करीबि 6 करोड़ रुपए का सोना, 10 किलो चांदी और चार लग्जरी गाड़ियां मिलीं हैं। इसके अलावा 17 बैंक खाते और 2 लॉकर भी फ्रीज कर दिए गए हैं। ईडी को छापों के दौरान कई अहम दस्तावेज और सबूत भी मिले हैं, जिनसे यह साफ हुआ है कि अवैध कमाई को अलग-अलग लेयरिंग के जरिए सफेद दिखाने की कोशिश की जा रही थी। बता दें एक दिन पहले ही ईडी ने केसी वीरेंद्र, उनके भाई और कई अन्य लोगों के खिलाफ अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी में शामिल होने के आरोप में धन शोधन के एक मामले में छह राज्यों में 30 ठिकानों पर छापे मारे थे। ईडी के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय ने चित्रदुर्ग (6), बेंगलुरु (10), जोधपुर (3), हुबली (1), मुंबई (2) और गोवा (8) में फैले 30 ठिकानों की तलाशी ली, जिनमें पांच प्रमुख कैसीनो -पपीज कैसीनो गोल्ड, ओशन रिवर्स कैसीनो, पपीज कैसीनो प्राइड, ओशन 7 कैसीनो और बिग डैडी कैसीनो शामिल हैं।

जब मखाना किसानों के साथ तालाब में उतरे राहुल गांधी, निकाला मखाना

कटिहार। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निकले हैं। उनकी इस यात्रा में हर जगह जन सैलाब उमड़ रहा है। शनिवार को इस यात्रा का 7वां दिन था और अपनी इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान राहुल गाँधी लगातार सरकार और चुनाव आयोग पर तीखे प्रहार कर रहे हैं। शनिवार को राहुल गाँधी कटिहार जिले के कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में मखाना किसानों से मिले और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने मखाना किसानों के साथ तालाब में उतरकर मखाना निकाला। इस दौरान उन्होंने किसानों से मखाना के तैयार होने की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी ली साथ ही किसानों की समस्याओं के बारे में भी बात की। इस मौके पर राहुल के साथ बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम भी मौजूद थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'बिहार दुनिया का 90 प्रतिशत मखाना उगाता है, मगर दिन-रात धूप-पानी में मेहनत करने वाले किसान-मजदूर मुनाफे का 1 प्रतिशत भी नहीं कमाते हैं। बड़े शहरों में 1000-2000 रुपए किलो बिकता है, मगर इन मेहनतकशों, पूरे उद्योग की नींव को, नाम मात्र का दाम मिलता है। आज, इन किसानों से उनके खेतों में मिलकर उनकी आपबीती जानी। उन्होंने कहा 'कौन हैं ये किसान-मजदूर? अतिपिछड़े, दलित-बहुजन। पूरी मेहनत इन 99 प्रतिशत बहुजनों की और फायदा सिर्फ 1 प्रतिशत बिचौलियों का। राहुल गांधी ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वोट चोर सरकार को न इन मजदूरों की कदर है, न फिकर- न आय दिया, और न ही न्याय। उन्होंने ये भी कहा कि वोट का अधिकार और हुनर का हक एक सिक्के के दो पहलू हैं - और इन दोनों को ही हम खोने नहीं देंगे।

सलवा जुडूम वाले फैसले पर बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मुझे लगता है कि पूरा जजमेंट नहीं पढ़ा गया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने खुद को नक्सलियों का समर्थक बताने पर प्रतिक्रिया दी। रेड्डी ने कहा, मैंने आज तक कोई ऐसा काम नहीं किया, जिसके बुनियाद पर आप कह सकते हैं कि मैं उनका समर्थक हूं। ये बात स्पष्ट है कि जजमेंट मेरा नहीं है, मैंने सिर्फ लिखा है, जबकि जजमेंट सिर्फ सुप्रीम कोर्ट का है। तीन लोगों ने इस जजमेंट को हटाने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। मुझे लगता है कि पूरा जजमेंट नहीं पढ़ा गया। उन्होंने सलवा जुडूम वाले फैसले पर कहा, यह फैसला अच्छा है या बुरा है, उस फैसले को समाज समझेगा और उस पर अपनी प्रतिक्रिया देगा। मैंने कभी अपने फैसले की तारीफ नहीं की।

रेड्डी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी करने पर कहा, अभी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। मैं सुप्रीम कोर्ट का पूर्व न्यायाधीश हूं। इसतरह की टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कहा, मैं कोई सुरक्षा जानकार नहीं हूं। जो हमला हुआ, उसके बारे में कोई दो राय हो सकती है क्या? निर्दोष को पकड़कर मारा गया। हिंदुस्तान में कोई व्यक्ति ऐसा है क्या, जो पहलगाम को लेकर दूसरी राय रखता हो? पूरे देश की एक ही राय है, वहीं राय मेरी भी है।

रेड्डी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा, मैं इसके डिटेल में नहीं गया हूं। कोई विश्लेषण नहीं किया है। इसकारण ऑपरेशन के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, इसके बाद सेना के ऑपरेशन पर कुछ भी टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा। जातिगत जनगणना पर उन्होंने कहा, इस पर मेरी राय का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी राय रख दी है।

रेयर अर्थ मिनरल्स के रिजर्व के मामले में भारत का तीसरा स्थान

नई दिल्ली। रेयर अर्थ मिनरल्स के रिजर्व के मामले में भारत का तीसरा स्थान है और एक अनुमान के अनुसार देश में 70 लाख टन ऐसे मिनरल्स हैं। अनुमान है कि चीन की जमीन में 4।4 करोड़ टन रेयर अर्थ मिनरल्स हैं। दूसरे नंबर पर ब्रिक्स का ही एक और सदस्य देश ब्राज़ील है। अनुमान है कि ब्राज़ील की जमीन में 2।1 करोड़ टन रेयर अर्थ दबे हैं यानी इस गेम में ब्राज़ील दुनिया का बड़ा खिलाड़ी बन सकता है, क्योंकि आने वाला टाइम तो इलेक्ट्रिक गाड़ियों का ही दिख रहा है। पेट्रोल-डीजल के जमाने लदने वाले हैं।

हाईकोर्ट में वकीलों के 'ड्रेस कोड' में टोपी को शामिल करने को लेकर हुई सुनवाई

देहरादून। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कोर्ट में वकीलों के आधिकारिक 'ड्रेस कोड' में टोपी को शामिल करने संबंधी एक याचिका पर सुनवाई की। अधिवक्ता विनोद नौटियाल ने यह जनहित याचिका दायर की है। याचिका में नौटियाल ने 2001 की एक घटना का जिक्र किया जब किसी मामले में वरिष्ठ मंत्री नारायण रामदास को उत्तराखंड हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के सामने पेश होना था और द्वार पर मौजूद पुलिस ने उनसे अपनी सफेद गांधी टोपी उतारने को कहा क्योंकि कोर्ट कक्ष में बिना टोपी के प्रवेश किया जाता है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर उस समय विवाद भी हुआ था। याचिका में यह भी कहा गया है किसी को टोपी उतारने के लिए मजबूर करना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

नौटियाल ने कोर्ट कक्ष के अंदर काली या किसी भी रंग की टोपी पहनने की अनुमति मांगी है और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' को अपने नियमों में संशोधन कर टोपी को अधिवक्ताओं की आधिकारिक पोशाक का हिस्सा बनाए जाने के निर्देश देने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में, बहुत ज्यादा ठंड पड़ती है और शोक या उत्सव के अवसर पर विशेष टोपी पहनने का भी रिवाज है। नौटियाल ने यह भी कहा कि सिख समुदाय के सदस्यों को अदालत में पगड़ी पहनने की अनुमति है।

अनिल अंबानी के घर और अन्य ठिकानों पर सीबीआई ने मारा छापा

नई दिल्ली,। उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें अब एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के बाद अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार सुबह 7 बजे से अंबानी के घर और उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई 17,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक लोन फ्रॉड मामले से जुड़ी हुई है। मुंबई के कफ परेड स्थित सीविंड अपार्टमेंट में अनिल अंबानी के आवास पर सुबह-सुबह 7 से 8 अधिकारी सर्च ऑपरेशन करने पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई यस बैंक और अंबानी की कंपनियों के बीच हुए पैसों के लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है।

खंगाले जा रहे दस्तावेज

सीबीआई ने इससे पहले रिलायंस कम्युनिकेशंस के प्रमोटर्स के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं। इसके बाद शनिवार को रिलायंस ग्रुप के दफ्तरों और अंबानी से जुड़े ठिकानों पर तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, यह जांच एसबीआई को हुए 2000 करोड़ रुपये के नुकसान से भी जुड़ी हुई है।

ईडी की जांच में सामने आई गड़बड़ियां

इससे पहले ईडी ने रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 50 संस्थाओं और 25 व्यक्तियों पर छापेमारी की थी। जांच में सामने आया कि बिना वेरिफाइड सोर्स वाली कंपनियों को लोन जारी किए गए, एक ही डायरेक्टर और पते पर कई कंपनियां रजिस्टर्ड थीं, लोन फाइलों में जरूरी दस्तावेज मौजूद नहीं थे और शेल कंपनियों के नाम पर नए लोन मंजूर किए गए। ईडी सूत्रों का कहना है कि 2017-2019 के बीच यस बैंक ने अंबानी की कंपनियों को लोन जारी किए थे, और इसके बदले बैंक प्रमोटर्स को मोटा पैसा मिला था।

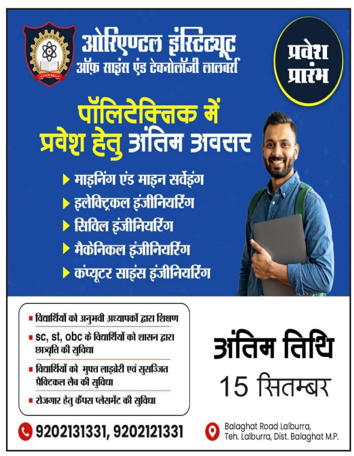

आज जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा नारबोद पर्व

पर्व को लेकर बच्चो में दिख रहा विशेष उत्साह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पाटन पोला पर्व के दूसरे दिन आज रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ नारबोद पर्व मनाया जाएगा। इसको लेकर जिलेवासियों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।खास तौर पर छोटे बच्चे इस पर्व को मनाने के लिए उत्साहित हैं। जिले के ग्रामीण अंचलों में जहां नारबोद पर्व भोर सुबह मनाया जाएगा, तो वही नगर व तहसील क्षेत्र में सूरज निकलने के बाद इस पर्व की धूम नजर आएगी। वही इस पर्व विशेष पर ग्रामीण अंचलों में विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किए जाएगे।धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान कृष्ण ने इस दिन पूतना राक्षसी का वध किया था। तब से यह पर्व पोला पाटन के दूसरे दिन मनाया जाता है। इस दिन पूतना नामक राक्षसी का एक पुतला बनाकर लोग आफत, बलाए, बीमारियों, मंहगाई, आदि बुराइयों को भी नगर या गाँव की सीमा से निकालने की बात कहते हुए तमाम बुराइयों को घेऊन जा री नारबोद कहकर पुतले का भृमण कराकर गाँव या शहर की सीमा से बहार ले जाकर पुतले का दहन करते है।

पौराणिक काल से चली आ रही यहा परम्परा आज भी निभाई जा रही है।माना जाता है कि यह पर्व किसानों की समृद्धि ही नहीं बल्कि उनकी तनाव मुक्त जीवन शैली का पैगाम देता है।जिले में नारबोद की अनुपम छटा आज रविवार को देखने को मिलेगी। यह भी कहा जाता है कि खेत खलियानों में होने वाली पूजा में किसान उन खराब वस्तुओं को अपने से दूर करने की प्रार्थना करते है जो उन्हें बेहद परेशान करती है और उनके लिए आये दिन मुसीबत खड़ी करती है। किसान समुदाय प्रार्थना करता है कि नारबोद उस समस्या को अपने साथ लेकर चली जाए।इस दौरान कई जगह उस मुसीबतों का नाम लेकर उसका पुतला भी जलाया जाता है।

फसलों की सुरक्षा व सर्वधन की होगी प्राथनाएं

आज इस पर्व विशेष पर गांवो में निवासरत आबादी अपने घरों के सामने तेन्दु, पलाश और नीम के शाखाएं लगाते है।ये हरी भरी शाखाये संपन्नता का प्रतीक मानी जाती है।वही ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसान गराड़ी नामक पेड़ की टहनियां तोड़कर उसे अपनी हरी-भरी फसलों में लगाते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से उनकी फसल हमेशा हरी-भरी और लहराती हुई रहेगी। वहीं उनकी यह फसल बीमारियों से दूर रहेगी।शायद यही वजह है कि नगरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में इस पर्व को हर्षोल्लास, पारंपरिक रीति रिवाज और पूर्ण विधि-विधान के साथ मनाया जाता है।

बूढ़ी से बैंड बाजे के साथ निकाली जाएगी नारबोद

पोला पाटन पर्व के दूसरे दिन रविवार को पारम्परिक रीति- रिवाज के साथ जिलेभर में मारबत पर्व मनाया जाएगा। जहा नगरीय क्षेत्र के अलावा ग्रामीण अंचलों में मारबत पर्व की धूम देखने को मिलेगी।मारबत के दिन सुबह सुबह लोग अला-बला व बुराईयों को ले जा रही नारबोद चिल्लाते हुए मारबत का पुतला निकाल नगर व गांव की सीमा के बाहर ले जाएगे। जहा मुसीबत रूपी मारबत को जलाकर सुख समृद्धि की प्राथनाएं की जाएगी। इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पोला के दूसरे दिन वार्ड नंबर 11 बूढ़ी से बैंड बाजे की धुनों के साथ मारबत का पुतला निकाला जाएगा। मारबत का यह पुतला बूढ़ी से होते हुए बस स्टैंड, भटेरा चौकी, रेल्वे क्रासिंग से भटेरा चौकी नाका के उस तरफ एक स्थान पर रखा जाएगा।जहाँ घेऊन जा री नारबोद चिल्लाते पुतला का दहन किया जाएगा।जिसको लेकर लोगों में खासा उत्साह बना हुआ है

प्रदेश महामंत्री सबनानी ने मुकेश नायक की अभद्र भाषा को लेकर दी प्रतिक्रिया

लगातार विपक्ष में रहकर बौखला गए हैं कांग्रेसी नेता

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कांग्रेस के प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक द्वारा प्रशासनिक अधिकारी के प्रति अभद्र शब्दों के प्रयोग को निंदनीय बताते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता लंबे समय तक विपक्ष में रहने के कारण बौखला गए हैं। इसीलिए वो कभी महिलाओं, कभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे राष्ट्रवादी संगठन और प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता नौटंकी और हास्यास्पद हरकतों के सहारे सुर्खियां बटोरना चाहते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश की जनता सब देख रही है और आने वाले समय में कांग्रेस को मानसिक दिवालियापन का करारा जवाब देगी।

मानसिक तौर पर कंगाल हुई कांग्रेस

भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता मानसिक तौर पर कंगाल हो चुके हैं। उनके पास अपनी बात कहने के लिए शब्द ही नहीं बचे हैं, इसलिए वो अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। श्री सबनानी ने कहा कि प्रशासन के अधिकारी शासन के प्रति उत्तरदायी होते हैं, उनका किसी से कोई लेना-देना नहीं होता, वो अपना काम करते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान करते हैं, लेकिन आश्चर्य की बात है कि कांग्रेस के नेता उनके प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं के इस व्यवहार की मैं कड़ी निंदा करता हूं और उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या कर्नाटक सहित अन्य राज्यों में जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां भी कांग्रेस के नेता प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति ऐसी ही भाषा, ऐसे ही विशेषणों का प्रयोग करते हैं?

भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक कार्य किए है।

लोधी गार्डन में आवारा कुत्तों को लेकर विजय गोयल का अभिनंदन

नई दिल्ली। आज लोधी गार्डन में विभिन्न संगठनों ने आवारा कुत्तों की समस्या पर पिछले तीन वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर कई ऐसे लोग भी उपस्थित थे जिन्हें आवारा कुत्तों ने काटा था। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे और उनके परिवार इस समस्या से बेहद पीड़ित हैं। अलग-अलग क्षेत्रों से आए नागरिकों ने भी जोर देकर कहा कि 卐हम आवारा कुत्तों से बहुत परेशान हैं, सरकार को इस पर तुरंत ठोस कदम उठाने चाहिए। हम श्री गोयल के प्रयासों को पूरा समर्थन देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट का एक सकारात्मक निर्णय यह है कि एबीसी रूल्स (स्द्गष्ह्वद्बश्ठ 16 और 20) को समाप्त कर दिया गया है। इसके चलते अब खूंखार, काटने वाले और हिंसक कुत्तों को बाड़ों में बंद करना संभव होगा तथा सोसाइटी, अपार्टमेंट और सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक लगेगी।

गोयल ने अपने वक्तव्य में कहा कि 卐आवारा कुत्तों की समस्या अभी कम नहीं हुई है। बल्कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के बाद कुत्तों को खाना खिलाने वालों और आम जनता के बीच झगड़े और टकराव और बढ़ सकते हैं।

लेकिन गोयल ने कोर्ट के उस आदेश पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिसमें कहा गया है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को फिर से सड़कों पर छोड़ दिया जाए। उन्होंने कहा 卐दिल्ली की सड़कों पर इस समय लगभग 10 लाख से अधिक आवारा कुत्ते हैं। हर दिन करीब 2,000 लोग इनके काटने का शिकार होते हैं। नसबंदी और वैक्सीन के बावजूद कुत्ते काटते रहेंगे, इससे कोई ठोस समाधान नहीं होगा। इस स्थिति में यदि किसी को काटा जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट और तथाकथित 'कुत्ता प्रेमी संगठनों' की होगी, जो कुत्तों को सड़कों पर खाना खिलाते हैं।卐

गोयल ने स्पष्ट किया कि वे दिल्ली भर में आवारा कुत्तों के मुद्दे पर जन-जागरण अभियान जारी रखेंगे और सभी आरडब्ल्यूए (Resident Welfare Associations) को एकजुट करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अपील की, अब समय आ गया है कि सभी निवासी खुलकर सामने आएं और इस समस्या के खिलाफ एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करें।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को देश की प्रगति और विकास के लिए जरुरी, अब हर देशवासी ये मान रहा - चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक राष्ट्र, एक चुनाव को देश की प्रगति और विकास के लिए जरुरी बताकर इसका समर्थन किया है। उनका कहना है कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के संसाधनों, समय और ऊर्जा की बर्बादी करते हैं, जिससे देश में चल रहे विकास कार्य बाधित होते हैं।

उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव की परिस्थिति को देश के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि आज एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए सभी वर्ग सामने आ रहे हैं। सभी का मानना है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश का विकास तेज गति से होगा। बार-बार चुनाव को लेकर जो झगड़े होते हैं, वे समाप्त हो जाएंगे और विकास के कामों को गति मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित में है और इस भारत के करोड़ देशवासी भी मान रहे हैं।

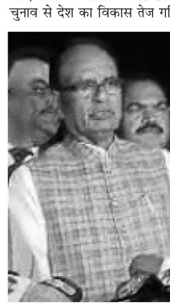

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा कि चुनावों के दौरान कलेक्टर सभी को ड्यूटी देते हैं, सब चुनाव आयोग के अधीन आते हैं, शिक्षक, इंस्पेक्टर, सब मतदाता सूची तैयार करने में व्यस्त होते हैं। जब हर 5 साल में एक बार चुनाव होने पर, तब मतदाता सूची एक ही बार बनेगी, जिससे मतदाता सूची पर विवाद खत्म हो जाएगा। हर 4 महीने में चुनाव होने के कारण, अनुमान है कि 5 साल में इन चुनावों पर 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए हैं और यह लगातार बढ़ रहा है। यह 7 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यह करदाताओं का पैसा है। इसीलिए, एक राष्ट्र, एक चुनाव देशहित में है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दर्ज एफआईआर पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देशवासियों के दिलों में बसते हैं और लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। उन्होंने तेजस्वी के बयान को निंदनीय करार देकर कहा कि ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियां उचित नहीं है।

संसद भवन के गज द्वार से हटेगा पेड़....प्रेरणा स्थल पर लगाया जाएगा

नई दिल्ली। नए संसद भवन के गज द्वार पर खड़ा पेड़, जिसे सुरक्षा के लिए खतरा माना जा रहा था, अब परिसर के भीतर प्रेरणा स्थल पर लगाया जाएगा। इस जगह पर देश के महान नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियां स्थापित हैं। यह फैसला स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) की सुरक्षा चिंताओं के बाद लिया गया है। एसपीजी ने कहा था कि गज द्वार पर लगा यह पेड़, जिसका नंबर 01 है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने-जाने के रास्ते में बाधा बन सकता है। इस पेड़ को शिफ्ट करने का काम मानसून सत्र खत्म होने के बाद शुरू होगा। यह पेड़ लगभग सात साल पुराना है और तेजी से बढ़ता है। दिल्ली के वन विभाग ने कुछ सख्त शर्तों के साथ पेड़ को हटाने की इजाजत दे दी है। इन शर्तों में पेड़ को दूसरी जगह लगाने के बाद उसकी देखभाल करना और उसकी जानकारी देना भी शामिल है।

इसके अलावा, दिल्ली के वन विभाग के नियमों के अनुसार, सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (सीपीडब्ल्यूडी) को इस एक पेड़ के बदले प्रेरणा स्थल पर 10 नए पौधे लगाना होगा। इन पौधों में नीम, अमलतास, पीपल, बरगद, शीशम और अर्जुन जैसी भारतीय प्रजातियों के पौधे शामिल है। सीपीडब्ल्यूडी ने इसके लिए वन विभाग में 57,000 की सुरक्षा राशि भी जमा कर दी है।

शिकायतकर्ता सुजाता भट की कहानी एसआईटी की पड़ताल में झूठी साबित हुई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मशहूर धार्मिक स्थल में बीते दो दशकों से हत्याओं, दुष्कर्म और शवों को दफनाने के सनसनीखेज आरोप लगाने वाली शिकायतकर्ता सुजाता भट की कहानी विशेष जांच दल (एसआईटी) की पड़ताल में झूठी साबित हुई है। शनिवार को एसआईटी ने मामले से जुड़े मुख्य शिकायतकर्ता सी.एन. चिन्नैया को गिरफ्तार कर अदालत से 10 दिन की हिरासत हासिल की। भट लगातार दावा कर रही थीं कि उनकी बेटी अनन्या 2003 में धर्मस्थल से लापता हो गई थी और प्रभावशाली लोगों ने मामले को दबा दिया। लेकिन एसआईटी की जांच में सामने आया कि 'अनन्या भट' नाम की कोई लड़की अस्तित्व में ही नहीं थी। मणिपाल के कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज ने बताया कि इस नाम से कभी कोई छात्रा दाखिल नहीं हुई। स्कूल, कॉलेज या सरकारी अभिलेखों में भी उसका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इतना ही नहीं सुजाता के परिचित और रिश्तेदार भी ऐसी किसी बेटी के बारे में नहीं जानते। जांच में सुजाता के अन्य दावे भी खारिज हुए। उन्होंने बताया था कि उनका अपहरण हुआ और तीन महीने कोमा में अस्पताल में भर्ती रहीं, लेकिन किसी अस्पताल में ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। उन्होंने सीबीआई में नौकरी का दावा भी किया, इस एजेंसी ने गलत बताया। वहीं, सफाईकर्मी भीमा द्वारा प्रस्तुत कथित महिला खोपड़ी की फॉरेंसिक जांच में वह पुरुष की निकली। श्रद्धालुओं का कहना है कि यह सब सुनियोजित दुष्प्रचार का हिस्सा था। एसआईटी के निष्कर्षों के बाद सुजाता के आरोपों की विश्वसनीयता पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि गलत काम करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार पूरी तरह न्याय के पक्ष में है और जांच जारी है।

कोल्हापुर में दो गुटों के टकराव में 10 लोग घायल

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में दो गुटों के टकराव में 10 लोग घायल हुए है। यह घटना सिद्धार्थनगर इलाके में हुई। इस घटना में कई लोग घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब राजेबगस्वर फुटबॉल क्लब की 31वीं सालगिरह मनाने के लिए आयोजन हुआ था। इसके लिए बैनर, पोस्टर्स और साउंड सिस्टम लगाए गए थे। इन चीजों ने स्थानीय लोगों में गुस्सा भर दिया। लोगों का आरोप था कि इन चीजों से परेशानी हो रही है।

जब स्थानीय लोगों ने आयोजन का विरोध किया, तब झगड़ा बढ़ गया। रात 10 बजे तक, दोनों तरफ से भारी संख्या में पथराव हुआ। दो कारों को आग लगा दी गई, जबकि ऑटो और खड़ी कारों सहित लगभग आठ से नौ वाहनों में तोड़फोड़ की गई।घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि पत्थरों से गाड़ियों के शीशे टूट गए थे और मलबा अंदर बिखरा हुआ था। हंगामे के दौरान सड़क किनारे का पार्किंग क्षेत्र पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया। अधिकारियों ने बताया कि यह झड़प दोनों समूहों के बीच एक गलतफहमी का परिणाम थी।

उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के बरेली के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

कांग्रेस में फील्ड नहीं, सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वालों का होता है सम्मान

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश शासन के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के समक्ष भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के बरेली के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश उपाध्याय, जिला यूथ कांग्रेस महामंत्री आदित्य स्थापक, सेक्टर अध्यक्ष, राजेश पचौरी, माखन धाकड़, अशोक घनघोरिया, सुरेश धामले (रिटायर्ड डीएसपी), रामकिशोर राजोरिया, नवनीत भार्गव (वकील) सहित 280 से अधिक कांग्रेस कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विकास कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर मिस्ड कॉल के माध्यम से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने मंच का संचालन किया और आभार रायसेन जिले के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने माना।

भाजपा में कोई कार्यकर्ता छोटा-बड़ा नहीं होता, सबको मिलता है सम्मान

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने नवागत कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए कहा कि हम सब मिलकर भारतीय जनता पार्टी के परिवार को बढ़ाने के साथ-साथ देश को बढ़ाने का कार्य करेंगे। हमारी पार्टी में जितना मान-सम्मान पार्टी के कार्यकर्ताओं को मिलता है उतना ही सम्मान आपको मिलेगा। भाजपा में कोई कार्यकर्ता छोटा-बड़ा नहीं होता सबको सम्मान मिलता है। किसी भी छोटे से कार्यकर्ता को जिम्मेदारी मिल जाती है और वो उसे ईमानदारी के साथ निभाता है। आप सभी ने दिल से कांग्रेस का कार्य किया होगा, लेकिन कांग्रेस में जमीनी कार्यकर्ताओं का मूल्यांकन नहीं होता। वहां पर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वालों का मूल्यांकन होता है और फील्ड में काम करने वालों को नजरअंदाज किया जाता है। इसलिए कांग्रेस का परिवार रोज घट रहा है और भाजपा का परिवार बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी जी देश को बुलंदियों पर पहुंचाने का कार्य कर रहे है

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे देश को दुनिया में बुलंदियों पर पहुंचाने का कार्य लगातार कर रहे हैं। कांग्रेस ने देश में आजादी के बाद सबसे अधिक समय तक शासन किया, लेकिन गरीबों का कल्याण नहीं किया। गरीबों, आदिवासियों को मकान मिल जाए, रोड, मकान और बिजली की समस्या का समाधान निकल जाए यह कांग्रेस ने कभी नहीं सोचा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास की दिशा में तेजी से कार्य कर रहे हैं, ताकि प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में खड़ा हो सके।

कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की परख नहीं होती -राजेश उपाध्याय

बरेली के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रहे राजेश उपाध्याय ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि कांग्रेस में पार्टी के कार्यकर्ताओं की पूछ-परख नहीं होती, इसलिए भारतीय जनता पार्टी में आने का फैसला लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आगे बढ़ रहा है और मैं भी भाजपा से जुड़कर देश के उत्थान के साथ-साथ पार्टी को आगे बढ़ाने में सहयोग करूंगा।

इस अवसर पर नारायण पस्तारिया, रामेश्वर गिरदोनिया, सुनील शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, केशव यादव, रिटायर्ड एएसपी, कविद्र रघुवंशी, शैलेन्द्र रघुवंशी, अनिल सिंह, पप्पू विश्वकर्मा, अशोक कुमार तिवारी, संतोष गढवाल, राजेश पटेल, पंकज शर्मा, श्याम सिंह राजपूत, आदित्य स्थापक एवं देवेन्द्र राजपूत सहित 280 से अधिक लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पाटन पर्व

बैलों को दूल्हें की तरह सजाकर की पूजा अर्चना, जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में पोला पाटन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जिलेभर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।शनिवार को बैलों की पूजा अर्चना का पर्व पोला पारम्परिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाने के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह नजर आया। किसानों का उपयोगी साथी एवं भगवान शंकर के परम भक्त नंदी बैलों को मवेशी मालिकों द्वारा नहलाकर रंग-बिरंगे कलर कर, सिंगो में चमकीला बेगड़ लगाया गया। वही गुब्बारा बांधकर फूलों का हार पहनाकर दूल्हें की तरह सजाया गया। जिसके बाद बैल जोड़ी को पोला मैदान में ले जाया गया। जहां गांव के बच्चे युवा व बुर्जुग महिला पुरूष पोला मैदान में एकजुट हुये। इस अवसर पर गांव के मुखिया के घर से ढोल नगाड़ों के साथ आरती की थाल सजाकर पोला मैदान लाई गई। जहां सभी बैलजोडियों की पूजा अर्चना कर लोकगीत गाए गए।वही बैलों के पैर पखार कर उनकी विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसके उपरांत उपस्थितजनों ने एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर छोटे ने बड़े बुर्जुगों का आशीर्वाद लिया व पोला पर्व की बधाई देकर बैलजोड़ी दौड़ाई गई।

बैल जोड़ी को घर घर परोसा गया विशेष भोजन

पोला पर्व के बाद मवेशी मालिको द्वारा अपने घरों में बैल जोड़ी को ले जाकर उसकी आरती उतारी वही घर में बने स्वादिष्ट पकवान खिलाकर उसकी पूजा की। तत्पश्चात गांव में आस-पास पड़ोस में बैल जोड़ी को लोगों के घर-घर ले जाया गया। जहां बैलों की आरती उतारकर तिलक लगाकर पूजा कर उन्हें पकवान खिलाया गया और बैल जोड़ी लाने वालों को भी तिलक लगाकर उपहार दिया गया।शहर मुख्यालय के वार्ड नंबर 33 गायखुरी दुर्गा चौक में पोला भराया गया। वहीं सरेखा मैदान, बगदरा, नेतरा और गायखुरी वार्ड नं 5, कोसमी सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में पोला भराकर, बैलजोड़ी की पूजा अर्चना कर बैल जोड़ी दौड़ाया गया।

आम की तोरन के नीचे लाइन से खड़ी की गई बैल जोड़ी

ग्रामीण अंचलों में पाटन पोला पर्व पर आखर मैदान में यह उत्साह मनाया गया।जहा आम के पत्ते की बनी तोरन के सामने सभी ग्रामीणों ने अपनी अपनी बैल जोड़ी लाइन से खडी की,वही स्थानीय नागरिको, व प्रतिष्ठित ग्रामीणों ने स्थानीय मंदिरो मे विशेष पूजा अर्चना कर बैल जोड़ी को तिलक लगाकर पूजा की।जहाँ पूजा सम्पन्न कर ग्रामीणों ने पत्ते से बनी तोरन लूट कर अपनी अपनी बैल जोड़ी को दौड़ाते हुए घर ले गए।जहाँ बैल जोड़ी को किसानों ने घर मे पकवान बनाकर अपने हाथों से खिलाया।वही कृषि कार्य मे सहयोग करने के लिए उनका आभार जताया।

परंपरा व संस्कृति से जुड़ा है पर्व

बालाघाट जिला मध्यप्रदेश का सबसे अधिक धान उत्पादक जिला है जो महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की परंपरा व संस्कृति से जुड़ा है। जिसके चलते बालाघाट जिले में पोला के त्योहार का खास महत्व है।इस दिन किसान बैलों को दूल्हे की तरह सजाकर उन्हें पकवान खिलाते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किसान बैलों की सेवा उनका कृषि कार्य में सहयोग के लिए उपकार मनाते है। जिसके चलते यहां पोला किसानों का प्रमुख त्योहार माना जाता है।

कोसमी में बैल जोड़ी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नगर मुख्यालय से लगे ग्राम कोसमी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पारंपरिक तरीके से पाटन पोल का पर्व मनाया गया। जहां पूर्व वर्षो की भांति सभी किसान अपनी अपनी बैल जोड़ी को सजाकर आखर मैदान पहुचे, जहां विशेष पूजा अर्चना के बाद पाटन पर्व के अवसर पर बैल जोड़ी दौड़ प्रतियोगिता कराई गई।वही आकर्षक कट काठी और बहतरीन सजावट के आधार पर ईनाम दिए गए जहा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ व पाँचवे स्थान आने वाली बैल जोड़ी मालिको क्रमशः 11000, 9000, 5000, 7000, और 2000, के अतिरिक्त प्रथम स्थान की बैल जोड़ी मालिक को 2100,के अलावा सभी बैल जोड़ी मालिको को दीवाल घड़ी सहित पशु प्रेमी उत्कृष्ट किसान को नगद राशि, स्मृति सहित अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सरेखा व ग्राम बगदरा में भी पर्व विशेष की रही धूम

वहीं ग्राम बगदरा में भी पाटन पोला पर्व की धूम देखने को मिली। जहां वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए पारंपरिक तरीके से यह पर्व मनाया गया। जिसका स्थानीय ग्रामवासियों ने जमकर उठाया। तो वहीं नगर के सरेखा वार्ड नंबर 30, 31 और 5 में भी पोला पाटन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जहां सर्वप्रथम स्थानिय लोगो द्वारा काली मंदिर सरेखा में विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसके उपरांत सभी बैल जोड़ी को शारदा मंदिर के पास आखर मैदान ले जाकर उन्हें एक पंक्ति में खड़ा किया गया। इसके उपरांत बारी-बारी से स्थानीय लोगों ने उनकी पूजा अर्चना कर गांव की खुशहाली के लिए मन्नते की। जिसमें वार्ड नंबर 30 वार्ड नंबर 31 और वार्ड नंबर 5 के स्थानीय लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिन्होंने सह परिवार इस पर्व में शामिल होकर पर्व विशेष का जमकर लुत्फ उठाया।

बच्चों में पर्व विशेष को लेकर देखा गया खासा उत्साह

पोला पाटन पर्व पर खासकर बच्चो में खासा उत्साह देखा गया।बच्चों द्वारा भी तान्हा पोला के रूप में पर्व मनाकर मिट्टी व लकड़ी से बने बैलों को रंग रोगन कर आर्कषक सजाकर लोगों के घर-घर ले जाया गया। जहां बच्चों को उपहार दिया गया। इस पर्व को लेकर बाजार में पूजन सामग्री व मिट्टी व लकड़ी से बने बैलों व मिट्टी के खिलौने की दुकानें सजी रही।

यह वर्षों से चली आ रही परंपरा है-गगन नगपुरे

कोसमी में आयोजित तन्हा पोला पर्व को लेकर की गई चर्चा के दौरान सरपँच प्रतिनिधि गगन नगपुरे ने बताया कि हिंदू संस्कृति के हिसाब से आज पोला पर्व मनाया जा रहा है।यह वर्षों से चली आ रही परंपरा है जिसे आज भी लोग निभा रहे हैं।किसान लोग खेती खुशहाली के लिए इस पर्व को मनाते हैं. स्थानिय ग्रामीण लोग अधिक से अधिक मवेशी पाले इसीलिए पिछले तीन वर्षों से प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें सुंदर व आकर्षक दिखने वाली बैल जोड़ी को पुरस्कृत करने का काम भी किया जाता है। आज इस पर्व विशेष पर पांच बैल जोड़ी मालिकों सहित उत्कृष्ट किसान को नगद इनाम स्मृति, चिन्ह देकर, दीवाल घड़ी सहित विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।

प्रेमसंबंध में युवक ने भगायी लड़की परिवार भुगत रहा समाज बहिष्कृत का दंस , रोजी-रोटी का छाया संकट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम पाथरी के सकरिया परिवार का एक सदस्य एक आदिवासी युवती को भगा ले गया । जिसका खामियाजा उसके परिवार के अन्य सदस्य भुगत रहे हैं । ग्रामीणों ने उन्हें समाज से बहिष्कृत कर दिया है। साथ ही आज वह अपना व्यवसाय तक नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण उन्हें इन दिनों अपनी रोजी-रोटी के लिए संकट उत्पन्न हो गया है, पीडित परिवार की माने तो ग्रामीणों ने उनसे बात करने और उनका सहयोग करने वालों पर 10000 रूपये का जुर्माना दिए जाने का भी प्रस्ताव रखा है। इसलिए कोई भी आज पीडित परिवार से बात नहीं कर रहा है और वह बाजार में अपना व्यवसाय नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए ग्रामीणों ने प्रशासन से न्याय उचित कार्रवाई की मांग की है । पीडित परिवार ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत संबंधित थाने में भी की थी , किंतु उस पर भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई । आपको बता दे कि ग्राम पाथरी निवासी संतोषी सकरिया बताती हैं कि इसी वर्ष गर्मी के महीने में उनके देवर द्वारा एक आदिवासी युवती को भगा कर लिजा लिया गया है । तब से युवती के परिवार वाले उन्हें परेशान कर रहे हैं । सकरिया परिवार कुम्हार जाति का है, जो मिट्टी के बर्तन, मूर्ति, दिये आदि बनाते हैं और अपने वाहन से गांव गांव जाकर बेचते हैं । किंतु युवती के परिवार वाले उन्हें व्यापार करने से रोकते हैं । उनके वाहन के ड्राइवर को डरा धमका कर भगा देते हैं तथा रुपयों की मांग करते हैं । इससे उनको रोजी रोटी का संकट बन गया है । उनके द्वारा इसकी शिकायत मलाजखंड थाने में की गई थी किंतु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। साथ ही बैहर के पूर्व विधायक भगत नेताम तथा वर्तमान विधायक संजय उईके को भी मामले की जानकारी दी गई, किंतु अभी तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ । पीड़ित परिवार की संतोषी सकरिया बताती हैं कि वह कुम्हार है और और मिट्टी के बर्तन मूर्तियां बनाने का काम करते हैं उनके देवर द्वारा दूसरे समाज की आदिवासी लड़की को प्रेम संबंध के चलते भागकर यहां से कहीं दूर लेजा लिया गया है, जिस कारण लड़की के परिजनों द्वारा गांव में आना जाना और अन्य सामाजिक लोगों के साथ बातचीत करना बंद करवा दिया है। आज वह अपना व्यवसाय तक नहीं कर पा रहे हैं, उनके यहां के चौपहिया वाहनों को दूसरे ड्राइवर चलाने नहीं आते और यदि कोई उनसे बात करता है या उनसे संबंध रखता है तो उन से जुर्माना लिया जाता है। जबकि उनका देवर कहां है इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है ,किंतु आज समाज बहिष्कार का दंस वह झेल रहे हैं। उन्होंने इस पूरे मामले में प्रशासन से नियोजित कार्रवाई की मांग की है।

आईटीआई बुढ़ी मे कानूनी जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में शासकीय आईटीआई बुढ़ी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन 23 अगस्त को किया गया। शिविर में कॉलेज के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राए उपस्थित रहें। इस दौरान सतीष शर्मा न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं नालसा(बच्चों को मैत्रिपूर्ण विधिक सेवाए एवं उनका संरक्षण योजना) 2015 के विभिन्न प्रावधानों के बारें में अवगत कराया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे द्वारा साइबर अपराधों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही भारतीय न्याय संहिता, लोकोपयोगी सेवाओं की लोक अदालत एवं मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों से भी छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। श्री धुर्वे ने गुड टच बेड टच एवं नशे के दुष्परिणामों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की।

मनरेगा अभियंता संघ को मिला सरपंच संघ का समर्थन

16 से 25 अगस्त तक जिले भर के मनरेगा अभियंता है सामूहिक अवकाश पर , जल्द जायेंगें अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर मनरेगा अभियंता संघ द्वारा बीते कुछ दिनों से सामूहिक अवकाश करते हुए विरोध स्वरूप हड़ताल की जा रही है । मनरेगा अभियंता संघ के पदाधिकारी को अब सरपंच संघ का भी समर्थन मिल रहा है। इसी समर्थन के विषय को लेकर मनरेगा अभियंता संघ और सरपंच संघ ने शहर के निजी भवन में एक बैठक करते हुए पत्रकारों से चर्चा की और बताया कि वह 16 अगस्त से 25 अगस्त तक प्रदेश स्तरीय आवाहन पर अवकाश पर चले गए हैं। वह अभी विभाग का कोई कार्य नहीं कर रहे हैं । यदि उनकी मांगों पर जल्द ही निर्णय नहीं लिया जाता तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। आपको बता दे की अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर मनरेगा अभियंता संघ द्वारा प्रदेश स्तरीय आवाहन पर 16 अगस्त से 25 अगस्त तक अवकाश लेते हुए विरोध स्वरूप अपनी मांगे पूरी किए जाने को लेकर हड़ताल कर रहे है । अब मनरेगा अभियंता संघ को सरपंच संघ का भी समर्थन मिल रहा है। जिसमें सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन और सचिव आनंद बिसेन ने बताया कि आज मनरेगा अभियंता की आठ सूत्रीय मांगे जायज है। सरकार को इन कर्मचारियों की मांग को लेकर आवश्यक कदम उठाना चाहिए , उन्होंने भी आज अपने सरपंच संगठन के माध्यम से अभियंता संघ को अपना समर्थन दिया है। जल्द ही रोजगार सहायक और सचिव द्वारा भी मनरेगा अभियंता संघ को समर्थन दिलवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज मनरेगा अभियंताओं की वेतन में विसंगतियां है, जिसे ठीक करना चाहिए। नौकरी के बाद उन्हें किसी प्रकार से अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिलता। मनरेगा योजना भी आज धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर आ गई है। जबकि मनरेगा योजना को शुरू में बहुत अच्छे से चालू किया गया था, ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन रोकने तथा मजदूरों को 100 दिन काम दिए जाने की बात कही जाती थी , किंतु आज इस योजना में उतने कार्य नहीं हो रहे हैं और सरपंचों को परेशान होना पड़ रहा है। जबकि 1 वर्ष से सरपंच संघ स्वयं ही मनरेगा योजना को अच्छे से क्रियान्वयन किए जाने को लेकर सरकार से लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन सरकार इस योजना को सही से क्रियान्वित नहीं करवा रही है। मनरेगा अभियंता संघ के जिला अध्यक्ष भीवराम भोयर बताते हैं कि आज उनकी आठ सूत्रीय मांग को लेकर पूरे प्रदेश में हड़ताल की जा रही है। सभी मनरेगा अभियंता सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं । प्रदेश स्तरीय संगठन से चर्चा चल रही है कि इसके बाद जल्द ही मनरेगा अभियंता अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल पर चले जायेंगें । जिले भर में आज 70 से अधिक मनरेगा अभियंता काम कर रहे हैं । यदि मांगे पूरी नहीं होती तो वह इसी प्रकार कलम बंद हड़ताल करते हुए मनरेगा योजना के काम को रोक देंगे।

ये है प्रमुख मांगे

संविदा पारिश्रमिक की गणना नियुक्ति दिनांक की सेवा अवधी से समकक्ष सेवा अवधि वाले नियमित उपयंत्री के वेतन के समतुल्य करने एवं तदनुसार वार्षिक वेतन वृद्धि भी मिलनें के आदेश तत्काल जारी हो। मनरेगा उपयंत्री की मृत्यु होने पर आश्रितो को अनुकंपा नियुक्ति मिलने के आदेश तत्काल जारी हो। मनरेगा उपयंत्रियों को किसी भी प्रकरण में पद से पृथक किये जाने के स्थान पर निलंबित किए जाने का आदेश तत्काल जारी हो। जिला या प्रदेश स्तर पर आर.ई. एस. एवं मनरेगा के उपयंत्रियों की संयुक्त वरिष्ठता सूची अनुसार सहायक यंत्री के प्रभार दिए जाने के आदेश जारी हो । नियमित कर्मचारियों की भांति मनरेगा उपयंत्री हेतु उपादन भुगतान के आदेश तत्काल जारी हो एवं 1 अगस्त 2023 के बाद मृत या सेवानिवृत हुए उपयंत्रियों को भी इसका लाभ देने के आदेश हो ।संविदा सेवा का नवीनीकरण एक वर्ष नहीं 5 वर्ष की सी. आर. के आधार पर हो ताकि वित्तीय वर्ष के आखिरी में उपयंत्रियों का शोषण ना हो । मनरेगा उपयंत्रियों से केवल और केवल तकनिकी कार्य ही कराये जाये। एवं चूँकि मनरेगा माँग आधारित योजना है, इसे लक्ष्य आधारित योजना बनाकर उपयंत्रियों का शोषण बंद किया जाये। मनरेगा के उपयंत्रियों का भी अपना परिवार होता है जिसका पोषण उसकी जिम्मेदारी होती है। अत: माह की प्रथम तारीख को वेतन मिल जाये, यह सुनिश्चित किया जाये।

अन्नदाता की फसल को जंगली जानवर पहुचा रहे नुकसान

पलायन करने को मजबूर हुआ किसान, नुकसान का दिया जाए मुआवजा, मांग पूरी न होने पर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । महाराष्ट्र राज्य की सीमा से लगे बावनथडी नदी किनारे बसे ग्राम आंजनबिहरी मे राष्ट्रीय किसान-मजदुर महासंघ के बैनर तले किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जंगली जानवरों सुअर और बंदर से धान एवं गन्ने की बर्बाद हो रही फसल को लेकर किसानों ने अपनी समस्या रखी। इसके अलावा फसल और घर के उपयोग के लिए दी जाने वाली बिजली में हो रही कटौती पर किसानों ने अपनी बात रखते हुए, किसानों ने उनकी फसलों को हो रहे नुकसान के लिए आरबीसी 6/4 के तहत सरकार से मुआवजा दिए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने किसानों को मुआवजा न मिलने पर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के बैनर तले उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

राष्ट्रीय किसान-मजदुर महासंघ कार्यकारिणी का किया गया गठन

आयोजित बैठक में ग्राम आंजनबिहरी के सरपंच दिपक पुष्पतोडे को संघ का तिरोडी तहसील इकाई का अध्यक्ष ,मुनिराज संग्रामे और योगराज गौपाले को उपाध्यक्ष, मनोहर पुष्पतोडे को समन्वयक, राजकुमार गहाने को संयोजक, दामोदर राऊत को सचिव, रामचंद बोकड़े को कोषाध्यक्ष, संपतजी हांके को संरक्षक, लक्ष्मीचंद घोनमोड़े को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।बैठक मे राष्ट्रीय किसान-मजदुर महासंघ के जिलाध्यक्ष खोवेन्द्र तुरकर, उपाध्यक्ष जितेन्द्र बिसेन, समन्वयक, ईश्वरीप्रसाद बिसेन, धनसिंह पटले, बालकृष्ण रहांगडाले, शरद पांडे, जिला पंचायत सदस्य प्रकाश ऊके, महेश बोरकर, मिनेशराज तुरकर सहित पठार क्षेत्र के किसान साथी उपस्थित रहे।

खेती छोड़ पलायन करने पर मजबूर हुए किसान

आयोजित बैठक में बताया गया कि बावनथडी नदी किनारे पर पठार क्षेत्र मे अधिकतम किसान गन्ने और धान की खेती करते है,जिसमें उत्पादन खर्च अधिक आता है।गन्ने की परिपक्वता और मिठास आने पर जंगली सुअर तथा बंदर गन्ने की फसल को चट कर जाते है। जिससे किसानो को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यही कारण है कि पठार क्षेत्र में गन्ने का रकबा घटता जा रहा है और किसान, खेती छोड़कर, काम के लिए महानगरों की ओर पलायन कर रहे है।

तो उग्र आंदोलन किया जाएगा- ईश्वरी बिसेन

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिला संयोजक ईश्वरी प्रसाद बिसेन ने बताया कि आज क्षेत्रीय किसानों के विभिन्न मुद्दों और कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर किसानों की एक बैठक आहूत की गई थी। इसमें किसानों की समस्याओं को जाना गया है।किसानों ने बताया कि उनके क्षेत्र में जंगली जानवर सूअर बंदर आदि किसानों की गन्ने और धान की फसल को बर्बाद कर रहे हैं। जिसके चलते किसानों को आर्थिक व मानसिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।बैठक में यह फैसला लिया गया है कि जल्द ही तिरोड़ी और कटंगी तहसील के समस्त किसानो द्वारा सामूहिक रूप से एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर किसानों को फसलों में हुए नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा दिए जाने की मांग की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्र में विद्युत समस्या लंबे समय से बनी हुई है कभी भी विद्युत व्यवस्था बाधित कर दी जाती है, जिससे किसान काफी परेशान है।हमारी मांग है कि किसानों को भरपूर बिजली मिले। अपनी इन दो प्रमुख मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौपा जाएगा। यदि जल्द से जल्द किसानों की मांगों को पूरा नहीं किया गया तो क्षेत्र के समस्त किसान राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के बैनर तले उग्र आंदोलन करेंगे।

अग्रसेन भवन में रानी सती दादी का मनाया गया उत्सव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। श्री रानी सती दादी का वार्षिक उत्सव पूरे हर्ष उल्लास और धूमधाम के साथ स्थानीय अग्रसेन भवन में मनाया गया । आपको बता दे की अग्रवाल मंडल के अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष श्री रानी सती दादी का उत्सव पूरे धूमधाम के साथ मनाते हैं । इस वर्ष भी 23 अगस्त को सती दादी का उत्सव स्थानीय अग्रसेन भवन में पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया । यहां अंत में महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। इस उत्सव में मंगल पाठ का आयोजन किया जाता है जिसमें नाच गानों के साथ सभी सामाजिक बंधु ने इस उत्सव को मनाते हैं और रानी सती दादी को याद किया ।

बैलों को सजाकर की गई विशेष पूजा

क्षेत्रभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 23 अगस्त को पोला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों के द्वारा अपने अपने बैलों को सजाया गया, उन्हें अलग-अलग रंगों से रंगाया गया। साथ ही सीगों में बेगड़, पेंट लगाकर विशेष वनस्पति की तोरन बांधी गई व नये दांवन के साथ उन्हें ग्राम के मुख्य चौक-चौराहों पर इकट्ठा कर अपनी-अपनी बैल जोडियों को ग्राम के प्रमुख रास्तों में दौड़ाकर पोला पाटन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय में स्थित खिल्या मुठया स्थल, अमोली के मंदिर चौक, घोटी स्कूल चौक, बेहरई चौक में भी समस्त किसान बैलों को लेकर पहुंचे। जिसके पश्चात परंपरानुसार बांधी गई तोरन के नीचे गांव के बुजुर्गों के द्वारा पांच झड़तियां बोली गई तत्पश्चात बैलों को गांव भर घुमाया गया। इस दौरान लोगों के द्वारा बैलों की पूजा कर पकवान का भोग लगाया गया, जिसके बाद एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर पोला पर्व की

बधाई दी गई। यह पोला-पाटन का पर्व कृषि कार्य के समाप्त होने के बाद पोला एक विशेष पर्व है जो हरियाली का प्रतीक है। स्थाई पटेल, वरिष्ठ कांग्रेसी अनिल शर्मा ने बताया कि यह पोला पर्व विशेष रूप से किसानों व उनके पशुओं का पर्व है जो कृषि कार्य होने के बाद मनाया जाता है और यह एक विशेष पर्व है जो हरियाली का प्रतीक है। साथ ही यह भी बताया कि पोला पर्व पर किसानों के द्वारा बैलों को सजाकर व्यंजन बनाकर उनकी पूजा अर्चना की जाती है क्योंकि बैलों की मदद से ही किसान अपने सभी तरह के कृषि कार्य करता है। उन्ही की वजह से फसल का उत्पादन होता है और बैलों की मदद से ही किसानों के घर अनाजों से भरे रहते है, किसान को धन्य धान की प्राप्ति होती है इसलिये बैल के प्रति अपना प्रेम व सम्मान प्रकट करने एवं उनका आभार व्यक्त करने के लिए पोला का पर्व किसानों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाकर खुशियां मनाई जाती है। साथ ही पोला पाटन पर्व के अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर किसानगण व नगरवासी उपस्थित रहे।

जाम में कृषकों ने धूमधाम से मनाया पोला पर्व

नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम में कृषकों के द्वारा परंपरानुसार बैलों को सजाकर पोला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर किसानों के द्वारा बैलों को अलग-अलग रंगों से रंगाया गया। साथ ही सीगों में बेगड़, पेंट लगाकर विशेष वनस्पति की तोरन बांधी गई व नये दांवन के साथ उन्हें शासकीय उमावि. जाम के खेल मैदान में एकत्रित किया गया। जहां पर ढोल-बाजे की धुन पर कृषकों ने एक दूसरे को तिलक लगाकर अभिनंदन किया एवं बैलों की पूजा की गई तत्पश्चात वरिष्ठ कृषकों के द्वारा झड़तियां बोलकर बैलों को दौड़ाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आज जलेगा मारबत का पुतला

पारम्परिक पोला पर्व के दूसरे दिन मारबत (नारबोद) पर्व नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया जाता है। इसी कड़ी में 24 अगस्त को प्रत्येक ग्रामों में मारबत (पूतना) का पुतला गांव की सरहद के बाहर जलाया जायेगा।

जनपद में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शिविर का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में शुक्रवार को प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजनांतर्गत शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह शिविर जनपद पंचायत के अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्रीयजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित शिविर में विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उपस्थितजनों को भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत मिलने वाली सब्सिडी सहित घर में सोलर रूफ टॉप लगाने से होने वाले फायदे व सोलर पंप योजना के बारे में जानकारी दी और इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कैसे करना है उसके बारे में विस्तार से बताया गया। चर्चा में कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का एक दिवसीय शिविर शुक्रवार को जनपद पंचायत में आयोजित किया गया था। जिसमें उपस्थितजनों को इस योजना की जानकारी एवं फायदे के बारे में बताया गया है। श्री कुरैशी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने मकानों की छतों पर रूफटॉप सोलर पैनल अनिवार्य रूप से लगाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही इस महत्वाकांक्षी योजना के लाभ, पर्यावरणीय महत्व तथा दीर्घकालिक बचत की जानकारी के बारे में भी विस्तार से बताया गया है ताकि क्षेत्रीयजन इस योजना का लाभ ले सके एवं सोलर पंप योजना के बारे में भी किसानों को बताया गया है एवं लाभ लेने के लिए किस प्रकार आवेदन करना है उसकी जानकारी भी दी गई है ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ ले सके। इस अवसर पर जनपद एवं विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पंचायत के सचिव, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बिजली उपभोक्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

माँ सरस्वती महोत्सव समिति की हुई बैठक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्रामगृह में गत दिवस माँ सरस्वती महोत्सव समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में माँ सरस्वती महोत्सव पर्व भव्य रूप से मनाने, कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किये जाने, पर्व को भव्यता रूप देने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। चर्चा में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माँ सरस्वती महोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा जिसकी तैयारी के संबंध में गत दिवस समिति के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आगामी 27 सितंबर से प्रारंभ हो रहे माँ सरस्वती महोत्सव की रूपरेखा, कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित करना है सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि इस वर्ष माँसरस्वती महोत्सव भव्य रूप में मनाया जायेगा एवं बड़े आयोजन भी किये जायेगें। इस अवसर पर माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

औल्याकन्हार में धूमधाम से मनाया गया पोला-पाटन पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में 23 अगस्त को पोला-पाटन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस पोला पर्व के अवसर पर हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा मिट्टी के बैल और खिलौने की पूजा की गई एवं शाम में बैलों को सजाकर किसान अपने बैलजोड़ी को लेकर ग्राम स्थित बड़ा तालाब में एकत्रित हुए जहां सभी बैलों की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात नाटी, नाटी, भुर नाटी देख बईल चा सीन्ग सीगोटी, आठ खड़ा, नौ धरा बईल पडला सीन्गा चा भारा के स्लोगन बोलकर बैलों को दौड़ाया गया। वहीं इस पोला पाटन पर्व किसानों का सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है। पोला पर्व किसानों और खेतीहर मजदूर के लिए विशेष महत्व रखता है। कहा जाता है कि बैल किसानों के बेटे की तरह होते है। पोला पर्व पर बैल की किसान खासतौर पर पूजा करते है, खेती किसानी में बैलो का सबसे अहम काम होता है, पोला पर्व पर किसान बैलों की पूजा कर उनके प्रति सम्मान जताते है। साथ ही पोला पर ग्राम के घर-घर से किसानों द्वारा अपने-अपने बैल लेकर बड़ा तालाब पहुंचे जहाँ पूजा अर्चना कर ग्रामीणों के द्वारा दोहा बोला गया तत्पश्चात बैलो को टीका लगाकर दौड़ाया गया। जिसके बाद किसानों के द्वारा बेलों को घर लेकर जाकर उन्हें मिष्ठान खिलाकर पूजा अर्चना भी की गई है। चर्चा में औल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि गाय और बैलों को लक्ष्मी जी के रूप में देखा जाता है और इसे पूज्यनीय माना जाता है। पोला पर्व पर बैलों की विशेष रूप में पूजा की जाती है, जिसके पास बैल नही होते वह मिट्टी से बने बैलों की पूजा आराधना करके चंदन टिका लगाकर उन्हें माला पहनाते है। श्री बिसेन ने बताया के ग्राम में पोला पर्व पर बेलों की पूजा अर्चना कर उन्हें दौड़ाया गया है, यह परम्परा कई वर्षों से बनी हुई है जो की देखने में आकर्षण लगता है इन्हे देखने के लिए शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोग देखने आते है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार अनियंत्रित होकर खड़ी पीकअप वाहन से टकराई, चालक घायल

बड़ा हादसा टला, कार चालक का लालबर्रा अस्पताल में उपचार जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट रोड़ स्थित ग्राम पंचायत बकोड़ा में शनिवार की शाम 6.30 बजे कार अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे खड़ी पीकअप वाहन से टकरा गई। जिससे कार चालक घायल हो गया एवं कार व पीकअप भी क्षतिग्रस्त हुआ है। सड़क दुर्घटना होने के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और घायल व्यक्ति को लालबर्रा अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांढरवानी निवासी महेन्द्र उइके शनिवार को कार से बालाघाट की ओर गया था एवं शाम करीब 6.30 बजे वापस लालबर्रा की ओर आ रहा था। तभी ओरीएंटल नर्सिंग कालेज के आगे सड़क की मोड़ाई में अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे निवासरत श्री बंशपाल के मकान के सामने खड़ी पीकअप वाहन में जाकर टकरा गई। तभी मकान में रहने वालों को कुछ टकराने की आवाज सुनाई देने पर वह बाहर आकर देखे तो कार पिकअप वाहन को टक्कर मार दी थी एवं चालक कार के अंदर ही फंसा हुआ था। जिसके बाद मार्ग से गुजर रहे लोग एवं आसपास निवासरत लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी एवं कार चालक को कार के अंदर से बाहर निकाले। वहीं यह सड़क हादसा हाईवे रोड़ पर हुआ है लेकिन जिस समय कार अनियंत्रित होकर पीकअप वाहन से टकराई है उस समय पीकअप वाहन के समीप एवं मकान के सामने कोई नही था एवं मार्ग भी सुनसान था। अगर मार्ग से कोई गुजरते रहते एवं पीकअप वाहन के समीप ब%चें एवं बंशपाल परिवार के सदस्यगण खड़े रहते तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। लेकिन इस सड़क हादसे में कार व पीकअप वाहन ही क्षतिग्रस्त हुआ है एवं कार जिस तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है जिसे देखकर लग रहा है कि बहुत बड़ा हादसा घटित हुआ होगा। लेकिन इस हादसे में सिर्फ कार चालक घायल हुआ है जो कार में अकेला था। बताया जा रहा है कि कार चालक तेज गति से बालाघाट की ओर से आ रहा था तभी उक्त हादसा घटित हुआ है एवं इस दौरान एक मवेशी को भी कार चालक ने टक्कर मार दी है जिससे मवेशी के घायल होने की भी जानकारी मिल रही है। वहीं घायल कार चालक को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया है जहां उपचार जारी है। इस सड़क दुर्घटना में कार चालक महेन्द्र उइके को सिर में चोटे आई है। वहीं पुलिस जांच में जुट गई है।

लालबर्रा को मिल सकती है सिविल कोर्ट की सौगात

न्यायाधीशों ने किया लालबर्रा के सामुदायिक भवनों का निरीक्षण, सिविल कोर्ट खोलने की प्रक्रिया हुई प्रारंभ, क्षेत्रीयजनों को होगी सुविधा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय में स्थित सामुदायिक अंबेडकर भवन आमाटोला एवं हाईस्कूल मार्ग सीएम राइज स्कूल लालबर्रा के सामने पुराना कॉलेज (सामुदायिक भवन) का 23 अगस्त को जिला न्यायालय से पहुंचे न्यायाधीश, अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम व नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा के द्वारा सामुदायिक भवनों का निरीक्षण किया गया और यह निरीक्षण आगामी दिनों में लालबर्रा में खुलने वाले सिविल कोर्ट की प्रक्रिया के तहत किया गया है। वहीं लालबर्रा में सिविल कोर्ट खुलने की जानकारी एवं न्यायाधीशों के द्वारा सिविल कोर्ट के संचालन के लिए भवनों का निरीक्षण किये जाने के बाद क्षेत्रीयजनों को लग रहा है कि जल्द लालबर्रा में सिविल कोर्ट प्रारंभ हो जायेगा। साथ ही सिविल कोर्ट खुल जाने से अब उन्हे राजस्व एवं अपराधिक प्रकरण की सुनवाई के लिए सिविल कोर्ट वारासिवनी नही जाना पड़ेगा एवं समय की बचत भी होगी और सुविधाएं भी मिलेगी। साथ ही लालबर्रा में सिविल कोर्ट खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जल्द ही लालबर्रा मुख्यालय के आमाटोला स्थित अंबेडकर भवन या फिर हाई स्कूल मार्ग के सामुदायिक भवन में सिविल कोर्ट खोलने पर मुहर लग सकती है। इस तरह से लालबर्रा के क्षेत्रीयजनों को सिविल कोर्ट की सौगात जल्द मिलेगी और उनकी लंबित मांगे भी पूरी होगी।

स्थान का चयन होने के बाद जल्द प्रारंभ होगा सिविल न्यायालय

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र में अनेक राजस्व प्रकरण एवं अपराधिक प्रकरण लंबे समय से विचाराधीन है जिसकी सुनवाई सिविल कोर्ट वारासिवनी में होती है। जिससे पक्षकारों को अधिक दूरी तय करके अपनी सुनवाई के लिए वारासिवनी जाना पड़ता है। कई बार किसी कारणवश वे उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है जिससे उन्हें कई बार आर्थिक परेशानियों से भी जुझना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए क्षेत्रीयजनों एवं अधिवक्ताओं के द्वारा क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर अनुविभाग व व्यवहार न्यायालय नहीं होने से हो रही परेशानियों से अवगत करते हुए लालबर्रा में अनुविभाग एवं सिविल न्यायालय खोलने की मांग की गई थी। विधायक महोदया के द्वारा विधानसभा में इस मांग को प्रमुखता से उठाया गया था। जिसके बाद उनकी मांग पर शासन के द्वारा कार्यवाही प्रारंभ की गई एवं लालबर्रा में सिविल कोर्ट खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिसके तहत 23 अगस्त को लालबर्रा के सामुदायिक भवनों का जिला न्यायालय से पहुंचे न्यायाधीश एवं अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित राजस्व के अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया और स्थान का चयन करने के बाद जल्द ही लालबर्रा सिविल न्यायालय प्रारंभ हो जायेगा। जिससे क्षेत्रीयजनों को राजस्व सहित अन्य प्रकरणों के लिए वारासिवनी नही जाना पड़ेगा लालबर्रा में ही उनका काम हो जायेगा। वहीं आमजनों का कहना है कि विगत कई वर्षों से क्षेत्र के लोगों को अपने न्यायालय से संबंधित कामों के लिए व्यवहार न्यायालय वारासिवनी जाना पड़ रहा है। जिससे लोगों के दैनिक जीवन के काम प्रभावित होने के साथ ही समय भी अधिक लगता था और पूरा दिन न्यायालय के काम में लग जाता है जिससे बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि लालबर्रा में सिविल न्यायालय खुलता है तो वारासिवनी कोर्ट में अधिक दूरी तय करके जाने में जो समय लगता है और अतिरिक्त खर्च लगता है उससे बचत होगी और न्यायालय से संबंधित कार्य करवाने में भी सुविधा होगी। इस अवसर पर जिले से पहुंचे न्यायाधीश, राजस्व अधिकारी-कर्मचारी एवं लालबर्रा के अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

उत्साह के साथ मनाया गया पोला पर्व गोवंश की हुई पूजा

जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों ने दर्ज कराई उपस्थिति

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)।पोला पर्व नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक धार्मिक राजनीतिक सौहाद्र एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान घेऊन जारी नारबोद की आवाज गौवंश की पूजा के बाद गूंज उठी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर में पोला पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया और स्थानीय जय स्तंभ चौक पर पोला पर्व को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। इस दौरान गोलीबारी चौक , आंबेडकर चौक , नेहरू चौक सहित सैकड़ों की संख्या में दोनो ओर पोला पर्व को देखने के लिये लोगों की भीड़ रही। स्थानीय जय स्तंभ चौक पर पत्तों की तोरन बैलों के लिये लगाई गई ।जिसके नीचे लोगों ने अपने सजायें बैलों को लाकर खड़ा किया जहां आरती के बाद आतिशबाजी कर बैलों को दौड़ाया गया।

चौधरी बाड़े से निकली आरती

नगर के चौधरी बाडे से प्रतिवर्ष पोला पर्व पर आरती निकाली जाती है इस वर्ष भी चौधरी बाडे से आरती निकाली गई। जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ बैल जोड़ी लेकर और पूजा की थाली के साथ जुलूस के रूप में जय स्तंभ चौक पहुंची। जहां बैलों की पूजा अर्चना करने के बाद आतिशबाजी कर बैलों को दौड़ाया गया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिकों के साथ ही सभी राजनीतिक दलों के लोगों ने पोला पर्व के अवसर पर स्थानीय जय स्तंभ पर उपस्थित बैलों की पूजा अर्चना कर सभी को पोला पर्व की शुभकामनाएं दी।

गौवंश की खुशी का पर्व है पोला

यह पोला पर्व गोवंश का त्यौहार है जिसमें किसानो ने अपनी खेती कार्य पूर्ण होने के बाद इस अवसर पर अपने बैलों को सजाकर उनकी पूजा अर्चना की है। जिसमें पहला दिन मोबिल पड़ा जिसमें पहले सुबह गांव वंशों की पूजा अर्चना कर उन्हें भोग लगाया गया। दूसरे दिन उन्हें पोला पर्व पर आकर्षक रंग बिरंगी रस्सी एवं रंग लगाकर सजाया गया। इसके बाद दौड़ कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी पूजा कर दौड़ाया गया। जहाँ से वह गौवंश पूरे नगर में घर घर पहुंचे जहाँ लोगो ने उनकी पूजा कर पकवान खिलाये गये।

पोला पर्व पर नगर में मेले का हुआ आयोजन

पोला पर्व मनाने को लेकर नगर में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान जय स्तंभ चौक पर पोला पर्व मनाया गया जहां पर भव्य मेले का आयोजन हुआ। जिसमें गुब्बारे ,चकरी ,खिलौने और चटपटे पकवानों की दुकान भी लगी रही। जहां पर नगर के सैकड़ो लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर इस मेल को भव्य बनाया। जहां दोपहर 4 बजे के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी और रात 8 बजे तक यह भीड़ सड़कों पर उत्सव मनाती रही। जहां पर छोटे से लेकर बड़े हर किसी के द्वारा पर्व का आनंद मनाया गया।

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किसानो का गमछे से किया सम्मान

गौवंश की पूजा करने पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल सहित भाजपा के पदाधिकारी सदस्यों के साथ चौधरी बाड़े में पहुंचे। जहाँ से निकली शोभायात्रा के साथ वह जय स्तंभ चौक आए। जहां पर गौवंश मालिकों को तिलक लगाकर उन्हे गमछा भेंट कर किसानों का सम्मान किया गया। पदमेश से चर्चा में प्रदीप जायसवाल ने बताया कि हमारा भारत देश कृषि प्रधान देश है। हमारा क्षेत्र भी कृषि से ताल्लुक रखता है। हमारे किसानों के लिये गौवंश उनकी खेती में एक मददगार की भूमिका निभाते है। वर्षो से यह परंपरा चली आ रही है कि पोला पर्व के अवसर पर हम अपने गौवंश की विशेष पूजा अर्चना कर उन्हे सॅजाकर उनका आर्शीवाद ग्रहण करते है। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री जायसवाल के साथ भाजपा के पदाधिकारी सदस्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विधायक विवेक पटेल ने गौवंश मालिको को भेंट किया गमछा

विधायक विवेक पटेल भी कांग्रेसियों के साथ चौधरी बाड़े से निकली शोभायात्रा में शामिल होकर जय स्तंभ चौक पहुँचकर गौवंश की पूजा अर्चना की और उनके मालिकों को गमछा उपहार स्वरूप भेंट किया। पद्मेश से चर्चा में विधायक विवेक पटेल ने बताया कि हमारे यहाँ गौवंश का काफी महत्तव माना गया है। साथ ही इन्ही नंदी भगवान के रूप में देखा जाता है। कृषि प्रधान क्षेत्र होने के कारण किसानों के लिये पोला पर्व का एक खासा ही महत्तव रहता है। क्योंकि किसानों की खेती में गौवंश का अहम योगदान है। आज पोला पर्व पर वे समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई देते है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल ने किसानों को दिया टिफिन डब्बा

चौधरी परिवार से निकली आरती की शोभायात्रा में पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। उन्होंने पशु मालिकों को तिलक लगाकर टिफिन डब्बा भेंट कर उन्हें पोला पर्व की शुभकामनाएं दी। पद्मेश से चर्चा में पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ने बताया कि आदिकाल से यह पर्व मनाया जा रहा है अच्छी फसल और किसान की खुशहाली का प्रतीक यह पर्व माना जाता है। हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान है अभी कृषि कार्य खत्म होने पर यह पर्व मनाया जाता है लोगों में काफी उत्साह है। हर वर्ष यह परंपरा अदा की जाती है जो चौधरी बाडे ने आज भी जिंदा रखी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज मनाई जायेगी नारबोद

पोला पर्व के साथ ही पैशाचिक वृत्तियों को दूर किये जाने के लिये हर बलाओं और परेशानियों से मोक्ष के लिये रात भर जागरण कर नारबोद के पुतले को पूरे नगर और ग्राम में घुमाया जायेगा और सुबह उसे सरहद के पार मारकर फेंक दिया जायेगा। ताकि नगर सहित क्षेत्र में आने वाली बुराई बलाओं से बचाया जा सके।

डोंगरमाली पावर हाउस ऑपरेटर को 3 वर्ष का सश्रम कारावास

मामला डोंगरमाली फीडर में दैनिक वेतन भोगी की विद्युत लाइन में मौत का

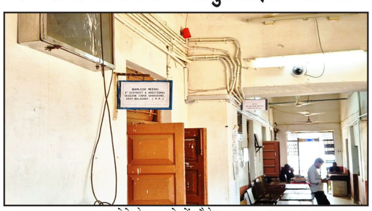

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश कमलेश मीणा प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 23 अगस्त को गैर इरादतन हत्या के अपराध में फैसला दिया है। यह फैसला डोंगरमाली फीडर के अंतर्गत विद्युत लाइन में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी की करेंट से मौत के मामले में है। जिसमें डोंगरमाली पावर हाउस ऑपरेटर लक्षेश्वर पटले को 3 वर्ष का सश्रम कारावास 2 हजार रूपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। इस मामले में पीड़ित की ओर से पैरवी शासकीय अधिवक्ता संतोष लिल्हारे के द्वारा की गई।

यह हैं मामला

वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरमाली के फीडर में लक्षेश्वर पटले पावर हाउस ऑपरेटर था। जिसके द्वारा विद्युत लाइन बंद चालू करने का कार्य किया जाता था। तो वहीं अनिल डहरवाल लाइनमैन थे जहां पर हेमराज पिता शिवलाल पटले उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम सीवनघाट कॉल सेंटर का काम देखता था। जहां 10 फरवरी 2019 की सुबह लाइनमैंन ज्ञानीराम खरे और अनिल डहरवार के द्वारा सुबह 10 बजे फोन पर हेमराज पटले को सूचना दी गई कि ग्राम बेनी में सालिकराम धुवारे के खेत में फाल्ट आने की जानकारी देते हुए ठीक करने के लिए चलने कहा गया। इनके द्वारा मौके पर पहुंचकर 10.58 पर परमिशन लेकर कार्य प्रारंभ किया गया। जहां कॉल सेंटर का काम देखने वाला हेमराज पिता शिवलाल पटले विद्युत पोल पर चढ़ गया। जहां उसके द्वारा पूर्व में डोंगरमाली फीडर को दी हुई सूचना के तहत लाइट बंद होने की सोचते हुए फाल्ट सुधारने का कार्य किया गया। तभी तेज करेंट में वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर जलने से उसकी मौत हो गई। विद्युत कार्य के दौरान दैनिक श्रमिक की घटना में मौत होने के मामले में मौके पर तत्काल बवाल मच गया।

मर्ग जांच में लाइनमेन ऑपरेटर पर दर्ज हुआ अपराध

पुलिस के द्वारा मर्ग जांच की गई इसमें पता चला कि पावर हाउस बंद चालू करने की ड्यूटी पर लक्षेश्वर पटले था। जिसके द्वारा सूचना के बाद भी लाइन बंद नहीं की गई। लाइनमैन अनिल डहरवार के द्वारा नए व्यक्ति को विद्युत पोल पर चढ़ाया गया जिसमें उसे झूला कांबिनेशन प्लायर सेफ्टी बेल्ट जैसे कोई भी सेफ्टी टुल नहीं दिए गए थे जिससे उसकी मौत हो गई। रामपायली पुलिस ने मृतक हेमराज पटले के भाई दिलीप पटले की ओर से लाइनमैन अनिल डहरवार ,पावर हाउस ऑपरेटर लक्षेश्वर पटले के खिलाफ भादवि की धारा 304 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना पूर्ण होने पर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। यह प्रकरण प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में विचाराधीन था। इसी दौरान लाइनमैन अनिल डहरवार की मौत हो गई थी। इस मामले में पावर हाउस ऑपरेटर लक्षेश्वर पटले जीवित था। प्रकरण में दोष सिद्ध होने पर विद्वान न्यायाधीश कमलेश मीणा की अदालत ने लक्षेश्वर पटले पावर हाउस ऑपरेटर को 3 वर्ष का आश्रम कारावास एवं 2000 के अर्थ दंड से दंडित कर सजा सुनाई गई है।

तालाब में डूबने से रामप्रसाद कंगाली की मौत

कटंगझरी के सरकारी तालाब में छड़ी खेलते समय हुआ हादसा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कटंगझरी के सरकारी तालाब में 55 वर्षीय व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। इसमें बताया जा रहा है कि रामप्रसाद कंगाली तालाब में छड़ी खेल कर मछली मारने के लिए गया हुआ था। जहां छड़ी खेलते खेलते यह हादसा हो गया घटना में एसडीआरएफ बालाघाट के द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाकर 23 अगस्त को शव बरामद किया गया। मामले में पुलिस के द्वारा कार्यवाही कर मर्ग जांच प्रारंभ कर दी गई है।

भाई की नजरों के सामने तालाब में डूबा भाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कटंगझरी निवासी 22 वर्षीय रामप्रसाद पिता गोंदल कंगाली अपने परिवार के साथ रहता था। 22 अगस्त को रामप्रसाद का छोटा भाई पडोसी नीलम मड़ावी के साथ मछली मारने के लिये सरकारी तालाब में करीब 12 बजे गये थे। जहां पर उनके द्वारा छड़ी खेल कर मछली मारने का कार्य किया जा रहा था। तभी शाम को करीब 4 बजे बडा भाई रामप्रसाद कंगाली छड़ी लेकर तालाब पर गया। जो अपने छोटे भाई पडोसी से करीबन 100 मीटर दूर में बैठ कर छडी से मछली मार रहा था। तभी अचानक छड़ी खेलते खेलते रामप्रसाद कंगाली तालाब के अंदर चला गया। जो डूबने से बचाने के लिये आवाज देने लगा तभी रामप्रसाद का छोटा भाई और पड़ोसी दोनों दोडकर पास में पहुंचे थे। वह तालाब के गहरे पानी में डुब गया उसके बाद दिखाई नही दिया यह तालाब गाँव से दूर जंगल में हैं। इसके बाद तत्काल उक्त व्यक्तियों के द्वारा ग्राम में आकर परिजन सहित ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी गई। तो वहीं पुलिस सूचना भी दी गई मौके पर सहायक उप निरीक्षक धनेश वल्के ने पहुंचे तो लोगों की भीड़ लगी हुई थी। उन्हें शांत कर तालाब में पता किया गया परंतु कहीं कोई जानकारी नहीं मिल पाई जिस पर तत्काल एसडीआरएफ बालाघाट को जानकारी दी गई। 23 अगस्त की सुबह एसडीआरएफ बालाघाट तालाब पर पहुंची जिनके द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने शव का परीक्षण कर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर शव विं छेदन गृह में लाकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

मर्ग जांच के आधार पर विधिवत कार्यवाही की जाएगी-धनेश वल्के

सहायक उप निरीक्षक धनेश वल्के ने बताया कि अपराध विवेचना में क्षेत्र में था 22 अगस्त को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ग्राम कटंगझरी के शासकीय तालाब में डूब गया है। मौके पर पहुंचे आसपास जांच की गई और पता किया गया समय ज्यादा हो गया था। अंधेरा बहुत था तो कुछ नहीं किया गया फिर सुबह से एसडीआरएफ बालाघाट की टीम ने रेस्क्यू चलाया तालाब से शव को बाहर निकाला गया। वह रामप्रसाद पिता गोंदल कंगाली का था जो मछली मारने छड़ी खेलने गया था तो वह डूब गया। वहां मृतक का छोटा भाई और पड़ोसी थे उन्होंने आवाज सुने कि यह डूब रहा है तो दौड़कर आए परंतु वह डूब चुका था। इसमें पंचनामा कार्यवाही पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को दे दिया है। मर्ग जांच की जा रही है उसी के आधार पर विधिवत कार्यवाही की जाएगी।

भाजपाइयों ने संभागीय यंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

समस्या के समाधान नही होने पर कार्यालय में तालाबंदी की दी चेतावनी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी सदस्यों के द्वारा 23 अगस्त को कार्यपालन अभियंता कार्यालय पहुंचकर संभागीय यंत्री म.प्र.विद्युत वितरण केन्द्र वारासिवनी के नाम का ज्ञापन बी एल भैना को सौंप कर नगर एवं क्षेत्र में विगत दिनों से हो रही विद्युत कटौती सहित बिंदुओं पर निराकरण करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया की हम क्षेत्र वारासिवनी के नागरिक है नगर वारासिवनी तथा ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत कटौती से शिक्षण कार्य ,व्यापारिक कार्य, चिकित्सकीय कार्य, घरेलू कार्य में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विशैले कीट एवं जंतु से आम जनता की जान भी जोखिम में है। वारासिवनी क्षेत्रीय कार्यालय में सहायक यंत्री का पद रिक्त होने से सिर्फ उपयंत्री के उपर पूरा कार्यभार से कार्य संपादन में भारी परेशानी है। शीघ्र सहायक यंत्री की पदस्थापना जरूरी है नागरिकों की स्मार्ट मीटर पर भी अनेक शिकायतें है, जिसमें अत्यधिक विद्युत खपत के भुगतान की त्रासदी से हलाकान है। शिकायती मीटर पर उपभोक्ता को तत्काल निदान करने की व्यवस्था भी लचर है। रामपायली, डोंगरमाली, मोहाड़ी, खैरलांजी, बुदबुदा, कोचेवाही के फीडर में विद्युत प्रदायगी भी व्यवस्था खराब होने से किसान तथा नागरिक परेशान है। हमारी मांग हैं की उक्त बिन्दुओं पर यथाशीघ्र 3 दिनों के भीतर यदि सुधार कार्य किया जायें अन्यथा क्षेत्रीय कार्यालय में तालाबंदी की जायेगी। इस अवसर पर विनय सुराना, संदीप मिश्रा ,वेदप्रकाश पटेल ,मिलिंद नगपुरे ,सुनील पिपरेवार ,जगदीश नेमा ,सुनील झिल्पे ,योगेंद्र लिमजे ,मनोज दांदरे ,मयंक मिश्रा ,मिथिलेश बुरडे ,शुभम जैन, हर्षित रेड्डी सहित अन्य भाजपाई मौजूद रहे।

ई केवाईसी ने नाम पर भराशाही लूट मची हुई है-मनोज दांदरे

मनोज दांदरे ने बताया कि शहर में बहुत क्षतिग्रस्त विद्युत पोल है जो खराब गए हैं उनके मेंटेनेंस होना चाहिए कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। इसमें प्रमुख मुद्दा था कि जो ई केवाईसी का काम चालू है पूरे नगर में उसमें भराशाही लूट मची हुई है। 500 रूपये प्रत्येक हितग्राही से ले रहे थे इस विषय में हमने बात रखी की गरीब परिवार नगर में रहते हैं। बहुत सारे ऐसे लोग हैं जिनके पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं है। सभी मेहनत मजदूरी कर जीवन व्यापन करते हैं तो उन्हें 100 रूपये के शपथ पत्र में काम किया जायें। यह उनके हित का विषय है वह कार्यालय के चक्कर लगाने से बचेंगे इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया है की समस्या का समाधान होगा।

नगर सहित क्षेत्र में हो रही विद्युत कटौती से आम जनता परेशान है-संदीप मिश्रा

संदीप मिश्रा ने बताया कि हम कार्यपालन अभियंता से मिलकर चर्चा करने भाजपा के लोग आए थे। इसमें नगर वासियों को छोटी.छोटी समस्याएं होती है क्योंकि क्षेत्र बड़ा है अधिकारी को हर चीज पता नहीं रह पाती हैं। तो उन्हें यह संज्ञान करवाने हम आए हैं और हमारी समस्या का निराकरण करने का उन्होंने आश्वासन दिया है। अभी जो भीषण कटौती चल रही थी उसकी समस्या हमने प्रमुखता से रखे हैं कि यह बेवजह कटौती जो है वह बंद होनी चाहिए और बिल में जो विलंब होता है तो उसमें लाइनमैन और स्टाफ आकर अभद्रता करते हैं वह नहीं होनी चाहिए। क्योंकि उपभोक्ता को अच्छा महसूस नहीं होता है सहित कई बातें रखी गई है उन्हें पूरा करने के लिए भी कहा गया है।

नगर सहित क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है- बी एल भैना

कार्यपालन अभियंता बी एल भैना ने बताया कि हमारे पास अभी जो कार्य स्वीकृत हुए हैं वह करवा रहे है। उसके लिए आदेश भी कर दिया है ताकि लो वोल्टेज की समस्या समाप्त हो। 33 केव्ही के फीडर स्वीकृत है विभागीय ट्रांसफार्मर भी स्वीकृत है इनके लिए भी आदेश कर दिया गया है। लोड सेटल करने के लिए 3 किलोमीटर की लाइन का वर्क आर्डर हो गया है। वह डालते ही दो दो सब स्टेशन बाट देंगे जिससे लोड घटेगा रेलवे क्रॉसिंग लाइन में केबिन खराब हो गया है उसके लिए रेलवे विभाग से बात चल रही है कुछ प्रक्रिया बची है वह पूरा कर रहे हैं। हमारे मुख्य अभियंता आए थे उस समय क्षेत्र में 150 पॉइंट चिन्हित किए गए है। जहां पर होने वाले कार्य के लिए लगने वाले फंड की मांग की गई है मिलते ही वह भी कार्य करवा दिया जाएगा।

अग्नि-5 : भारत की रक्षा क्षमता में ऐतिहासिक छलांग

दुनिया भर में युद्ध और तनाव का माहौल है। रूस-यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा, चीन-ताइवान विवाद गहराता जा रहा और मध्य-पूर्व में लगातार संघर्ष जारी है। ऐसे समय में भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 20 अगस्त 2025 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से भारत ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। यह न केवल तकनीकी सफलता है, बल्कि भारत की बढ़ती सैन्य और सामरिक ताक़त का स्पष्ट संकेत भी है।

पांच हजार किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता

अग्नि-5 मिसाइल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लंबी दूरी की क्षमता है। यह मिसाइल 5000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता रखती है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। तीन चरण वाले ठोस ईंधन रॉकेट मोटर से उड़ान भरने वाली यह मिसाइल आधुनिक नेविगेशन सिस्टम से लैस है और इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। यानी यह एक साथ कई लक्ष्यों को साध सकती है। DRDO प्रमुख डॉ. समीर वी कामत ने कहना है कि अग्नि-5 का यह परीक्षण भारत की सामरिक शक्ति को नए स्तर पर ले जाता है। यह न केवल हमारी वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक है, बल्कि आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का मजबूत आधार भी बनेगा। उल्लेलखनीय है कि भारत का मिसाइल कार्यक्रम कोई नया नहीं है। यह यात्रा 1980 के दशक में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IGMDP) से शुरू हुई थी। इसके साथ ही पूर्व राष्ट्रगपति एवं भारत के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की अगुवाई में अग्नि श्रृंखला की नींव रखी गई थी। जिसने अपना साकार रूप लेना शुरू किया 2002 से, जब अग्नि-1 के साथ शुरुआत हुई जिसकी रेंज 700-900 किलोमीटर थी। इसके बाद अग्नि-2, अग्नि-3 और अग्नि-4 का विकास हुआ और हर नए संस्करण द्वारा भारत की क्षमता को एक कदम आगे बढ़ाया गया। अब अग्नि-5 उस श्रृंखला का सबसे आधुनिक और दूर तक मार करने वाला हथियार है। यह भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा करता है जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें हैं।

शक्तिलशाली देशों के बीच रणनीतिक महत्वक

इस परीक्षण का महत्व केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। पाकिस्तान के पास शहीन-III जैसी मिसाइलें हैं जिनकी रेंज लगभग 2750 किलोमीटर है। चीन के पास छ्ध्स्न-41 है जिसकी क्षमता 12000 किलोमीटर तक मानी जाती है। अग्नि-5 भारत को इस सामरिक संतुलन में बराबरी की स्थिति देता है।रक्षा विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा कहते हैं, यह मिसाइल किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत की डिटरेंस पॉलिसी का हिस्सा है। कहने का तात्पनर्य है कि निवारण नीति किसी संभावित दुश्मन को हमला करने से रोकने के लिए पहले से ही तैयार की जाती है। यह एक ऐसी नीति है जिसमें किसी देश या संगठन द्वारा अपनी सैन्य शक्ति, आर्थिक शक्ति, या राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करके दूसरे पक्ष को किसी गलत काम को करने से रोकने की कोशिश होती है। अत- इसका मकसद स्पष्ट हैङ्क कोई भी देश भारत के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने से पहले सौ बार सोचे। वे कहते हैं कि अग्नि-5 का सफल परीक्षण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। यह हमारी वैज्ञानिक क्षमता का नतीजा है। इससे निश ?चित ही भारतीय सेना को और मजबूती मिलेगी। साथ ही यहां यह भी स्पतष्टस करना जरूरी है कि भारत की नो फर्स्ट यूज़ परमाणु नीति हमेशा से स्पष्ट रही है। यानी भारत परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा, लेकिन हमला होने पर जवाब अवश्यर दिया जाएगा। इस नीति के साथ अग्नि-5 जैसी मिसाइल भारत की सुरक्षा को विश्वसनीयता प्रदान करती है।

आज की दुनियां मे वो सबसे अधिक खुश है जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन है

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्टीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्टीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुत- प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं- अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फ़िर देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है। क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है। सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब में नहीं होती। प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है। प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक हैं।दुनियां में मन का संतोष प्रसन्नता खुशी और अच्छी सेहत ही सबसे बड़ी पूंजी है।आज की दुनियां मे वो सबसे अधिक खुश है जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

मोहन के नेतृत्व में अब देश की माइनिंग कैपिटल बनेगा एमपी

देश का हृदय स्थल एमपी अपनी समृद्ध खनिज संपदा और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते अब खनन क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने खनिज नीलामी और खनन क्षेत्र में सतत विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। एमपी माइनिंग क्षेत्र में न केवल आर्थिक प्रगति का केंद्र बन रहा है, बल्कि देश के औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मध्यप्रदेश ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पारदर्शी नीलामी, पर्यावरण-अनुकूल खनन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जैसे सुधारों से निवेशकों का विश्वास मध्यप्रदेश की ओर तेजी से बढ़ा है। 17-18 अक्टूबर 2024 को भोपाल में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मध्यप्रदेश को प्राप्त हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य ने 29 खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी की जिसके लिए भारत सरकार ने वर्ष 2022 और 2025 में खनन मंत्रियों के सम्मेलन में मध्यप्रदेश को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

यही नहीं हाल ही में मध्यप्रदेश ने क्रिटिकल मिनरल्स की नीलामी शुरू कर केंद्र सरकार की नीति को लागू करने वाला पहला राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया। अब तक मध्यप्रदेश ने कुल 103 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है जिससे भविष्य में 1.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। इसी तरह से सिंगरौली और कटनी जिलों में कुल पाँच स्वर्ण ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है जिनमें 7.87 मिलियन टन अयस्क भंडार मौजूद है। जबलपुर के सिहोरा और कटनी के स्लीमनाबाद क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर सोने की उपलब्धता है।

मध्यप्रदेश में खनिज संसाधनों का बेशुमार खजाना मौजूद है। यह देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ हीरे का उत्पादन होता है। विशेष रूप से पन्ना जिले की मझगवां खदान से प्रतिवर्ष एक लाख कैरेट हीरे का उत्पादन होता है। इसके अलावा छतरपुर के बंदर हीरा ब्लॉक में 34.2 मिलियन कैरेट हीरे का अनुमानित भंडार मौजूद है। मध्यप्रदेश तांबे के उत्पादन में भी अग्रणी है जहाँ मलाजखंड तांबा खदान को देश की सबसे बड़ी तांबा खदान होने का गौरव प्राप्त है और देश के कुल तांबा भंडार का 70त्न हिस्सा यहीं से आता है। मध्यप्रदेश अनेक बेशकीमती खनिजों का प्रचुर भंडार है। देश के कुल

उत्पादन का 30 फीसदी मैंगनीज अकेला मध्यप्रदेश में पाया जाता है। मध्यप्रदेश कॉपर, मैंगनीज और हीरा प्रोडक्शन में पहले स्थान पर है। लाइमस्टोन के उत्पादन में मध्यप्रदेश तीसरे तो कोयला उत्पादन में प्रदेश चौथे स्थान पर है। रॉक फॉस्फेट के भंडार मध्य प्रदेश के कई जिलों में प्रचुर मात्रा में आज मौजूद हैं। बुंदेलखंड में हीरे से लेकर सोना तो महाकौशल में आयरन से लेकर मैंगनीज तक के भंडार हैं। सतना, रीवा और सीधी में लाइमस्टोन, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, गोल्ड और ग्रेनाइट का विशाल भंडार है। सिंगरौली में कोयला, गोल्ड और आयरन का भंडार है। पन्ना में सबसे ज्यादा हीरे की खनन होती है। छतरपुर के बक्सवाहा जंगल में भी हीरे की प्रचुरता है। जहाँ शहडोल, अनूपपुर और उमरिया में कोयला, कोल बेड, मिथेन और बॉक्साइट का विशाल भंडार है वहीं सागर, पन्ना में डायमंड, रॉक फॉस्फेट, आयरन, ग्रेनाइट, लाइस्टोन, डायस्पोर और पाइरोफिलाइट का भंडार मौजूद है। इसी तरह जबलपुर और कटनी में बॉक्साइट, डोलोमाइट, आयरन, लाइमस्टोन, मैंगनीज, गोल्ड और मार्बल का भंडार है। नीमच और धार अपने लाइमस्टोन के भण्डार के लिए पूरे देश में जाना जाता है। महाराष्ट्र की सीमा से सटे बैतूल में कोयला, ग्रेफाइट, ग्रेनाइट, लीड और जिंक का भंडार है वहीं छिंदवाड़ा में कोयला, मैंगनीज और डोलोमाइट का विशाल भंडार है। बालाघाट कॉपर, मैंगनीज, डोलोमाइट, लाइमस्टोन और बॉक्साइट की खान है। मंडला और डिंडोरी में डोलोमाइट और बॉक्साइट तो ग्वालियर और शिवपुरी में आयरन, फ्लैगस्टोन और क्वार्ट्ज की खान है। इसी तरह झाबुआ और अलीराजपुर में रॉक फॉस्फेट, डोलोमाइट, लाइमस्टोन, मैंगनीज और ग्रेफाइट का भंडार है।

मैंगनीज, रॉक फॉस्फेट, चूना पत्थर और कोयला जैसे खनिजों में भी मध्यप्रदेश देश में शीर्ष स्थानों पर है। हाल ही में जबलपुर और कटनी जिलों में सोने की खोज की गई है, वहीं पन्ना और छतरपुर में हीरे के विशाल भंडार प्रमाणित हुए हैं। खनिज निधि का उपयोग मध्यप्रदेश में सामाजिक विकास के लिए भी किया जा रहा है। जिला खनिज विभाग के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, महिला-बाल कल्याण, स्वच्छता और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में 16,452 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं जिनमें से 7,583 पूरी हो चुकी हैं। इन परियोजनाओं ने स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मध्यप्रदेश में अलग-अलग खनिज पदार्थों के खनन और प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कटनी माइनिंग कॉन्क्लेव के जरिए मोहन सरकार निवेश को लेकर अपना बड़ा रोडमैप बना रही है जिससे अनेक कंपनियां भी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर मध्यप्रदेश में निवेश करने में अपनी रूचि दिखा रही हैं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने खनन क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा दिया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य ने खनिज राजस्व में 23त्न की वृद्धि दर्ज की, जो पहली बार 10,000 करोड़ रुपये को पार कर गया, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 4,958 करोड़ रुपये था। 17-18 अक्टूबर 2024 को भोपाल में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया, पर्यावरण-अनुकूल खनन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है।मध्यप्रदेश सरकार ने खनन क्षेत्र को औद्योगिक विकास से जोड़ने का मास्टर प्लान बनाया है। 23 अगस्त 2025 को कटनी में आयोजित होने वाला खनन सम्मेलन औद्योगिक विकास पर केंद्रित होगा जहाँ खनिज-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में भी खनन क्षेत्र को प्रमुखता दी गई जिसमें अगले पाँच वर्षों में खनिज राजस्व को 11,000 करोड़ से बढ़ाकर 55,000 करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश खनन और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभरा है। खनिजों की प्रचुरता और राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के कारण मध्यप्रदेश देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खनन क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों से राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। साथ ही देश के औद्योगिक विकास और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में भी प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन मध्यप्रदेश को भारत की माइनिंग कैपिटल बनाना है। इसके लिए सरकार निवेशकों को आकर्षित करने, पारदर्शी और पर्यावरण-अनुकूल खनन प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने और आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का उपयोग करने पर ध्यान दे रही है। मध्यप्रदेश की समृद्ध खनिज संपदा, नीतिगत सुधार और निवेश-अनुकूल वातावरण इसे देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाने की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। अपनी प्रचुर खनिज संपदा, औद्योगिक नीतियों और रोजगार सृजन की भूमिका के साथ मध्यप्रदेश देश के आर्थिक परिदृश्य में एक नया अध्याय लिख रहा है। मध्यप्रदेश अपने नवाचारों और नीतियों के माध्यम से न केवल खनन क्षेत्र में नए आयामों को स्थापित कर रहा है बल्कि यह देश में एक मॉडल राज्य के रूप में भी उभर रहा है। मोहन सरकार की औद्योगिक नीतियों में श्रमिकों और उद्योगों दोनों के हितों का समान ध्यान रखा जा रहा है। मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और देश-विदेश के उद्योगपति अब एमपी को एक प्रमुख निवेश गंतव्य स्थल के रूप में देख रहे हैं।

-हर्षवर्धन पान्डे

मोदी का मिशन
बिहार, मगध से मुंगेर तक सियासी जड़ें जमाने में जुटी भाजपा

चुनावी माहौल शुरू होने से पहले ही बिहार में बहार आ गई है। पिछले कुछ महीनों से बिहार के लिए केंद्र सरकार ने अपना खजाना खोल दिया है। इसी क्रम में अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बिहार पहुंचे , जहां उन्होंने 12,992 करोड़ रुपये की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसमें गंगा पर बना 6 लेन वाला पुल भी शामिल है। इसके अलावा वैशाली से कोडरमा के बीच का बुद्ध सर्किट ट्रेन की शुरुआत भी हुई। प्रधानमंत्री के निशाने पर बिपक्ष रहा, वहीं डेमोग्राफी मिशन को लेकर भी अपना इरादा स्पष्ट किया। बिहार चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा महत्वपूर्ण है। वोध गया से बेगूसराय तक विकास की सौगात देकर मगध से मुंगेर तक साधने की कोशिश की। बिहार में बीजेपी का सबसे कमजोर गढ़ मगध का क्षेत्र माना जाता है, जिस पर अपनी मजबूत पकड़ को बनाए रखने के लिए हरसंभव कोशिश में जुटी है। इस इलाके में भाजपा सियासी जुड़े जमाने के लिए जीतन राम मांझी, उपेन्द्र कुशवाहा और चिराग पासबान से हाथ मिलाकर रखा है। नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल में महागठबंधन का ही पलड़ा भारी था। इस क्षेत्र की 20 सीट पर महागठबंधन ने जीत दर्ज की थी, जबकि 6 सीट पर ही राजग को ही कामयावी मिली थी। मगध और मुंगेर प्रमंडल में महागठबंधन कि दबदबा रहा है। इसे तोड़ने प्रधानमंत्री का दौरा कितना कारगर होगा, यह तो वक्त ही बताएगा। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का लोकार्पण या शिलान्यास हुआ है। इनमें ऊर्जा, स्वास्थ्य और शहरी विकास के जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनसे बिहार के उद्योगों को ताकत मिलेगी, और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।बिहार में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आज यहां अस्पताल और रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी हुआ है। अब बिहार के लोगों को कैंसर के इलाज के लिए एक और सुविधा मिल गई है। गरीब के जीवन से मुश्किलें दूर करना, महिलाओं के जीवन को आसान बनाना सरकार का लक्ष्य है। जनता-जनार्दन का सेवक बनकर यही काम करने में सबसे ज्यादा खुशहाली होती है। सरकार की प्रतिवद्वता दुहराते हुए कहा कि—मेरा एक बड़ा संकल्प है। जब तक हर जरूरतमंद को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। इसी सोच के साथ पिछले 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर बनाकर दे दिए गए हैं। अकेले हमारे बिहार में 38 लाख से अधिक आवास बनाए गए। गया जिले में भी 2 लाख से अधिक परिवारों को अपना पक्का घर मिला है। और हमने सिर्फ घर यानी 4 दीवारें नहीं दी, बल्कि इन घरों के साथ गरीब को उसका स्वाभिमान दिया है। इन घरों में बिजली, पानी, शौचालय और गैस कनेक्शन की सुविधाएं दी हैं। यानी, गरीब परिवारों को भी सुविधा, सुरक्षा और सम्मान से जीने की गारंटी मिली है। उन्होंने कहा कि आज इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, बिहार के मगध क्षेत्र के 16 हजार से ज्यादा परिवारों को अपना पक्का घर दिया है। यानि इस बार इन परिवारों में दीवाली और छठ पूजा की रौनक और ज्यादा होगी। उन्होंने अपना घर पाने वाले सभी लाभार्थी परिवारों को बहुत-बहुत बधाई दी और कह कि जो लोग अब भी पीएम आवास योजना के लाभ से छूट गए हैं, मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं, कि पीएम आवास का अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक हर गरीब को अपना पक्का घर नहीं मिल जाता। बिहार चन्द्रगुप्त मौर्य और चाणक्य की धरती है। जब-जब किसी दुश्मन ने भारत को चुनौती दी है, बिहार देश की ढाल बनकर खड़ा हुआ है। बिहार की धरती पर लिया हुआ हर संकल्प, ये धरती की ताकत है, इस धरती पर लिया गया हर संकल्प कभी खाली नहीं जाता। उन्होंने कहा कि बिहार का तेज विकास केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए आज बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे ब ? रहा है। पिपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में पुरानी समस्याओं के समाधान तलाशे गए हैं, और नई प्रगति के रास्ते भी बनाए गए हैं। आप याद करिए, लालटेन राज में यहाँ कैसी दुर्दशा थी। लालटेन राज में ये क्षेत्र लाल आतंक से जकड़ा हुआ था। माओवादियों की वजह से शाम के बाद कहीं आना-जाना मुश्किल था। गयाजी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। हजारों गाँव ऐसे थे, जहां बिजली के खंबे तक नहीं पहुंचे थे। लालटेन वालों ने पूरे बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया था। न शिक्षा थी, न रोजगार था, बिहार की कितनी पीढ़ियों को इन लोगों ने बिहार से पलायन के लिए मजबूर कर दिया था। बिहार के लोगों को आरजेडी और उसके साथी सिर्फ अपना वोटबैंक मानते हैं, उन्हें गरीब के सुख-दुख, गरीब के मान-सम्मान से कोई मतलब नहीं है। आपको याद होगा, कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कह दिया था कि अपने राज्य में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की इतनी नफरत, बिहार के लोगों के प्रति इतनी घृणा, और कोई भूल नहीं सकता। कांग्रेस का बिहार के लोगों के प्रति जो दुर्व्यवहार देखने के बाद भी यहां आरजेडी वाले गहरी नींद में सोये पड़े थे। बिहार की राजग सरकार, कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों के इस नफरती अभियान का जवाब दे रही है। बिहार के बेटे-बेटी को यहीं पर रोजगार मिले, सम्मान की जिंदगी मिले, मां-बाप की वो देखभाल कर सके, इसी सोच के साथ हम काम कर रहे हैं। अब बिहार में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं। गयाजी जिले के डोभी में बिहार का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया तैयार हो रहा है। गयाजी में एक टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना भी की जा रही है। आज ही यहां बक्सर थर्मल पावर प्लांट का शुभारंभ भी हुआ है। कुछ ही महीने पहले मैंने औरंगाबाद में भी नवीनगर सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। भागलपुर के पीरपैंती में भी नया थर्मल पावर प्लांट बनेगा। इस पावर प्लांट्स से बिहार में बिजली की आपूर्ति बढ़ेगी। और आप सब जानते हैं, जब बिजली उत्पादन बढ़ता है तो क्या होता है? घरों में बिजली की सप्लाई बढ़ती है, और उद्योगों को भी ज्यादा से ज्यादा बिजली मिलती है। और इससे भी रोजगार के नए मौके बनते हैं। बिहार के युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी देने के लिए नीतीश जी ने बड़ा अभियान चलाया हुआ है। ये नीतीश जी हैं, तभी यहां शिक्षकों की भर्ती भी पूरी पारदर्शिता से हुई। यहां के नौजवानों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में बिहार में ही रोजगार मिले, उन्हें नौकरी के लिए पलायन न करना पड़े, इसमें केंद्र सरकार की एक नई योजना से भी बहुत बड़ी मदद मिलने वाली है। अभी पिछले सप्ताह, इस 15 अगस्त से ही देशभर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू हुई है। इसके तहत, हमारे युवा जब निजी क्षेत्र में पहली नौकरी करेंगे, तो केंद्र सरकार उन्हें अपने पास से 15,000 रुपये देगी। जो प्राइवेट कंपनियां युवाओं को रोजगार देंगी, उन्हें भी अलग से पैसे सरकार देगी। इस योजना का बहुत बड़ा लाभ बिहार के मेरे युवाओं को भी होगा।

-कुमार कृष्णन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली कमजोर रहने से शनिवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार नरमी पर रहे। शक्कर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियलों में आवक यद्यपि सीमित है, पूछपरख कमजोर रहने से बाजार नरमी पर रहे। शक्कर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में बाजार ठंडे-ठंडे रहे। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4280, खोपरा गोला 310-355, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1385, राजकोट तेलिया 2165, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1275-1280, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320-1340, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1280

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6250-6300, एवरेज 5600-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्श?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 117600, चॉंदी (99) 117500, टंच 116800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 101600,

जीएसटी काउंसिल मीटिंग 3-4 सितंबर को

नई दिल्ली। 56वीं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) काउंसिल की बैठक 3 और 4 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। बैठक में जीएसटी ढांचे में बड़े सुधारों पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले 2 सितंबर को अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है, जिसमें मुख्य मुद्दों पर प्रारंभिक चर्चा होगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य जीएसटी की वर्तमान कर दरों को सरल बनाना है। सरकार ने 5 फीसदी और 18 फीसदी की दो-दर प्रणाली का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत मौजूदा 12 फीसदी और 28 फीसदी की दरों को समाप्त किया जा सकता है। इससे कर प्रणाली अधिक पारदर्शी और समझने में आसान बन सकती है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए बढिया रहने वाला है। आपको उम्मीद से ज्यादा धन मिलने से खुशी होगी और किसी के साथ पार्टनरशिप भी बेहतर रहेगी। आप संतान को किसी ने कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आप अपने आसपास रह रहे लोगों से दूरी बनाकर रखें। आपकी मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक रूप से आपको यदि कोई समस्या चल रही थी, तब वह भी दूर होगी। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। विरोधियों से आप कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपका कोई करीबी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आप अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके कामों में आगे बढ़ें। आपके परिवार में चल रही समस्याएं आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आप सोच समझकर कामों में आगे बढ़ें, क्योंकि आपकी जल्दबाजी की आदत के कारण आप कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। आपको किसी काम को लेकर अक्समात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को ट्रांसफर मिलने से मन काफी खुश रहेगा। आप अपनी वाणी और व्यवहार में बदलाव लाएं, क्योंकि लोग आपसे जोड़ेंगे, नहीं तो वह दूरियां बना सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आएगा। आप मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। आपके बॉस को आपके दिए गए सुझाव खूब पसंद आएंगे। राजनीति में आपको किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से मन काफी खुश होगा। आप किसी से किए हुए वादे को भी आसानी से पूरा कर सकेंगे। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खर्चों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। आपको किसी काम को लेकर मनमर्जी नहीं चलानी है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

कन्या- आज के दिन आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट के मिलने से काफी खुशियां रहेगी। कारोबार में आपको कुछ नए अवसर मिलेंगे। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से थोड़ा दूरी बनाकर रखनी होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आपका अपनी माताजी की सेहत में गिरावट आने से मन परेशान रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपके कामों में कुछ रुकावट आएंगी, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी। आपकी कला और कौशल में निखार आएगा। बॉस के दिए गए सुझावों पर अमल अवश्य करेंगे। पिताजी का भी आपको कामो में पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी। आप अपने कामों को लेकर मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर थोड़ा धैर्य बनाए रखना होगा। सेहत में यदि कोई समस्या चल रही है, तो आप उसे नजरअंदाज बिल्कुल ना करें। आपको काम को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है, वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। आपको अपने काम को लेकर यदि कोई आइडिया आये, तो आप उसे तुरंत अपने बिजनेस में न लगाएं, जिससे कि आने वाले समय में आपकी योजनाएं बेहतर लाभ दें।

धनु- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिलने से खुशी होगी। उनके मान सम्मान में भी वृद्धि होगी। कोर्ट-कचहरी से कोई संबंधित कोई मामला आपको परेशानी दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपका कोई पुराना लेन-देन आपके लिए समस्या बन सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपके रिश्ते में नयापन आएगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपने यदि किसी योजना में धन लगाया था, तो आपको उसमें उम्मीद से ज्यादा धन मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। बिजनेस में आप कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। आप किसी अजनबी की बातों में ना आए। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बहलाने फुसलाने की कोशिश कर सकता है। बच्चों के साथ आप कुछ समय व्यतीत करेंगे। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। भगवान के भक्ति में आपका खूब लगेगा। दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए शांतिपूर्वक कामों को करने के लिए रहेगा। आप जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। आपके सामने काम को लेकर कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आपको उनमें अच्छी सफलता मिलेगी। जिससे आपका मन भी काफी खुश होगा। पारिवारिक रिश्तों में आपको स्थिरता बनाए रखनी होगी। आपको किसी मनचाही सफलता के मिलने से परिवार के सदस्य भी काफी खुश होंगे।

शब्दजाल - 7999

शब्द जाल में 10 भारत रत्न प्राप्त लोगों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रवि शंकर, अमर्त्य सेन, राजीव गांधी, अब्दुल कलाम, डा. आंबेडकर, सी.वी. रमन, जाकिर हुसैन, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, विनोबा भावे

र	रा	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	ह्य	दा	रा	क
र	जा	र	सी	ह्य	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गां	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्दजाल - 7998 का हल

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	ड्रे	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	का	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2025 वर्ष का 236 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला **तिथि** प्रतिपदा 11.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 02.06 बजे को रात्र समाप्त। **योग** शिव 12.30 बजे को समाप्त। **करण** बव 11.49 बजे तदनन्तर बालव 00.08 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 05' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872446 **जूलियन दिन** 2460911.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.24 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	09.35 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.50 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	16.11 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.57 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.30 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	21.01 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.41 बजे से
		मिथुन	00.39 बजे से
		कर्क	02.52 बजे से
		सिंह	05.09 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6943

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6942 (हल)

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः उत्साह का पाठ

एक दार्शनिक किसी काम से बाहर जा रहे थे। वह एक टैक्सी में सवार हुए। टैक्सी में बैठने के बाद दार्शनिक ने टैक्सी वाले की उदास शक्ल देखकर पूछा, 'क्या भाई, तुम बीमार हो?' यह सुनकर टैक्सी वाला बोला, 'सर, क्या आप डॉक्टर हैं?' दार्शनिक ने जवाब दिया, 'नहीं, दरअसल तुम्हारा चेहरा तुम्हें थका हुआ और बीमार बता रहा है।' इस पर टैक्सी वाला ठंडी आह भरते हुए बोला, 'हां, आजकल मेरी पीठ में दर्द रहता है।' उम्र पूछे जाने पर वह बोला, 'तीस वर्ष।' इस पर दार्शनिक ने कहा, 'इतनी कम उम्र में पीठ दर्द। यह तो मात्र व्यायाम से बिना दवा के ही ठीक हो सकता है।' इसके बाद वह बोले, 'क्यों भाई, क्या आजकल धंधे में कड़की चल रही है?' टैक्सी वाले ने आश्चर्य से कहा, 'साहब, आपको कैसे पता? क्या आप कोई ज्योतिषी हैं?' दार्शनिक मुस्कराते हुए बोले, 'भैया, मैं ही क्या, कोई भी तुम्हें यही कहेगा। अरे, जब तुम हर वक्त बुझे चेहरे से सवारियों का स्वागत करोगे तो भला कौन तुम्हारी टैक्सी में बैठना चाहेगा? तुम्हारी आमदनी तो कम होगी ही। जीवन में सफलता के लिए उत्साह का होना बहुत जरूरी है।' यह सुनकर टैक्सी वाला जैसे सोते से जागा और बोला, 'आज आपने मुझे मेरी गलती का अहसास करा दिया।' फिर तीन-चार वर्षों के बाद एक दिन एक सज्जन ने उन दार्शनिक की पीठ पर हाथ रखते हुए मुस्करा कर पूछा, 'सर कैसे हैं?' दार्शनिक बोले, 'ठीक हूं बेटा, पर मैंने तुम्हें पहचाना नहीं।' इस पर वह सज्जन बोले, 'सर, मैं वही टैक्सी वाला हूं जिसे आपने उत्साह का पाठ पढ़ाया था। आज आपकी दी हुई शिक्षा के कारण ही मेरी बारह टैक्सियां किराए पर चल रही हैं और मेरा व्यवसाय फल-फूल रहा है। अब मैं भी हर उदास व्यक्ति को उत्साह के साथ मुस्कराते हुए काम करने की सलाह देता हूं।' दार्शनिक ने कहा, 'यह बेहद जरूरी है।' फिर उस सज्जन ने दार्शनिक के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया।

सूडोकू नवताल- 7252

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8					6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7251 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	7	5	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 8467

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिति-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुत्तीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8466 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीते सप्ताह शेयर बाजार में मिला-जुला रुख रहा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में बाजार में जबरदस्त तेजी रही, जिसका श्रेय जीएसटी व्यवस्था में संभावित सुधारों और प्रमुख कंपनियों में निवेश बढ़ने को दिया जा सकता है। हालांकि सप्ताह के अंत में आईटी और बैंकिंग शेयरों में गिरावट के चलते बाजार फिसल गया। यह सप्ताह निवेशकों के लिए भावनात्मक रूप से उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को सेंसेक्स 1,021 अंक की भारी बढ़त के साथ 81,619.59 पर खुला और 676 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने 322 अंकों की छलांग लगाई और 24,876.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी तेजी बरकरार रही। बाजार ने जीएसटी सुधारों की योजनाओं को सकारात्मक संकेत के रूप में लिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में मजबूती आई। बुधवार को एशियाई बाजारों के कमजोर संकेतों का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा।

हालांकि शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन दिन के अंत में मामूली तेजी के साथ बाजार बंद हुआ। गुरुवार को रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक में खरीदारी से बाजार ने मजबूती दिखाई। सेंसेक्स 82,000 के पार बंद हुआ। आईटी और बैंक शेयरों की गिरावट की वजह से लगभग एक सप्ताह की तेजी के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 262.05 अंक गिरकर 81,738.66 पर खुला और 693.86 अंक गिरकर 81,306.85 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 81.55 अंक गिरकर 25,002.20 पर खुला और 213.25 अंक गिरकर 24,870.50 अंक पर बंद हुआ।

रूस से सस्ते तेल का लाभ निजी कंपनियों तक सीमित

नई दिल्ली। रूस से सस्ते कच्चे तेल का आयात भारत के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद रहा, लेकिन इसका लाभ सभी को समान रूप से नहीं मिला। निजी क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी ने इस अवसर का सबसे अधिक फायदा उठाया। उद्योग सूत्रों और शिपमेंट डेटा के अनुसार देश की सात प्रमुख रिफाइनिंग कंपनियों ने रोजाना करीब 18 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदा, जिसमें से करीब 8.81 लाख बैरल

प्रतिदिन अकेले इन दो निजी कंपनियों के हिस्से में आया। नायरा एनर्जी को रूस की सरकारी कंपनी रोसनेफ्ट नियंत्रित करती है। सरकारी रिफाइनरियों को घरेलू बाजार में तय कीमतों पर ईंधन बेचने की बाध्यता के कारण अपेक्षाकृत कम मुनाफा हुआ। वहीं, निजी कंपनियों ने सस्ते रूसी तेल को रिफाइन कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा। अमेरिकी वित्त मंत्री के अनुसार भारतीय कंपनियों को ऐसे सौदों से अब तक करीब 16 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ है। उन्होंने इसे जंग के समय मुनाफाखोरी करार दिया। फिनलैंड की एक संस्था की रिपोर्ट बताती है कि जी7 प्लस देशों ने भारत और तुर्की की 6 रिफाइनरियों से 21 अरब डॉलर के ईंधन उत्पाद खरीदे, जिनमें से लगभग 9 अरब डॉलर के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी ने अकेले ही 12 अरब यूरो का ईंधन निर्यात किया, जिसमें 4 अरब यूरो रूसी तेल पर आधारित था। इससे सवाल उठता है कि क्या ऐसे रणनीतिक संसाधनों का लाभ सभी नागरिकों तक पहुंचना चाहिए या केवल कुछ निजी हाथों तक सीमित रहना चाहिए।

नई जीएसटी दरों पर असमंजस- ऑटोमोबाइल कंपनियां को उपभोक्ता की प्रतिक्रिया का इंतजार

नई दिल्ली। सरकार द्वारा प्रस्तावित नई जीएसटी व्यवस्था के तहत 12 और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को हटाकर केवल 5 और 18 फीसदी दरें लागू करने की संभावना पर वाहन उद्योग में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई कंपनियों को डर है कि जब तक जीएसटी परिषद इस पर अंतिम फैसला नहीं लेती, तब तक ग्राहक वाहन खरीदने में देरी कर सकते हैं, जिससे बिक्री प्रभावित हो सकती है। मारुति सुजुकी इंडिया के

चेयरमैन आरसी भार्गव का कहना है कि वर्तमान में बड़ी कारों पर कुल कर भार 40-45 फीसदी तक पहुंचता है। यदि नई व्यवस्था में उपकर हटा दिया जाता है और केवल 18 फीसदी टैक्स लागू होता है, तो यह बदलाव बड़ी राहत ला सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ता अभी भी वाहन खरीद रहे हैं, इसलिए फिलहाल बाजार में कोई ठहराव नहीं दिख रहा है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बड़ी कारों पर उपकर हटता है, तो छोटी कारों की कीमतीय प्रतिस्पर्धा घट सकती है, जिससे उनकी मांग प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद यह बदलाव वाहन उद्योग की कुल बिक्री को बढ़ा सकता है। दोपहिया वाहन क्षेत्र में भी प्रतिक्रिया बंटी हुई है। बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा जीएसटी में राहत की घोषणा के बावजूद ग्राहकों की खरीद में देरी का कोई संकेत नहीं मिला है। उद्योग जगत को अब जीएसटी परिषद के अंतिम फैसले का इंतजार है, जो बाजार की दिशा तय करेगा।

धूम धाम से मनाया गया पोला पर्व

आज मनाया जाएगा मारबत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र में विशेष पर्व पोला पाटन बहुत ही धूम धाम से आतिशबाजी कर मनाया गया। महाराष्ट्र की सीमा से लगा क्षेत्र लांजी जहां पर अधिकांश तीज त्यौहार महाराष्ट्रीयन तीज त्यौहारों के मुताबिक ही मनाये जाते है इसी वजह से महाराष्ट्रीयन परंपरा अनुसार पोला पर्व भी मनाया जाता है। पोला एक ऐसा विशेष पर्व है जिस दिन किसान खेती के कार्य से मुक्त होकर बैल जोडीयों को नहला धुलाकर साफ सुतरा कर सजाया जाता है। बाजारों मे मिलने वाले भिन्न प्रकार के साजो सामान से बैलों को तैयार किया जाता है रंग रोगन, सिंगों मे पेन्ट आदि कर आकर्षित जोडीयां तैयार की जाती है। उन्हे बैलों की होने वाली स्पर्धा के लिये तैयार किया जाता है। क्योकि ऐसी मान्यता है कि आज के दिन से खेत का कार्य सम्पन्न हो जाता है एवं इसके पश्चात बैलों का कार्य सिधे फसलों की कटाई के बाद ही होता है। पोला पर्व लांजी सहित सभी ग्रामों में परम्परागत रूप से मनाया गया। लांजी नगर में पुराना गुजरी चौक स्थित श्री राम मंदिर के सामने पोला पर्व का आयोजन किया गया जहां पोला पर्व को देखने भारी मात्रा में भीड़ नजर आई।

नगर परिषद लांजी ने किया पोला पर्व का आयोजन

नगर परिषद लांजी के द्वारा 23 अगस्त को शाम 5 बजे गुजरी चौक में पोला पर्व का आयोजन किया गया। बतादे कि नगर परिषद् पदाधिकारी जिसमे नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेक्कर, मुकेश रणदिवे, शरद आसटकर, सौरभ मोनू पशीने, संजय सैयाम, संजय खोबरागड़े, लीलाधर डोलस, कैलाश गोस्वामी, नगर परिषद लांजी से कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी संतोष भार्गव व समस्त नगर परिषद कर्मी सहित नगर की जनता के साथ मिलकर नगर परिषद कार्यालय से बैंड धुमाल के साथ आतिशबाजी करते हुये पोला स्थल पहुंचे। यहां पंडित अरविन्द्र मिश्रा के द्वारा मां लंजकाई मंदिर, श्री हनुमान मंदिर गुजरी चौक, राम मंदिर गुजरी चौक में पूजा अर्चना करवाई गई। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षद गणो ने मिलकर लांजी मे सदा सुख शांति बनी रहे इस हेतु पुजा अर्चना की एवं बैलों की पुजा कर परंपरानुसार पोला पर्व मनाया गया, तत्पश्चात आतिशबाजी कर बैल जोडीयॉ अपने अपने घरों की ओर रवाना हुई। जहां घर पहुंचकर बैल जोडियों की पुजा अर्चना कर भोग लगाया गया, इसके उपरांत परिवार के सदस्यो के द्वारा तैयार की गई एवं मिठाईया आदि पकवानो का आदान प्रदान किया गया। आयोजित पोला पर्व के दौरान गणमान्य नागरिक गण, नगर की जनता बडी संख्या में उपस्थित रहे।

आज तान्हा पोला व नारबोद

पोला पर्व के दूसरे दिन 24 अगस्त को तान्हा पोला व नारबोद पर्व परम्परानुसार मनाया जावेगा । पोले पर्व की रात्रि में युवाओं की टोली जागरण कर बुराई के प्रतीक एवं बिमारियों के विरोध में प्रतीक स्वरूप लोकभाषा में घेउन जा रे नारबोद के नारे लगाते हुये प्रात: भोर में मारबत का पुतला एवं गेड़ी बनाकर गांव की सीमा के बाहर ले जाकर जलाये जाने की परम्परा बनी हुई है एवं क्षेत्र के गांवों में यह परम्परा अब भी बरकरार है । इसके अलावा इस दिन बच्चों द्वारा तान्हा पोला मनाने की परम्परा है, जिसमें लकड़ी के बने नंदी को सजाकर उसकी पूजा की जाती है एवं छोटे बच्चें उसे मोहल्ले में घुमाते हैं तथा कुछ लोगों द्वारा घरों में सतावर का पौधा (नारबोद) खोचकर भेंट भी ली जाती है ।

पशुधन बैलों का पूजन कर हर्षोल्लास से मनाया गया पोला पाटन पर्व

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर सहित ग्रामीण अंचलों में पोला पाटन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों के अहम सहयोगी माने जाने वाले पशुधन बैलों की पूजा की गई । ग्रामीण अंचल में यह आयोजन अलग तरह से ही आयोजित हुआ। सुबह जहां बैलों को स्नान कराकर सजाया गया। तथा बैलों की भव्य शोभायात्रा निकालकर गांव का भ्रमण कराया गया। उल्लेखनीय हैं कि अमावस्या के दिन यह आयोजन किया जाता है एक तरह से किसानों के लिए बैलों की पूजा से जुड़ा यह पर्व होने से उन्होंने सुबह से ही बैलों की अच्छी खातिरदारी की बैलों को स्नान कराकर उसे सजाया गया। विविध तरह के साज सज्जा से सुसज्जित कर बैलों को रंगाया गया और उन्हें आखर पर ले जाया गया आखर चौक पर गांव में जितने भी परिवार में बैल थे उन्होंने उसे पहुंचाया जहां पर गांव के पटेल के यहां से आरती पहुंची एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में एक छोर से दूसरे छोर तक एक लाइन में बेल खड़े कर रखे गए।बैलों को क्रमश: पूजन कर आरती उतार कर उनका तिलक वंदन किया गया। इस बीच बैलों से जुड़ी पावडी का गायन किया गया। इसके पश्चात फटाखा फोड़ कर बैलों को अपने-अपने घर ले जाने की अनुमति दी गई। इस दौरान लोगों ने अपने-अपने घर जल्दी पहुंचने के लिए दौड़ते हुए बैल जोड़ी को ले गए जहां पर नए टोकनी में पकवान के साथ बैलों को भोजन कराया गया और आरती उतार कर पूजन किया गया। और पशुपालक का भी तिलक वंदन करते हुए गमछा भेंट एवं पारितोषिक प्रदान किए गए।इस तरह से बैलों की पूजा का यह त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। गांव में एक साथ एकत्रित रंग बिरंगी रंगों से सजे बैलों एवं उनके ऊपर रंग बिरंगी पोशाक डाली गई थी ,गुब्बारे बांधे गए थे कौड़ी की माला के साथ नए अन्य सामग्री उनके सींगो पर लगाए गए थे एक तरह से बैलों के प्रति किसानों ने कृतज्ञता जताने के लिए उन्हें पूरी तरह से सम्मान दिया और पूजन कर आभार जताया।

खैरलांजी में धुमधाम से मनाया गया पोला पर्व

पोला पर्व सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को दर्शाता है-रामकुमार नगपुरे

खैरलांजी/ वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र में पोला त्योहार कृषि संस्कृति और पारंपराओं से गहराइयों से जुड़ा हुआ है। यह त्यौहार भाद्रपद मास की अमावस्या को मनाया जाता है और विशेष रूप से किसानों के द्वारा बैलों के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट करने के लिए समर्पित होता है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पोला पर्व खैरलांजी निवासी पूर्व सरपंच स्व.मोहनलाल नगपुरे के घर से किसानो व जनप्रतिनिधियों के साथ आरती की थाल लेकर खैरलांजी के आंबेडकर पहुँचे। जिसके पश्चात बैलो की पूजा अर्चना की गई और बैलो को दौड़ाया गया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया की पोला पर्व केवल एक धार्मिक त्योहार ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को भी दर्शाता है। पोला पर्व मुख्य रूप से किसानों का त्यौहार है जो कृषि में बैलों की अहम भूमिका को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस दिन किसान अपने बैलों को स्नान कराते हैं उन्हें सजाते हैं और बैलो के सिंग पर तेल लगाकर उन्हें सुंदर रंगों से सजावट करते है। वहीं बैलों को फूलों की मालाओं और रंग बिरंगे कपड़ों से सजाया जाता है। किसान अपने बैलो की पूजा कर उसे विशेष भोजन खिलाते हैं इस दिन पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते है। श्री नगपुरे ने बताया कि बैलों की साज स"ा में प्रथम इनाम प्रहलाद पताहे एलइडी टिवी,भेजेन्द्र बहेटवार ड्रेसिंग,रामनाथ लिल्हारे स्टेंड फेन,कंकर सिहोरे टेबल पंखा, अजब लिल्हारे को प्रेस इनाम के रूप में दिया गया है। वहीं अन्य किसानों को भी इनाम दिया जाता है। इस दौरान पीतम दमाहे,मदन बनोटे, बाबूलाल मसखरे, दिनेश दमाहे,शरद लिल्हारे, रमेश भाट, गिरीश नगपुरे,भगतसिंह नगपुरे,योगेन्द्र कृपगये,अनिल कृपगये,नितेंद्र नगपुरे,संभर मसखरे,संभर सिहोरे, रूपेश शिवहरे,छन्नू दमाहे,लक्ष्मण देवारे, रामेश्वर लिल्हारे,नरेंद्र बसेने,शरद नगपुरे,राजेश पताहे,विनोद देवगडे,अनिल लिल्हारे,किशन मसखरे, राधेश्याम लिल्हारे,बालचंद करकाडे, निलू नगपुरे, बुधराम बहेटवार,दुर्गा मंदरेले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर परिषद अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश

विधायक ने कहा संगठन भाजपा की सत्ता बचाने करेगा पूरी कोशिश, 9 मत लेकर विजयी हुई थी रेखा तारांचद कालबेले

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विगत 6 अगस्त 2022 को जब अध्यक्ष पद का निर्वाचन हुआ था जिसका नेतृत्व तत्कालिन जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लांजी रमेश दिलीप भटेरे कर रहे थे इनके नेतृत्व में यह चुनाव हुआ और उस वक्त भाजपा के 7 पार्षद विजयी श्री हासिल की थी। वर्तमान में नगर परिषद के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर ने भाजपा को समर्थन दिया था जिससे 8 मत और एक मत और श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले के पक्ष में आया था ऐसे में 09 मत लेकर श्रीमती रेखा कालबेले ने विजयी हासिल की थी तथा कांग्रेस के प्रत्याशी पूनम शरद आसटकर को हार का सामना करना पड़ा था। क्या अब दोबारा जब विश्वास लाने की बात की जायेगी तो क्या भाजपा संगठन इस परीक्षा में खरा उतर पायेगा यह आगामी समय में देखने योग्य होगा।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले के विरोध में अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद सत्ता पक्ष के विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि संगठन अपने आप में मजबूत कडी है। हमारी नगर परिषद लांजी की सत्ता यथावत रहेगी। बतादे कि अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद हमने विधायक राजकुमार कर्राहे से चर्चा की तो आपने कहा कि बिना जानकारी के हमारे भी अपने पार्षद और विपक्षी दल के पार्षदो ने अविश्वास प्रस्ताव लाया है। हमने अपने पार्षदो से संपर्क किया है और जब संपर्क हुआ तो हमारे बीच काफी चर्चाऐं हुई है। उनकी बातों को हमने गंभीरता से सुना है बीच बीच में भी उनके द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही थी उसको हम लोग हल करने का प्रयास कर रहे है। अब जो निर्णय इन्होने लिया है उस पर हस्तक्षेप करना पड़ेगा। इस निराकरण में पूर्ण से हमारा जिले एवं स्थानीय संगठन कार्य कर रहा है। जिले के अध्यक्ष रामकिशोर कावरे जी, सांसद भारती पारधी जी, स्वयं मेरे द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि विपरित स्थिती ना बने जिससे नगर परिषद लांजी में किसी भी प्रकार का उलट फेर हो हमारे सभी पार्षदो के साथ लगातार बैठके होगी उन्हे सुना जायेगा निर्णय क्या निकलकर आता है वह भविष्य के गर्भ में है। लेकिन पूरा प्रयास रहेगा की हमारी जो वर्तमान में अध्यक्ष है वह यथावत रहेगी। इन लोगो के बीच मे आपसी सामजस्य बन जाये यह प्रयास हमारा होगा। वहीं पूर्व में लगातार भाजपा पार्षदो ने यह भी आरोप लगाये है हम पूर्व से ही संगठन को सभी गतिविधियो के बारे में अवगत कराते आ रहे है शिकायते लगातार की जा रही थी लेकिन 2 वर्ष से संगठन ध्यान नही दे रहा था इस पर विधायक श्री कर्राहे ने कहा कि समय समय पर ध्यान दिया गया है हमारे उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर हड़ताल में भी चले गये थे उन्होने अधिकारियों की भी शिकायतें की थी तब मैने उन्हे आश्वस्त किया था कि जल्द ही इसका निराकरण किया जायेगा। फिर हमने समीक्षा बैठक लेकर सभी वार्डो में कार्यो को अनुमति प्रदान की समय आने पर सभी कार्य भी प्रारंभ हो जायेंगे राशि जारी कर दी जायेगी। समीक्षा बैठक के दोरान भी गहमागहमी की बात सामने आई है। आपने कहा कि पार्षदो ने अपना निर्णय लिया है लेकिन हमारा जो कार्य है वह हम करेंगे। संगठन अपने आप में एक मजबूत कड़ी है संगठन अपने भाजपा की सत्ता बचाने की पूरी कोशिश करेंगी। मुझे विश्वास है कि अध्यक्ष और पार्षदो के बीच सामंजस्य बन जायेगा। निश्चित तौर से हमारी नगर परिषद यथावत चलेगी।

जन शिक्षा केंद्र कनकी में शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासन के आदेशानुसार जन शिक्षा केंद्र कनकी में कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों का शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन 22 अगस्त को किया था। जन शिक्षा केंद्र कनकी के शैक्षिक संवाद कार्यक्रम में जिले के जिला परियोजना समन्वयक घनश्याम दास बर्मन, जिला अकादमी समन्वयक योगेश बिसेन और अजीत वाहने शामिल हुए। जिला परियोजना समन्वयक श्री बर्मन द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा भी मां सरस्वती पूजन का किया गया। जन शिक्षक केंद्र में सभी 22 शिक्षकों में 2 मेडिकल अवकाश पर होने के कारण 20 शिक्षक एवं दो सहजकर्ता एवं जन शिक्षक उपस्थित थे। कुछ शिक्षक 10 मिनट देरी से आने के कारण श्री बर्मन द्वारा उनकी जमकर क्लाश ली गई और आगे से समय का पालन करने उन्हें निर्देश दिए गए। श्री बर्मन द्वारा कहा गया कि जब तक हम स्वयं अनुशासन का पालन नहीं करेंगे तब तक हम बच्चों को क्या सिखा पाएंगे। प्रभावी शिक्षण में शिक्षक संदर्शिका की भूमिका पर जिला अकादमी समन्वयक योगेश बिसेन द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया की शासन के विषय विशेषज्ञों द्वारा जो शिक्षक संदर्शिका तैयार की गई है। अगर हम उसका ठीक तरह से शिक्षक के क्षेत्र में अनुप्रयोग करते हैं तो हमारा शिक्षण प्रभावी होगा और बच्चों को ज्यादा अच्छे तरीके से ज्ञानार्जन में सफलता प्राप्त होगी। जिससे हमारे गांव का जिले और प्रदेश में नाम उज्वल होगा। देश को प्रतिभावान युवा पीढ़ी प्राप्त होगी ।जब तक हमारी बुनियाद ठीक नहीं होगी। तब तक भविष्य का निर्माण कैसे संभव हो पाएगा। इस तरह जन शिक्षा केंद्र कनकी में शैक्षिक संवाद कार्यक्रम 2025 26 का आगाज बहुत ही सुंदर तरीके से किया गया। सभी शिक्षक अपने अधिकारियों की उपस्थिति से बहुत ही उत्साहित और खुश दिखाई दिए और सभी ने अपेक्षा की है कि हम सबको आगे भी अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा।

लामता में पारंपरिक रूप से मनाया गया पोलापाटन

लामता(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी लामता में पोला पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया, बैलों का यह त्यौहार में सभी किसान भाइयों द्वारा बैलों को सजा कर उसकी पूजा पाठ किया गया,पोला पर्व में शाम को जमींदार चौक से सभी किसान भाइयों द्वारा अपने अपने बैलों को सजा कर लाते है,जहां गांव के मुखिया सरपंच हुलासमल कोचर द्वारा उन बैलों की पूजन आरती करके उनको हनुमान मंदिर नदी के पास लाया जाता हैं,जहां से सभी बैलों को दौडाया जाता है, जिसमें पहला,दूसरा,ओर तीसरे चरण में आने वाले बैल जोड़ी को सरपंच हुलासमल कोचर द्वारा पुरस्कार दिया गया,,उपसरपंच, राजेंद्र मानेसर एवं समस्त ग्राम के किसान, एवं नगरवासी उपस्थिति रहें।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

भोपाल से जबलपुर के बीच बनाया जाएगा 255 किलोमीटर लंबा नया ग्रीन फील्ड हाई-वे

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिये शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। इस दिन केन्द्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 4250 करोड़ से अधिक की लागत वाली 174 किलोमीटर लंबी 9 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें देश का सबसे बड़ा दमोह नाका-रानीताल-मदनमहल-मेडिकल रोड फ्लाय ओवर भी शामिल है। जबलपुर के महानद्दा में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मध्यप्रदेश के लिये 60 हजार करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की घोषणाएँ भी की।

जबलपुर के रानी दुर्गावती फ्लाई ओवर के लिए देश में पहली बार 1200 करोड़ रुपए का सेंट्रल रोड फंड मंजूर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि देश को 2047 तक शक्तिशाली और विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ कार्य जारी है। भारत अभी 22 लाख करोड़ रुपए का ईंधन आयात कर रहा है। लेकिन हाइड्रोजन हमारे भविष्य का ईंधन है। हाइड्रोजन के बल पर हम ऊर्जा का निर्यात करेंगे, हमारा अन्नदाता, ऊर्जा उत्पादक होगा और वह समृद्ध भी होगा। देश में केवल स्मार्ट शहर नहीं, स्मार्ट विलेज भी बनेंगे। गांव का युवा गांव में ही रोजगार पाए, यही हमारा सपना है। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। देश में 2000 अमृत सरोवर बने हैं, जिनमें से 109 मध्य प्रदेश के हैं। इनसे निकली मिट्टी सड़कों के निर्माण में उपयोग की गई और मिट्टी निकालने से बनीं संरचनाओं को जल संचय कर आसपास के क्षेत्रों का भूजल स्तर बढ़ाने के लिए तालाब के रूप में उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जबलपुर में निर्मित रानी दुर्गावती फ्लाई ओवर के लिए देश में पहली बार 1200 करोड़ रुपए का सीआरएफ (सेंट्रल रोड फंड) मंजूर किया गया है।

साढ़े 4 घंटे में पहुंचेंगे ग्वालियर से दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए 3 लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 75 हजार करोड़ के कार्य पूरे किए हैं और 65 हजार करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं। आगामी समय में डेढ़ लाख करोड़ रुपए लागत से करीब ढाई हजार किलोमीटर के कार्य डीपीआर के लिए रखे हैं। मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ रुपए की लागत से 5 ग्रीन फील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर से हैदराबाद कॉरिडोर पर ओंकारेश्वर के पास नर्मदा नदी पर एक भव्य ब्रिज का निर्माण किया गया है। जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। उज्जैन-गरोठ 4 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, भोपाल से कानपुर 440 किलोमीटर लंबा 4 लेन इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने पर 15 घंटे की यात्रा 8 घंटे में पूरी होगी। आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे का भूमिपूजन भी जल्द होगा। साढ़े 4 घंटे में ग्वालियर से दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली से मुंबई के बीच बनाए जा रहे एक्सप्रेस वे में मध्यप्रदेश में 245 किलोमीटर का हिस्सा बनकर पूरा हो गया है। मुंबई में भी कार्य अंतिम चरण में है।

एक ही रोड से जुड़ेंगे कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच टाइगर रिजर्व

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आज जबलपुर से 15 हजार करोड़ रुपए लागत की सड़क परियोजनाओं की घोषणा की जा रही है। जबलपुर से मंडला और छत्तीसगढ़ सीमा तक 2.5 हजार करोड़ रुपए का 150 किलोमीटर का 6 लेन के चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा, यह कार्य 6 महीने में शुरू होगा। सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2.5 हजार करोड़ रुपए लागत से आगामी 6 माह में शुरू किया जाएगा। खरगोन-देशगांव-जुलवानिया मार्ग के 108 किलोमीटर 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2300 करोड़ रुपए से किया जाएगा तथा महाराष्ट्र सीमा तक बैतूल-परसवाड़ा 2 लेन मार्ग को भी मंजूरी दी गई है। बालाघाट से मंडला के बीच बेहतर संपर्क के लिए सड़क बनाई जाएगी। मध्य प्रदेश में टाइगर कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत जबलपुर से बांधवगढ़ तक 4600 करोड़ रुपए की लागत से 4 लेन सड़क बनाई जानी थी, जिसे बढ़ाकर अब 5500 करोड़ रुपए किया गया है। यह रोड कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच टाइगर रिजर्व को कनेक्ट करेगी। इससे मध्यप्रदेश के टूरिज्म, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी।

उज्जैन में 510 करोड़ रुपए की लागत से बनेगी नई सड़क और फ्लाई ओवर

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि भारत सरकार प्रदेश में जिला स्तर तक जल्द ड्राइविंग सेंटर आरंभ करने की इच्छुक है। इसके लिए प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से शीघ्रता से भेजे जाएं। केंद्र द्वारा इन्हें तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सीआरएफ फंड से 1500 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की जा रही है। इससे उज्जैन, जबलपुर और रीवा में नए फ्लाई ओवर बनाए जाएंगे। उज्जैन में 510 करोड़ रुपए की लागत से नई सड़क और फ्लाई ओवर बनेंगे। अशोकनगर से विदिशा के बीच 96 करोड़ रुपए की लागत से सड़क बनाई जाएगी। उज्जैन में कालभैरव मंदिर की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ब्रिज बनाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भोपाल से जबलपुर के बीच 255 किलोमीटर लंबा नया ग्रीन फील्ड हाईवे बनाया जाएगा, जिसकी लागत 15 हजार करोड़ रुपए होगी। इसके लिए डीपीआर दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने पर अप्रैल-मई 2026 से हाईवे निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। लखनादौन से रायपुर के बीच 220 किलोमीटर लंबा 4 लेन हाईस्पीड कॉरिडोर, 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा, यह रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से कनेक्ट होगा। इस प्रकार मध्यप्रदेश सीधे विशाखापट्टनम बंदरगाह से जुड़ेगा। इंदौर से भोपाल 160 किलोमीटर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर को स्वीकृति दी जा रही है। इसकी लागत 12 हजार करोड़ रुपए होगी।

60 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की सड़क विकास परियोजनाओं की घोषणा

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आज मध्यप्रदेश के लिए 60 हजार करोड़ से ज्यादा लागत की सड़क विकास परियोजनाओं की घोषणा की गई है। ?सतना-चित्रकूट 4 लेन, रीवा-सीधी 4 लेन, ग्वालियर-भिंड 4 लेन बनाए जाएंगे। उज्जैन-झालावाड़ मार्ग 2 हजार करोड़ रुपए, बदनावर-टिमरनी मार्ग 2 हजार करोड़ रुपए से विकसित होगा। बमीठा-पन्ना-सतना 4 लेन, खजुराहो और बांधवगड़ राष्ट्रीय उद्यानों को कनेक्ट करेगा। खंडवा-बैतूल 4 लेन 4 हजार करोड़ रुपए, इंदौर 6 लेन पूर्वी बायपास 3.5 हजार करोड़ रुपए, जबलपुर-दमोह 1700 करोड़ रुपए, संदलपुर-नसरुल्लागंज-बुधनी-शाहगंज 3.5 हजार करोड़ रुपए से जून 2027 तक पूरा होगा। जबलपुर-डिंडौरी 4 लेन 200 किलोमीटर मार्ग दिसंबर 2026 तक पूरा होगा। इंदौर से हरदा 4 लेन 3400 करोड़ रुपए, ग्वालियर में पश्चिमी बायपास 1300 करोड़ रुपए, इंदौर में 6 लेन बायपास 3 हजार करोड़ रुपए लागत की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जा रही है। मध्यप्रदेश में 2100 करोड़ रुपए की लागत से 7 रोपवे बनाए जा रहे हैं। इसमें उज्जैन स्टेशन से महाकाल मंदिर, जबलपुर में एम्पायर टॉकीज से गुरुद्वारा, जबलपुर में सिविक सेंटर से बड़ाफुआरा भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने वार्षिक पास जारी कर टोल को कम कर दिया है। इसका अच्छा रिस्पांस मिला है। एक साल के 3000 रुपए का पास दिया जा रहा है, जिससे 200 टोल निःशुल्क क्रास किए जा सकेंगे।

यात्री परिवहन सेवा को बनाया जायेगा सुगम

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि जबलपुर के नगरीय विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा समन्वित रूप से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्री परिवहन सेवा को सुगम बनाया जायेगा। भविष्य में फ्लैश चार्जिग बसें चलाई जायेंगी। उन्होंने बताया कि नागपुर में फ्लैश चार्जिंग अत्याधुनिक बसें शुरू की गई हैं। इस 160 सीटर एसी बस में बस होस्टेस भी कार्यरत होंगी।

ऑपरेशन वीडआउट में डीआरआई की बड़ी सफलता 72 किलो हाइड्रोपोनिक वीड और 1.02 करोड़ कैश जब्त, मास्टरमाइंड सहित 6 गिरफ्तार

भोपाल। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने देशभर में चलाए गए ऑपरेशन वीडआउट के तहत हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। डीआरआई ने बेंगलुरु, भोपाल और दिल्ली में समन्वित कार्रवाई करते हुए करीब 72.024 किलो मादक पदार्थ (कीमत लगभग 72 करोड़ रुपये) और 1.02 करोड़ रुपये नगद बरामद किए। मिली जानकारी के मुताबिक 20 अगस्त की शाम क्रांतिवीर सांगोली रायन्ना रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु पर दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस (22691) से यात्रा कर रहे दो आरोपियों के पास से 29.88 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया गया। वहीं 19 अगस्त को बेंगलुरु से सवार दो यात्रियों को भोपाल जंक्शन पर रोका गया, जिनके पास से 24.186 किलो नशीला पदार्थ मिला। इसके अलावा, नई दिल्ली में सिंडिकेट के मास्टरमाइंड को दबोचा गया, जिसके पास से 1.02 करोड़ रुपये की ड्रग्स तस्करी की आय जब्त की गई। कार्रवाई में, 20 अगस्त को थाईलैंड से बेंगलुरु पहुंचे एक यात्री को 21 अगस्त की सुबह होटल से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 17.958 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई।

- इनका कहना है

आरोपी बेंगलुरू से दिल्ली जा रहे थे, उनको भोपाल स्टेशन पर उतार लिया गया था। तलाशी लेने पर उनके पास से डीआरआई ने हाइड्रोपोनिक मादक पदार्थ बरामद किया था। डीआरआई आरोपियों को लेकर बेंगलुरू चली गई है।

- जहीर खान, थाना प्रभारी, जीआरपी

बरेली के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश शासन के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के समक्ष भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के बरेली के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश उपाध्याय, जिला यूथ कांग्रेस महामंत्री आदित्य स्थापक, सेक्टर अध्यक्ष, राजेश पचौरी, माखन धाकड़, अशोक घनघोरिया, सुरेश धामले, रामकिशोर राजोरिया, नवनीत भार्गव सहित 280 से अधिक कांग्रेस कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विकास कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

नशीली नाइट्रावेट की तस्करी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, मेडिकल भी किया सील

भोपाल। राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच टीम ने नशीली प्रतिबंधत नाइट्रावेट की गोलियो की तस्करी और बेचने वाले गिरोह को दबोचा है। मामले में टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से 25 हजार कीमत की 510 गोलियां नशीली गोलियां भी जब्त की हैं। पकड़े गये आरोपियो में दो आरोपी कुख्यात बदमाश है, उन दोनों की मुलाकात जेल यात्रा के दौरान हुई थी। जेल से रिहा होने के बाद दोनो एक मेडिकल स्टोर संचालक की मदद से नशीली दवा को बेचने का धंधा कर रहे थे। आरोनी इन दवाईयों को सस्ते में खरीदकर उसे महंगे दामो में बेचकर मुनाफा कमाते थे। मामले में मेडिकल स्टोर से भी प्रतिबंधित गोलियां बरामद हुई जिसके बाद पुलिस ने उस मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। पकड़े गये तस्करो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला कायम कर आगे की छानबीन की जा रही है। एडीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी, कि टीटी नगर इलाके में स्थित अंबेडकर ग्राउंड के पास एक संदिग्ध युवक प्रतिबंधित नशे की गोलियां बेचने की फिराक में घूम रहा है। खबर मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से 150 प्रतिबंधित नाइट्रावेट की गोलियां बरामद हुई हैं। आरोपी की पहचान अंबेडकर नगर, थाना कमला नगर निवासी अनस अब्दुल उर्फ कल्लू पिता साजिद मियां (22) के रूप में हुई है। आरोपी अनस ने आगे की पूछताछ में खुलासा किया वह एक अपराधिक मामले में जेल गया था, जेल यात्रा के दौरान उसकी पहचान झुग्गी अन्ना नगर सी-सेक्टर में रहने वाले विशाल उर्फ रफ्तार बिटौरे पिता राजेन्द्र बिटौरे (24) से हुई थी। विशाल नशे की गोलियों की सप्लाई करता है। जेल से छूटने के बाद विशाल ने अनस को भी नशे की गोलियां बेचने का काम शुरू करा दिया था। अनस ने यह भी बताया कि जो गोलियां उसके पास से जप्त की गई है, वो उसने विशाल से 3 हजार रुपये उधार पर ली थीं, जिन्हें बेचकर रकम देना थी।

मध्यप्रदेश माईनिंग कॉन्क्लेव 2.0

सीएम डॉ यादव ने की वन-टू-वन चर्चा, देश के नामी-गिरामी निवेशकों से लाईव जुड़कर जाने विचार

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार की शाम कटनी में मध्यप्रदेश माइनिंग कॉनक्लेव 2.0 के आयोजन पर पहुंचे। कॉनक्लेव का मुख्य फोकस क्षेत्र कोयला एवं ऊर्जा एवं हाइड्रोकार्बन, प्रौद्योगिकीय प्रगति, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) और चूना पत्थर एवं सीमेंट रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट में हिस्सा ले रहे निवेशकों विषय-विशेषज्ञों के साथ वन-टू-वन चर्चा भी की। कॉन्क्लेव के दौरान बड़ी संख्या में देश के विभिन्न राज्यों के निवेशक और उद्योगपति शामिल हुए। कॉन्क्लेव में मिनरल एवं माईनिंग से संबंधित विभिन्न सत्रों के दौरान चर्चा कर सभी की राय जानी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां कहा कि मध्यप्रदेश खनन और खनिज संसाधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है। प्रदेश खनिजों की प्रचुरता और सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के कारण देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खनन क्षेत्र न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृण करेगा, अपितु देश के औद्योगिक विकास और प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत मिशन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

खनिज सम्पदा पर केन्द्रित प्रदर्शनी

मध्यप्रदेश के कई जिले खनिज संपदा से भरपूर है। खनन क्षेत्र में राष्ट्रीय उत्पादन में मध्य प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान हैं। यहां राष्ट्रीय उत्पादन का 73 प्रतिशत तांबा, 29प्रतिशत रॉक फॉस्फेट, 26प्रतिशत मैंगनीज, 9प्रतिशत चूना पत्थर, 8प्रतिशत कोयला, 3प्रतिशत बॉक्साइट और एक प्रतिशत लोह अयस्क मिलता है। प्रदेश में मौजूद खनिज संपदा को प्रदर्शित करते हुए कॉन्क्लेव स्थल पर प्रदर्शनी भी लगाई गई।

इनके बीच हुआ एमओयू साइन

माइनिंग कॉन्क्लेव में कोल इंडिया लिमिटेड, संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, म.प्र. शासन तथा मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम लिमिटेड के मध्य क्रिटिकल मिनरल एवं अन्य खनिजों के पूर्वेक्षण एवं खनन के लिए एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गए। इसके अलावा संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, मध्यप्रदेश शासन, मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम लिमिटेड एवं टैक्समिन के बीच समझौता ज्ञापन तथा संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, मध्यप्रदेश राज्य खनन निगम लिमिटेड और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल (आई.आई.एस.ई.आर.बी.) के मध्य समझौता ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन भारत की खनिज अन्वेषण महत्वाकांक्षाओं को मज़बूत करने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए आपसी सहयोग, समन्वित प्रयासों और संसाधन साझाकरण की नींव रखेगा। आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रभारी मंत्री, सांसद एवं जिले के विधायक सहित अधिकारी. कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

माइनिंग कॉन्क्लेव वास्तव में भाजपा का खनिज उत्सव -नेता प्रतिपक्ष

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कटनी में हो रहे माइनिंग कॉन्क्लेव पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि यह कॉन्क्लेव किसके लिए हो रहा है, स्थानीय बेरोजगारों को काम देने के लिए, प्रदेश के उद्यमियों के लिए या विदेशी कंपनियों को लीज़ देने के लिए?

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा, कि सरकार को पहले यहां के डेढ़ हजार स्थानीय माइनिंग कारोबारियों के बारे में विचार करना चाहिए। इसके बाद ही बाहर की कंपनियों को लीज देने की सोचनी चाहिए, क्योंकि यह स्थानीय कारोबारियों का हक है।

भाजपा महिला मोर्चा का पीसीसी के सामने धरना प्रदर्शन

भोपाल में बोरे उठाकर कांग्रेस नेता के बयान का विरोध; पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका

भोपाल। राजगढ़ में कांग्रेस नेता द्वारा लाड़ली बहनों को लेकर दिए गए बयान के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय (पीसीसी) के सामने धरना प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं और लाड़ली बहनों ने हाथ में बोरे लेकर रेड क्रॉस अस्पताल से पीसीसी कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर विरोध कर मार्च निकाला।

प्रदर्शन कर रही महिलाएं जैसे ही पीसीसी कार्यालय की ओर बढ़ीं, पुलिस ने बीच सड़क पर बेरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

कांग्रेस नेता यशवंत गुर्जर के लाड़ली बहना वाले बयान पर भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पर हाथ में बोरे और तख्ती लेकर धरना प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में ही बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सुषमा चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेताओं ने अभद्र टिप्पणी महिलाओं पर की है।

कांग्रेस हमेशा से गंदी राजनीति करती आई है। हम देखेंगे कि कैसे कांग्रेस के नेता लाड़ली बहनों को बोरे में भरेंगे। बता दें कि राजगढ़ जिले के कांग्रेस नेता यशवंत गुर्जर ने पिछले दिनों लाडली बहनों को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अबकी बार एक साथ जीतेंगे। लाड़ली बहनों को बोरियों में भर देंगे।

कांग्रेस नेता यशवंत गुर्जर ने कहा कि लाड़ली बहना हमारी है। मैं उनके विरोध में बोल ही नहीं सकता। लाड़ली बहनों को बोरियों में भरने वाला बयान मेरा नहीं था। मुझे एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा था कि लाड़ली बहनों को बोरियों में भर दूंगा। तब मैंने उनसे कहा था – 卐बा साहब आप तो पानी पियो卐। ये मेरे शब्द नहीं थे, बल्कि वहां मौजूद एक बुजुर्ग के शब्द थे, जिन्हें मैंने मंच से दोहराया था। वह बुजुर्ग वर्मा समाज के थे, लेकिन किस गांव से थे यह मुझे नहीं पता।

लाड़ली बहनों की ही देन है कि आज मैं जिला पंचायत सदस्य हूं। मैंने भाजपा जिला अध्यक्ष को हराया है। मैं लाड़ली बहनों का विरोध क्यों करूंगा? बल्कि मैं तो उनके पक्ष में बोल रहा हूं कि उन्हें ?3000 महीना मिलना चाहिए और जिनका नाम योजना से कट गया है, उनके नाम जोड़े जाने चाहिए।

पानी में उगने वाली ड्रग्स को लेकर डीआरआई टीम ने किया दो को गिरफ्तार

रेव पार्टियों के लिए होती थी सबसे ज्यादा डिमांड : उड़ता पंजाब के बाद कहीं यह उड़ता मध्य प्रदेश तो नहीं?

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार नशीली ड्रग्स की खेप पकड़ी जा रही है। कहीं ड्रग्स की फैक्ट्री मिल रही है तो कहीं विदेशी सप्लायर इसे प्रदेश में खपा रहे हैं। वहीं अब भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक ऐसी ड्रग पकड़ी गई है, जो पानी में उगती है। रेव पार्टियों में इस्तेमाल होने वाली ये गांजे की एक महंगी किस्म की ड्रग है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ रुपए किलो है। इसे देखते हुए लोग कह रहे हैं कि उड़ता पंजाब के बाद कहीं यह उड़ता मध्य प्रदेश की निशानी तो नहीं है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई भी केंद्र सरकार की एजेंसी डीआरआई द्वारा भोपाल और बेंगलुरू में एक साथ की गई है। बताया जा रहा है कि पकड़ी गई ड्रग्स पानी में उगने वाला विदेशी गांजा है जिसे हाइड्रोपोनिक वीड के नाम से जाना जाता है। डीआरआई के अफसरों ने भोपाल जंक्शन पर दो आरोपियों के पास से 24.186 किग्रा हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया है। डीआरआई की टीम ने यह कार्रवाई 20 अगस्त को बेंगलुरु और भोपाल स्टेशन पर एक साथ की, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। बेंगलुरु में 29.88 किग्रा हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की है।

रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि डीआरआई ने ऑपरेशन वीड आउट चलाकर तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया। तस्करों के मास्टरमाइंड आरोपी सहित पांच यात्रियों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह सोशल मीडिया के जरिए कॉलेज ड्रॉप आउट, अंशकालिक नौकरी पेशा या बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाते थे। डीआरआई की टीम ने राजधानी एक्सप्रेस में सवार दो यात्रियों के सामान की तलाशी ली थी। बेंगलुरु में 29.88 किग्रा हाइड्रोपोनिक वीड मिला। साथ ही एक टीम ने 19 अगस्त 2025 को बेंगलुरु से राजधानी ट्रेन में सवार हुए 2 यात्रियों से भोपाल जंक्शन पर पकड़ा था। इस बीच गिरोह के सहयोगी मास्टरमाइंड का नई दिल्ली में पता चला। उसके कब्जे से 1.02 करोड़ रुपए की मादक पदार्थों की तस्करी की राशि बरामद की गई। भोपाल में हुई जांच के बाद 20 अगस्त को थाईलैंड से बेंगलुरु पहुंचे एक यात्री को 21 अगस्त की सुबह बेंगलुरु के एक होटल में रोका गया। उससे 17.958 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड मिला।

विशेषज्ञों के मुताबिक हाइड्रोपोनिक वीड जिसे मरिजुआना भी कहते हैं। यह गांजे की एक वैरायटी है जो कि हाइड्रोपोनिक तकनीक से समुद्री पानी में उगती है। यह भारत में जमीन में उगने वाले पारंपरिक गांजे से ज्यादा नशीला होता है। इसकी कीमत भी पारंपरिक गांजा से कई गुना ज्यादा है। इसकी मांग रेव पार्टियों में ज्यादा होती है। ये वीड थाईलैंड, कनाडा, यूएसए में उगाई जाती है, इसलिए फ्लाइट में पार्सल के जरिए ही इसकी सप्लाई होती है।

दक्षिण अफ्रीका ने कंगारुओं को उनके ही घर में हराया

तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी के सामने नहीं टिक सके ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका टीम ने इतिहास रच दिया है। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 84 रन से हराकर सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। तीन मैचों की वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका 2-0 से आगे है। यह साउथ अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं वनडे सीरीज जीत है। तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी ने शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने नहीं दिया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी।

मिचेल मार्श की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिय टीम अपने घर में खेल रही थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहला वनडे 98 रन से जीता था। सीरीज का आखिरी वनडे रविवार को खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का ताज अपने नाम करने के बाद अफ्रीका के हौसले बुलंद हैं। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के सामने जीत के लिए 278 रन का लक्ष्य रखा था। ऑस्ट्रेलिया टीम 37.4 ओवर में 193 रन ही बना सकी और 84 रन से मुकाबला हार गई।

अफ्रीका की ओर से मैथ्यू ब्रीत्जे ने सबसे ज्यादा 88 रन की पारी खेली। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स 74 रन बनाकर आउट हुए। टोनी डी जोर्जी ने 38 रन का योगदान दिया। मूल्डर 26 रन बनाकर आउट हुए वहीं केशव महाराज ने 22 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से विकेटकीपर जोस इंग्लिस ने सबसे ज्यादा 87 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन ने 35 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.1 ओवर में 277 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी ने 8.4 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट झटके। एंगिडी ने मार्नस लाबुशेन, इंग्लिस, आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट और एडम जांपा को पवेलियन भेजा। एंगिडी को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया।

वहीं दूसरे वनडे में अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम कप्तानी कर रहे थे। जीत के बाद मार्करम ने कहा कि बेशक यह एक शानदार अहसास है। ऑस्ट्रेलिया आना और एक मैच बाकी रहते सीरीज को जीतना कभी भी आसान नहीं होता। ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ी काफी खुश हैं। लुंग्स ने जिस तरह से यह कारनामा किया, उसके लिए हम बेहद खुश हैं। गेंद में तेजी और उछाल था और दोनों तेज गेंदबाज़ों ने नई गेंद से कमाल की गेंदबाज़ी की। रविवार को चीजों को बेहतर करने का एक और मौका है और उम्मीद है कि नतीजा हमारे पक्ष में ही रहेगा।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने साल 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज जीती थी। इसके बाद 2018 में भी प्रोटियाज टीम ने कंगारूओं के खिलाफ वनडे सीरीज में बाजी मारी। वहीं 2019 में भी अफ्रीका ने वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को हराया। साल 2023 में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को मात दी। अब फिर अफ्रीका ने वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को धूल चटा दी है।

द्रविड़ के पसंदीदा कप्तान रहे चंद्रशेखर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का कहना है कि उन्हें सबसे अधिक आनंद वीबी चंद्रशेखर की कप्तानी में खेलने में आया और इसलिए उनकी नजर में वहीं सर्वश्रेष्ठ कप्तान हैं। द्रविड़ ने तमिलनाडु टीम में चंद्रशेखर की कप्तानी में खेला था। द्रविड़ ने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में किया था। वहीं उन्होंने अंतिम मैच वीरेंद्र सहवाग की अगुवाई में खेला। द्रविड़ भारतीय टीम के कप्तान भी रहे हैं। उन्होंने ने अपने करियर के सबसे ज्यादा मैच या तो सौरव गांगुली, अनिल कुंबले की कप्तानी में खेले या फिर एमएस धोनी की कप्तानी में।

इसी को देखते हुए उनसे उनके पसंदीदा कप्तान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चंद्रशेखर का नाम लिया जबकि इस क्रिकेटर ने भारत के लिए केवल 7 मैच खेले जिनमें उन्होंने 12.57 की औसत से 88 रन बनाए और कभी भी भारतीय टीम के कप्तान नहीं की।।

द्रविड़ ने आर अश्विन से कहा, मुझे चंद्रशेखर के नेतृत्व में क्रिकेट खेलने में बहुत मजा आया। मैं तब अपने करियर के एक अच्छे दौर में था। मैंने तमिलनाडु में उनके नेतृत्व में लीग क्रिकेट खेलकर बहुत कुछ सीखा। मैंने बहुत सी चीजें उनसे सीखीं, जिसमें प्रतिस्पर्धात्मकता और जीतने की इच्छा भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, चंद्रशेखर वास्तव में उन शुरुआती कप्तानों में से एक थे जिनके नेतृत्व में खेलने में मुझे मजा आया। मुझे लगता है कि धोनी वास्तव में अच्छे थे। जिस तरह से वह प्रबंधन करते थे। एक युवा व्यक्ति से उस तरह के कप्तान बनना उनके लिए आसान बदलाव नहीं था। गांगुली जीतने की इच्छा को स्पष्ट करके भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ लाए। वहीं अनिल कुंबले अपने संवाद के साथ स्पष्ट थे। वहीं चंद्रशेखर तमिलनाडु के एक अनुभवी घरेलू क्रिकेट खिलाड़ी थे और उन्होंने कई वर्षों तक राज्य की ओर से कप्तानी की। 81 फर्स्ट क्लास मैचों में, उन्होंने 43.09 की औसत से 10 शतकों सहित 4999 रन बनाए।

भारत में पहली बार मेसी की कप्तानी में खेलेगी अर्जेंटीना टीम

तिरुवनंतपुरम। भारत में अब फुटबॉल का बुखार चढ़ने वाला है, क्योंकि दुनिया के सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी की अगुआई में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम इस साल नवंबर में भारत का दौरा करेगी। यह टीम केरल में एक दोस्ताना मैच खेलने आ रही है। इस ऐतिहासिक पल की आधिकारिक जानकारी राज्य के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से साझा की। उन्होंने बताया कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने ईमेल के जरिए इस दौरे की पुष्टि कर दी है।

मेसी के भारत आने की खबर के बाद फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर केरल में, जहां दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल और अर्जेंटीना टीम के लिए गहरी दीवानगी है। यहां मेसी की लोकप्रियता बेहद ज्यादा है और अब राज्य उस ऐतिहासिक क्षण की तैयारियों में जुट गया है, जिसे प्रशंसक अपने 'सपनों के सच होने' जैसा मान रहे हैं। 2022 में फीफा विश्व कप जीतने के बाद अर्जेंटीना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खासतौर पर केरल के फुटबॉल फैंस को धन्यवाद भी दिया था।

अब इस दोस्ताना मुकाबले की तैयारियां भी तेज हो चुकी हैं। केरल फुटबॉल संघ (केएफए) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) मिलकर आयोजन स्थल और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। संभावना जताई जा रही है कि यह मुकाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच अर्जेंटीना के लिए 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले की तैयारी का हिस्सा होगा। उम्मीद है कि मेसी टीम की कप्तानी करेंगे, हालांकि टीम की अंतिम सूची की घोषणा मुकाबले की तारीख नजदीक आने पर ही की जाएगी।

राज्य सरकार सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आतिथ्य सत्कार को लेकर विशेष इंतजाम करने की योजना बना रही है। पर्यटन विभाग का मानना है कि मेसी के भारत दौरे से केरल की अंतरराष्ट्रीय पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी और देश-दुनिया से प्रशंसक व पर्यटक यहां आकर्षित होंगे। केरल सरकार ने इस दोस्ताना मैच के लिए विशेष रूप से अर्जेंटीना टीम को आमंत्रण भेजा था और अब यह आयोजन राज्य के लिए गौरव और ऐतिहासिक अवसर बन गया है।

पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का गौतम गंभीर पर निशाना, लगाए पक्षपात के आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति के बाद से ही लगातार टीम इंडिया में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज स्तंभ रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद गंभीर की नीतियों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। जहां कुछ लोग उनके फैसलों का समर्थन करते हैं, वहीं कई पूर्व खिलाड़ी उनके कामकाज पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में टीम इंडिया के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का नाम भी जुड़ गया है। रमेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर गौतम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो उन्हें पसंद हैं। उन्होंने कहा, गौतम गंभीर जिन खिलाड़ियों को पसंद करते हैं, उनका समर्थन करते हैं और जिन्हें पसंद नहीं करते, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। रमेश ने यह भी जोड़ा कि इस तरह का रवैया टीम संतुलन और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए सही नहीं है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। इस परिणाम को लेकर रमेश की अलग राय है। उन्होंने कहा, इंग्लैंड में ड्रॉ सीरीज को बड़ी उपलब्धि की तरह दिखाया जा रहा है, लेकिन असल में यह इसलिए खास लग रही है क्योंकि पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में हमारा प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। विदेशी धरती पर जीत की शुरुआत पहले ही विराट कोहली और रवि शास्त्री के समय हो चुकी थी। ऐसे में ड्रॉ सीरीज को गंभीर के ट्रैक रिकॉर्ड में उपलब्धि के रूप में गिनना सही नहीं है। रमेश ने टीम चयन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एशिया कप 2025 के लिए श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश के अनुसार, श्रेयस अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन गंभीर उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी, जो टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं, उन्हें सभी फॉर्मेट में मौका मिलना चाहिए।

इंडिया-ए की राघवी और जोशीथा ने खेली धुंआधर पारी, गेंदबाजों ने किया कमाल

नई दिल्ली। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज राघवी बिष्ट ने 93 रन की पारी खेली, जबकि निचले क्रम की बल्लेबाज वीजे जोशीथा (51) ने अंत में शानदार अर्धशतक लगाया, जिससे इंडिया-ए ने शुक्रवार को एकमात्र महिला अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पहली पारी में 299 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। इसके बाद इंडिया-ए ने दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया-ए के 158 रन तक पांच विकेट गिरा दिए थे। इंडिया-ए की टीम बारिश के कारण पहले दिन पांच विकेट पर 93 रन बनाकर मुश्किल में पड़ गई थी, लेकिन बिष्ट ने 26 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए राधा यादव के 33 रन के साथ छठे विकेट के लिए 64 रन की भागीदारी की। इसके बाद उन्होंने मीनू मणि के साथ 28 रन के साथ 75 रन की साझेदारी कर भारत को उबारा। निचले बल्लेबाजों के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाली बिष्ट ने 153 गेंद की अपनी पारी में 16 चौके लगाए, लेकिन शतक बनाने से महज सात रन से चूक गईं।

मध्यम गति की गेंदबाज मैटलन ब्राउन ने 63वें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। मणि को भी जल्द ही ब्राउन ने पवेलियन भेज दिया, लेकिन जोशीथा और टिटास साधु (23)

ने हार नहीं मानी और नौवें विकेट के लिए 75 रन की अहम साझेदारी करके इंडिया-ए को 300 रन के करीब पहुंचाया। ऑफ स्पिनर लिली मिल्स ने जोशीथा को बोल्ड किया। इस भारतीय बल्लेबाज ने 72 गेंद की पारी में सात चौके लगाए। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए मध्यम गति की गेंदबाज जॉर्जिया प्रेस्टविज ने 37 रन देकर और ब्राउन ने 65 रन देकर तीन तीन विकेट झटके।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया-ए टीम 43 ओवर में 158 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। भारत-ए के लिए मध्यम गति की गेंदबाज साइमा ठाकोर ने 21 रन देकर दो विकेट और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने 40 रन देकर दो विकेट लिए जबकि साधु ने 27 रन देकर एक विकेट झटका। कप्तान तहलिला विल्सन ने 49 रन बनाए और रशेल ट्रेनमैन (21) के साथ पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। स्टंप उखड़ने तक विकेटकीपर निकोल फाल्टम 30 और सियाना जिंजर 24 रन बनाकर क्रीज पर जमी हुई थीं। ऑस्ट्रेलिया-ए की टीम अब भी इंडिया-ए से 141 रन पीछे है और अभी दो दिन का खेल बाकी है।

श्रेयस, यशस्वी जैसे खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से हैरान हैं बासित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये था। बासिन ने अय्यर के अलावा यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी को भी टीम से बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी है। बासित ने कहा कि श्रेयस के साथ अच्छा नहीं हुआ है। उसका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साथ ही कहा कि अगर , यशस्वी , मोहम्मद शमी और सिराज जैसे खिलाड़ी पाकिस्तान में होते तो 'ए' कैटेगरी में होते। उन्होंने कहा कि इस स्तर के खिलाड़ियों को भी टीम में जगह नहीं मिलने से पता चलता है की भारत में टी30 प्रारुप के लिए कितने अच्छे खिलाड़ी उपलब्ध हैं। इस पूर्व पाक क्रिकेटर ने कहा कि भारतीय टीम जीत की सबसे बड़ी दावेदार है। उसके पास एक से बढ़कर एक खिलाड़ी हैं। केवल श्रीलंका की टीम ही उन्हें खिताब के लिए कड़ी चुनौती दे सकती है। उनके पास बहुत ही अच्छी टीम है. और मुझे लगता है कि केवल श्रीलंका ही उनसे मुकाबला कर सकता है।' श्रेयस के चयन नहीं होने को लेकर इसलिए भी प्रशंसकों में निराशा है क्योंकि पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान के रूप में आईपीएल 2025 सत्र में इस क्रिकेटर ने शानदार प्रदर्शन किया था। घरेलू क्रिकेट में भी श्रेयस का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाये थे उन्होंने पांच मैचों में 48.60 की औसत से 243 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक और 79 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल था।

एशिया कप से पहले बीमार हुए शुभमन गिल, दलीप ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया टेस्ट टीम के कप्तान और युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल एशिया कप 2025 से पहले बीमार पड़ गए हैं। उनकी तबीयत ठीक न होने के कारण वे दलीप ट्रॉफी से हट गए हैं। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 28 अगस्त से 15 सितंबर तक होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल नॉर्थ जोन की कप्तानी करने वाले थे। लेकिन अब उनकी गैरमौजूदगी में उपकप्तान अंकिम कुमार टीम की बागडोर संभालेंगे। गिल को टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है और बोर्ड के लिए उनकी फिटनेस सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के फिजियो ने हाल ही में गिल की जांच की और बीसीसीआई को हेल्थ रिपोर्ट सौंप दी। वर्तमान में वह चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं। चयन समिति और बोर्ड के अधिकारियों ने गिल की उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की हैं कि गिल दलीप ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वैसे भी वह पूरी प्रतियोगिता के लिए उपलब्ध नहीं रहते क्योंकि एशिया कप की

तैयारियों के चलते उन्हें टीम इंडिया से जुड़ना था। ऐसे में गिल केवल शुरुआती मैच के लिए ही उतर पाते।

गिल का हालिया फॉर्म की बात करें तो भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी राहत रहा है। इंग्लैंड दौरे पर खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने 754 रन बनाए और सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके कप्तानी करियर की पहली टेस्ट सीरीज थी जिसमें उन्होंने भारत को 2-2 की बराबरी दिलाई और अपने नेतृत्व कौशल से सबको प्रभावित किया। उनकी अनुपस्थिति दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए जरूर झटका है, हालांकि चयनकर्ताओं ने पहले ही शुभम रोहिल्ला को बैकअप के रूप में शामिल किया था।

नॉर्थ जोन का पहला मुकाबला 28 अगस्त को ईस्ट जोन से होगा। वहीं, एशिया कप टीम का हिस्सा अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा भी केवल शुरुआती मैच के बाद टीम से अलग हो जाएंगे। दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल जैसे बड़े खिलाड़ी का न खेलना निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए उनका पूरी तरह फिट होना कहीं ज्यादा जरूरी है। एशिया कप 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहा है और भारतीय टीम को गिल की बल्लेबाजी और उनकी नेतृत्व क्षमता दोनों की सख्त जरूरत होगी। फिलहाल सभी की निगाहें उनके स्वास्थ्य और एशिया कप से पहले उनकी फिटनेस पर टिकी हैं।

एएफसी एशियन कप से पहले सीएएफए नेशंस कप में खेलेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम इसी माह 31 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग लेगी। यह टूर्नामेंट एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के लिए अहम माना जा रहा है। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था। यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। मलेशिया के मना करने के बाद भारत को इसमें खेलने के लिए बुलाया गया है। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है। इसमें भारत भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी।

उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है।सीएएफए के छह सदस्य हैं जिसमें अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसी टीमें हैं। इसमें ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं।

रोहित-विराट के फेयरवेल मैच की बातें करना निरर्थक है - राजीव शुक्ला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के रिटायरमेंट को लेकर चल रही अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि दोनों खिलाड़ी अभी वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं, इसलिए फेयरवेल मैच की बातें करना निरर्थक है। गौरतलब है कि रोहित और विराट पहले ही टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में 38 वर्षीय रोहित और 36 वर्षीय विराट के भविष्य पर लगातार चर्चाएं हो रही थीं। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप टीम प्रबंधन की योजनाओं में दोनों का नाम शामिल नहीं है और ऑस्ट्रेलिया दौरा दोनों के लिए विदाई सीरीज साबित हो सकता है।

यूपी टी20 लीग द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में जब शुक्ला से सवाल पूछा गया कि क्या रोहित और विराट को सचिन तेंदुलकर जैसा फेयरवेल मिलेगा, तो उन्होंने जवाब दिया, वे रिटायर कहां हुए हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे खेल रहे हैं। जब रिटायर नहीं हुए तो फेयरवेल की बात क्यों हो रही है। उन्होंने केवल दो फॉर्मेट से संन्यास लिया है। लेकिन वे अभी भी वनडे खेल रहे हैं, इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है।

शुक्ला ने बीसीसीआई की नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड कभी किसी खिलाड़ी को रिटायर होने के लिए बाध्य नहीं करता, यह पूरी तरह व्यक्तिगत निर्णय होता है। इंटरव्यू के दौरान फैंस की ओर से यह मांग भी रखी गई कि जब भी दोनों दिग्गज वनडे क्रिकेट से संन्यास लें तो उन्हें शानदार फेयरवेल दिया जाए। इस पर शुक्ला ने कहा, जब वो समय आएगा तो देखेंगे। अभी से विदाई की बातें करने की जरूरत नहीं है। विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं और काफी फिट हैं। रोहित शर्मा भी अच्छा खेल रहे हैं। ऐसे में विदाई को लेकर अभी चिंता करना जल्दबाजी है।

रोहित और विराट ने आखिरी वनडे मैच मार्च 2025 में खेला था, जब भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला था। अब भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में यह दोनों सीनियर खिलाड़ी एक बार फिर से मैदान पर नजर आएंगे और टीम प्रबंधन उनके अनुभव का पूरा फायदा उठाना चाहेगा।

रिंकू सिंह ने बैट विवाद पर तोड़ी चुप्पी, एशिया कप में चमकने को तैयार

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल 2024 के दौरान वायरल हुए उस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वह विराट कोहली से बैट मांगते नजर आए थे। कोहली ने उन्हें जो बल्ला दिया था, वह टूट गया और इसके बाद रिंकू दोबारा नया बैट मांगते दिखे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था और रिंकू काफी सुर्खियों में आ गए थे। अब मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने इस पूरे मामले को लेकर खुलासा किया है। 27 वर्षीय रिंकू इन दिनों यूपी टी20 लीग में खेल रहे हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में मुस्कुराते हुए कहा कि बैट वाले मामले में वह थोड़ा ज्यादा बदनाम हो गए थे। उन्होंने बताया कि वह सामान्य तौर पर विराट कोहली से मिलने जाते थे और बैट भी मांग लेते थे, लेकिन कैमरे में कैद होने से मामला ज्यादा फैल गया। उन्होंने कहा कि यह चीज उनके लिए और कोहली दोनों के लिए ठीक नहीं रही। रिंकू ने आगे बताया कि इस बार यानी आईपीएल 2025 में उन्होंने कोहली से बैट नहीं लिया बल्कि एमएस धोनी और रोहित शर्मा से बल्ला लिया, जो उनके लिए बड़ी बात है।

रिंकू ने कहा कि बड़े खिलाड़ियों का बैट पाना उनके करियर के लिए बेहद खास है। वह इसे एक यादगार पल मानते हैं। वहीं, उन्होंने एशिया कप 2025 में जगह मिलने पर खुशी जताई और कहा कि यह उनके लिए बड़ा मौका है। पिछले साल वह वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने से चूक गए थे और सिर्फ स्टैंडबाय खिलाड़ी थे। इस बार मुख्य टीम में शामिल होना उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। रिंकू ने बताया कि उनकी तैयारी अच्छी चल रही है और यूपी टी20 में उनकी बल्लेबाजी भी शानदार रही है।

दबंग दिल्ली के कप्तान बने रहेंगे आशु मलिक

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग का 12 सत्र इस माह 29 अगस्त से शुरु होने जा रहा है। इस सत्र के लिए दबंग दिल्ली केसी ने आशु मलिक को अपनी टीम का कप्तान बनाये रखा है। दबंग दिल्ली के अनुसार मलिक का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है और हर सत्र के साथ ही उनकी कप्तानी में भी निखार आया है। उनके जुझारु रवैये से प्रभावित होकर ही उन्हें एक बार फिर कप्तानी सौंपी गयी है। ही मलिक ने पिछले साल काफी अच्छा शानदार प्रदर्शन किया था। बतौर खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर इस खिलाड़ी ने टीम की ओर से महत्तपूर्ण भूमिका निभाई थी।

ट्रंप प्रशासन से बेहतर संवाद बनाने भारत ने नई लॉबिंग फर्म को सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ बढ़ते कारोबारी तनाव के बीच भारत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से बेहतर संवाद स्थापित करने के लिए वॉशिंगटन डीसी में नई लॉबिंग फर्म मरक्यूरी पब्लिक अफेयर्स को काम सौंप दिया है। यह फर्म पूर्व अमेरिकी सीनेटर डेविड विटर के नेतृत्व में काम करती है।

अमेरिकी न्याय विभाग के विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम (फेरा) के तहत हालिया फाइलिंग्स के मुताबिक, भारत और मर्करी के बीच हुआ समझौता अगस्त 2025 के मध्य से नवंबर 2025 तक लागू रहेगा। इस दौरान भारत हर महीने 75,000 डॉलर का भुगतान करेगा, जो कुल मिलाकर 225,000 डॉलर होगा। फर्म को फेडरल गवर्नमेंट रिलेशंस और रणनीतिक सेवाएं देने का जिम्मा सौंपा गया है।

इस हायरिंग की अहमियत इसलिए भी बढ़ती है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की करीबी सहयोगी और चीफ ऑफ स्टाफ स्यूजी

वाइल्स, मर्करी के वॉशिंगटन और फ्लोरिडा ऑफिस की प्रमुख रह चुकी हैं। ट्रंप के 2024 के चुनाव अभियान में जाने से पहले वाइल्स ने यह पद छोड़ा था। ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने के बाद मर्करी को डेनमार्क, इक्काडोर, आर्मेनिया और साउथ कोरिया जैसे देशों ने भी हायर किया है। मरक्यूरी भारत की अकेली लॉबिंग फर्म नहीं है। इसके अलावा भारत की मौजूदा डील एसएचडब्ल्यू पार्टनर्स एलएलसीके साथ है, जो 1.8 मिलियन डॉलर वार्षिक कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रही है। यह फर्म ट्रंप के पूर्व सलाहकार जेसन मिलर की अगुवाई में रणनीतिक परामर्श, गवर्नमेंट रिलेशंस और पब्लिक परसेप्शन मैनेजमेंट पर ध्यान देती है।

यह कदम तब उठाया गया है जब भारत रूस से तेल खरीदने के चलते ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ का सामना कर रहा है। इनके अलावा, अमेरिका की तरफ से सेकेंडरी सैंक्शन लगाने के संकेत भी मिले हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत को ब्राजील के साथ सबसे ऊंचे टैरिफ ब्रैकेट में रखा है।

व्हाइट हाउस के ट्रेड जानकार पीटर नवारो ने 22 अगस्त को कहा कि भारत अपनी ऊर्जा नीति में बदलाव करने को तैयार नहीं दिख रहा है। उन्होंने साफ किया कि अतिरिक्त टैरिफ लागू होने की संभावना बनी हुई है।

बात दें कि पाकिस्तान इसी बीच, अमेरिका में लॉबिंग पर भारत से कहीं ज्यादा खर्च कर रहा है। फेरा की फाइलिंग्स के अनुसार, पाकिस्तान हर महीने करीब 600,000 डॉलर खर्च कर रहा है और पाकिस्तान ने कुल छह फर्मों को हायर किया है। पाकिस्तान की प्रमुख फर्मों में आर्किड एडवाइजर एलएलसी शामिल है, जिसे 250,000 डॉलर प्रति महीने मिलते हैं। यह फर्म अमेरिकी सांसदों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से संपर्क साधती है। वहीं साइडन लॉ को 200,000 डॉलर प्रति महीने दिए जा रहे हैं जो आर्थिक साझेदारी और टैरिफ मामलों पर काम कर रही है। इनके अलावा, पाकिस्तान ने एक अन्य फार्म को अक्टूबर 2024 में 1.5 मिलियन डॉलर में हायर किया था ताकि अमेरिकी पब्लिक परसेप्शन को अपने पक्ष में बदला जा सके। पाकिस्तान की आक्रामक लॉबिंग से व्हाइट हाउस में आर्मी चीफ जनरल आसीम मुनीर के लिए मीटिंग और भारत की तुलना में कम 19 प्रतिशत टैरिफ जैसी राहत भी मिली है।अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हाल ही में क्रिटिकल मिनिरल्स और ऑयल पार्टनर्शिप को लेकर भी समझौते हुए हैं। वहीं, भारत की रणनीति ज्यादा टारगेटेड है और इसमें लगभग 200,000 डॉलर प्रति महीने खर्च हो रहा है।

उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि दो विचारधारा का टकराव - सुदर्शन रेड्डी

नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के दावेदार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि दो विचारधारा का टकराव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे इस विचारधारा से असहमत हैं, न कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से कोई मतभेद है। इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रेड्डी ने कहा कि यह कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारों का टकराव है...दूसरा पक्ष यह प्रचार कर रहा था कि यहाँ एक व्यक्ति है जो जीवन भर आरएसएस का पूर्ण सदस्य रहा है, इसलिए मैं उस विचारधारा से असहमत हूँ, राधाकृष्णन जी से नहीं।

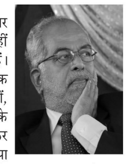

रेड्डी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन से उनका कोई निजी विरोध नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं दिल से चाहता था कि यह एक सभ्य मुकाबला हो, व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच। रेड्डी ने वैचारिक मतभेदों को उजागर कर कहा कि मुझे किसी विचारधारा को पसंद या नापसंद करने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन जिस तरह से यह (आरएसएस) काम करता है, उससे मेरे गंभीर मतभेद हैं, क्योंकि मैं एक उदार संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यक्ति हूँ। मैं धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और बाबासाहेब की बंधुत्व की विचारधारा में विश्वास करता हूँ। बातें कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। राकांपा (एससीपी) प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव, द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और गठबंधन के कई अन्य नेता भी मौजूद थे।

भारत-पाकिस्तान मैच के सीधे प्रसारण पर लगे रोक....सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा पत्र

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 14 सितंबर को होने वाले एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का सीधा प्रसारण रोकने को लेकर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखा है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि यह मुकाबला खून का पैसा होगा और पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच कराने का मोदी सरकार का फैसला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हाल ही में, खेल मंत्रालय ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेल सकते हैं, लेकिन बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में दोनों टीमें खेल सकती हैं।

घर में छापा पड़ा तो इंजीनियर ने 3 करोड़ रुपए आग में जला दिए

पटना। बिहार के एक इंजीनियर ने जमकर काली कमाई की। छापा पड़ा तो बचने के लिए लगभग तीन करोड़ रुपए आग में जलाकर राख कर दिए। नोट जलाने के बावजूद आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने इंजीनियर के घर से 39 लाख रुपये कैश बरामद किए। इस कालेधन के कुबेर का नाम विनोद राय है। वह ग्रामीण कार्य विभाग में अधीक्षण अभियंता के पद पर तैनात हैं। पुलिस ने विनोद और उनकी पत्नी को नोट जलाने और सबूत मिटाकर सरकारी काम में बाधा डालने के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। इंजीनियर के खिलाफ भ्रष्टाचार का अलग से मामला चलाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक ऊपर के कमरे में इंजीनियर साहब पूरी रात नोट जलाते रहे। जलाते-जलाते थक गए, फिर भी 3950 लाख रुपये बच गए। ईओयू की टीम ने घर में दबिश दी तो पानी की टंकी से यह कैश बरामद हुआ। टीम को घर से लगभग साढ़े 12 लाख रुपये के अधजले नोट और बाथरूम के पाइप से भारी मात्रा में भरा जले नोटों का मलबा भी मिला है। इससे करीब 2 से 3 करोड़ रुपये का कैश इंजीनियर द्वारा रात भर में जलाए जाने का अनुमान है। ईओयू ने सबूत मिटाने के आरोप में इंजीनियर विनोद राय और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, उनकी पत्नी ने तबीयत खराब होने का हवाला दिया और अस्पताल में भर्ती हो गईं। फिलहाल उसका कस्टडी में

इलाज चल रहा है। बता दें कि इंजीनियर विनोद राय सीतामढ़ी से नोटों का जखीरा लेकर पटना के लिए चले थे। इसकी भनक ईओयू को लग गई। रात में ही ईओयू की टीम उनके पटना स्थित आवास पर पहुंच गई। हालांकि, इससे पहले इंजीनियर सारा पैसा पटना आवास पहुंचा दिया था। जब ईओयू की टीम रेड मारने पहुंची तो इंजीनियर की पत्नी दीवार बनकर घर के नीचे खड़ी हो गई। उन्होंने ईओयू टीम से कहा कि वह घर में अकेली है। ऐसे में मजबूरन छापेमारी टीम को सुबह होने का इंतजार करना पड़ा।

शुरुआती आकलन के अनुसार इंजीनियर विनोद राय के पास बाजार मूल्य पर लगभग 100 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर सकती है। छापेमारी में विनोद के पास जमीन-जायदाद के 18 डीड, 15 बैंक खाते और पार्टनरशिप के कई कागजात मिले हैं। इनके अलावा 26 लाख रुपये के जेवरात, बीमा पॉलिसी और निवेश के कागज भी मिले हैं। विनोद राय ग्रामीण कार्य विभाग के सीतामढ़ी डिवीजन में अधीक्षण अभियंता के पद पर तैनात हैं। उनके पास मधुबनी का भी प्रभार है। ईओयू को सूचना मिली थी कि विनोद अपनी गाड़ी से भारी मात्रा में कैश लेकर पटना के भूतनाथ रोड स्थित मकान पर जा रहे हैं। ईओयू ने रास्ते में ही घेराबंदी का प्रयास भी किया लेकिन वह पकड़ में नहीं आए।

एलपीजी से भरे टैंकर में धमाका : गांव में बिखरी आग 15 दुकाने, 4 घर जले, 2 की मौत 30 घायल

होशियारपुर। यहां एलपीजी से भरे टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे जबरदस्त धमाका हुआ और आग ने एक गांव को अपनी चपेट में ले लिया। इससे 15 दुकान और 4 घर जलकर राख हो गए। जबकि दो लोगों की जिंदा जल जाने से मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए।

घायलों को होशियारपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एहतियात के तौर पर होशियारपुर-जालंधर नेशनल हाईवे को बंद कर दिया गया है और एक किलोमीटर का एरिया खाली कराते हुए लोगों को वहां से हटा दिया गया। घटना से लोगों में दहशत है और वह गांव से तीन-चार किलोमीटर दूर चले गए हैं। फिलहाल मरने वालों की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

होशियारपुर जिले के गांव मंडियाला में शुक्रवार देर रात एलपीजी से भरे टैंकर को एक ट्रक ने टैंकर को टक्कर मार दी, जिससे टैंकर सड़क पर पलट गया और इसमें ब्लास्ट हो गया। टैंकर के पलटते ही जोरदार धमाका हुआ और टैंकर से तेजी के साथ गैस का रिसाव होने लगा। आग इतनी तेजी से भड़क उठी कि कुछ ही पलों में उसने आसपास के घरों और दुकानों को चपेट में ले लिया।आग की चपेट में कई ग्रामीण फंस गए, जिनमें से कई पहले से ही सो रहे थे, जिससे उन्हें भागने का ज्यादा समय नहीं मिला। ग्रामीणों के सूचना देते ही पुलिस-प्रशासन बचाव में जुट गया। जालंधर-होशियारपुर नेशनल हाईवे पर गांव से एक किलोमीटर पहले ट्रैफिक रोक दिया गया। घरों में फंसे झुलसे हुए लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई। घायलों को होशियारपुर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया और 30 से ज्यादा लोग बुरी तरह से आग में झुलस गए। इन में से 6 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। होशियापुर की डीसी आशिका जैन ने बताया कि रात डेढ़ बजे तक आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया। स्थिति सामान्य होने के बाद ही हादसे के कारणों और नुकसान का आकलन किया जाएगा। वहीं, हादसे के बाद मौके पर पहुंचे पंजाब के कैबिनेट मंत्री मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि यह दुखदायक हादसा है। आग की चपेट में आए लोगों को होशियारपुर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है। फिलहाल घायलों या मृतकों की संख्या नहीं बताई जा सकती।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथों में लिया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथों में लिया है। उमर अब्बदुला सरकार ने कहा कि यह निर्णय हज़ारों छात्रों की शिक्षा की सुरक्षा के लिए लिया है, क्योंकि 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जमात पर प्रतिबंध लगाने के बाद स्कूल प्रबंधन समितियों के अभाव में इन स्कूलों का पंजीकरण रद्द हो रहा था। उमर सरकार द्वारा जारी एक आदेश में ज़िला मजिस्ट्रेटों को इन स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए अधिकृत किया गया है।

कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि हज़ारों छात्रों की शिक्षा की सुरक्षा के लिए ऐसा किया है। मैंने इन स्कूलों का प्रबंधन करीबी सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा करने की मंज़ूरी दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि जमात पर प्रतिबंध के बाद करीब 300 स्कूल जाँच के दायरे में हैं। खुफिया एजेंसियों की जाँच के आधार पर, 50 स्कूलों को क्लीन चिट दे दी गई है। हालाँकि, 215 स्कूलों की प्रबंधन समितियों के खिलाफ प्रतिकूल रिपोर्ट मिली हैं।

सरकारी आदेश में बताया गया है कि खुफिया एजेंसियों ने कई इसतरह के स्कूलों की पहचान की है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी/फलाह-ए-आम ट्रस्ट से जुड़े पाए गए हैं। इसतरह के 215 स्कूलों की प्रबंधन समितियों की वैधता समाप्त हो चुकी है और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ प्रतिकूल रिपोर्ट दी है। विधायक रेयाज अहमद खान ने कहा कि इसमें सरकार की मंशा कुछ और है और आदेश कुछ और कहता है। शिक्षा मंत्री (सकीना इटू) ने खुद अपने संदेश में स्पष्ट किया है कि उनका प्रस्ताव था कि इन स्कूलों का प्रशासन उनके सत्यापन तक पास के प्रिंसिपलों द्वारा चलाया जाएगा।

21 अगस्त से लापता सूरत के 3 साल के बच्चे की लाश मुंबई में ट्रेन के शौचालय से मिली

सूरत। 21 अगस्त को सूरत से लापता 3 वर्षीय बच्चे का शव मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) पर कुशीनगर एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच के शौचालय में कूड़ेदान से बरामद हुआ है7 इस घटना से सूरत और मुंबई में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने बच्चे की मौसी के बेटे विकास कुमार शाह पर अपहरण और हत्या का आरोप लगाया है, जो घटना के बाद से फरार है। सूरत की अमरोली पुलिस और गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) संयुक्त रूप से जाँच कर रही है। जानकारी के मुताबिक 21 अगस्त को सूरत के अमरोली इलाके में रहने वाले बिहार के सिवान ज़िले के एक परिवार के 3 साल का बच्चा लापता हो गया था। परिवार ने शुरुआत में सोचा कि बच्चा टहलने गया होगा, लेकिन जब वह नहीं मिला, तो उन्हें चिंता हुई और उन्होंने सूरत अमरोली थाने में शिकायत दर्ज करा दी7 जिसके आधार पर सूरत पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी7 जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें विकास कुमार शाह बच्चे को लेकर घर से निकलता हुआ दिखाई दिया। विकास बच्चे को बाइक पर सूरत रेलवे स्टेशन ले गया। इस बीच आज सुबह मुंबई के एलटीटी पर कुशीनगर एक्सप्रेस (22537) के एसी कोच के शौचालय में कूड़ेदान में एक बच्चे का शव मिला। ट्रेन के कर्मचारियों को सफाई के दौरान यह चौंकाने वाली बात पता चली और उन्होंने तुरंत आरपीएफ और जीआरपी को इसकी सूचना दी। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि बच्चे की हत्या किसी धारदार हथियार से गर्दन पर वार करके या गला घोंटकर की गई होगी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतज़ार है। बच्चे की माँ की शिकायत के आधार पर अमरोली पुलिस ने तुरंत जाँच शुरू की। विकास कुमार शाह के मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस को नासिक से मुंबई तक का पता चला। विकास कुमार शाह ट्रेन से उतरकर फरार हो गया है। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए नासिक, मुंबई और आसपास के इलाकों में नाकाबंदी और जाँच तेज़ कर दी है। हत्या के पीछे की असली वजह अभी तक स्पष्ट नहीं है। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे निजी रंजिश, पैसों का लेन-देन या पारिवारिक विवाद हो सकता है। विकास कुमार की गिरफ्तारी के बाद और जानकारी सामने आने की संभावना है।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3-4 सितंबर को, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर फैसला होगा

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3-4 सितंबर को होने वाली है। इस बैठक में मंत्री समूह (जीओएम) द्वारा दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर फैसला होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह बैठक केंद्र द्वारा जीएसटी कराधान व्यवस्था के ढांचे को वर्तमान चार स्लैब से दो स्लैब में बदलने के बड़े पैमाने पर प्रयास के बीच हो रही है। छह सदस्यीय जीओएम का नेतृत्व करने वाले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अनुसार, हमने दो स्लैब वाले जीएसटी स्ट्रक्चर की सिफारिश की है और अपनी सिफारिशें जीएसटी परिषद को सौंप दी हैं। जीओएम ने सहमति व्यक्त की कि नई व्यवस्था के तहत मौजूदा 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य एक सरल और अधिक पारदर्शी जीएसटी व्यवस्था की ओर बढ़ना है। देश में वर्तमान में चार स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाला जीएसटी सिस्टम लागू है। साथ ही सिन और लग्जरी गुड्स पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है। नए स्ट्रक्चर के तहत, 'मेरिट' वस्तुओं और सेवाओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जबकि अधिकांश अन्य वस्तुएं (स्टैंडर्ड) 18 प्रतिशत के स्टैंडर्ड रेट अंतर्गत आएंगी। कुछ तथाकथित सिन गुड्स पर 40 प्रतिशत का उच्च कर लागू रहेगा। उदाहरणों में शराब, तंबाकू, ड्रग्स, जुआ, शीतल पेय, फास्ट फूड, कॉफी, चीनी और पोर्नोग्राफी भी शामिल हैं। सिन टैक्स एक विशेष कर है, जो सरकार द्वारा इस प्रकार की वस्तुओं पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को इनके उपयोग से हतोत्साहित करना और इनसे होने वाले नुकसान को कम करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले दो दिवसीय मंत्रिसमूह की बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि एक सरलीकृत प्रणाली से आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा, साथ ही जीएसटी को अधिक पारदर्शी और विकासोन्मुखी भी बनाया जा सकेगा।

कर्नाटक के धर्मस्थल में सैकड़ों लाशों को दफनाने वाले मामले में सफाईकर्मी गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के धर्मस्थल में सैकड़ों लाशों को दफनाने के मामले में बड़ा मोड़ आ गया है। रिपोर्ट्स की मानें पुलिस ने मामले को उठाने वाले सफाईकर्मी को गिरफ्तार किया है। उसपर एसआईटी की टीम को झूठे दावे करके गुमराह करने का आरोप है। धर्मस्थल मंदिर में सफाई करने वाले एक शख्स ने ही दावा किया था कि उसने अलग-अलग जगहों पर 70 से 80 शव दफनाए थे।

एसआईटी ने सफाईकर्मी से रातभर कड़ी पूछताछ की। पुलिस का दावा है कि सफाईकर्मी ने शुरुआत में जो खोपड़ी दिखाई थी, वे फर्जी थी। एसआईटी और उसके प्रमुख प्रणव मोहंती ने शिकायतकर्ता से पूछताछ की। शिकायतकर्ता का नाम उजागर नहीं किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बयानों और उपलब्ध कराए दस्तावेजों में विसंगतियां होने के बाद गिरफ्तारी की गई। उन्होंने कहा कि एसआईटी मामले की जांच जारी रखे हुए है और शिकायतकर्ता-गवाह को घंटों पूछताछ के बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। शिकायतकर्ता एक पूर्व सफाई कर्मचारी है। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि उसने 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में काम किया था, और धर्मस्थल में महिलाओं व नाबालिगों सहित कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि कुछ शवों से यौन उत्पीड़न के संकेत मिले थे। उन्होंने इस संबंध में मजिस्ट्रेट के सामने बयान भी दिया है।

राहुल का आरोप, पीएम और भाजपा मिलकर नष्ट करना चाहते हैं लोकतंत्र

भागलपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही मतदाता अधिकार यात्रा ने बिहार में विशाल जनसैलाब का रूप ले लिया है। यात्रा के छठे दिन भागलपुर के नाथनगर में लाखों की भीड़ उमड़ी और लोगों ने ज़ोरदार नारे लगाए-वोट चोर, गद्दी छोड़। भीड़ ने यह नारे मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हुए कथित वोटर फ्रॉड के संदर्भ में लगाए। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी मिलकर लोकतंत्र और संविधान को नष्ट

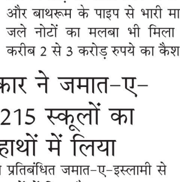

करने तथा जनता का वोट चुराने की साजिश कर रहे हैं।

सभा के दौरान राहुल गांधी ने पूर्व अग्निवीर अमरनाथ जायसवाल को मंच पर बुलाया। जायसवाल सेना में ड्यूटी के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए और उनकी एक उंगली चली गई। बावजूद इसके उन्हें मात्र दो साल की सेवा के बाद सेना से बाहर कर दिया गया और किसी प्रकार का लाभ नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं के लिए रोज़गार और अवसरों के सारे दरवाज़े बंद कर दिए हैं। अग्निवीर योजना सबसे ग़लत निर्णय था। अमरनाथ जायसवाल जैसे युवा, जो शारीरिक रूप से घायल हो गए, उन्हें भी कोई लाभ नहीं मिला। सरकार ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि मोदी सरकार ने सिर्फ़ अग्निवीर योजना ही नहीं लाई, बल्कि नोटबंदी के ज़रिए छोटे और मझोले कारोबारों को भी तबाह कर दिया, जिससे बेरोज़गारी बढ़ी। अब, उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसने हर नागरिक को एक व्यक्ति, एक वोट का अधिकार दिया है। उन्होंने बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार और चुनाव आयोग मिलकर कांग्रेस और राजद समर्थकों के वोट काट रहे हैं। राहुल ने एक कांग्रेस समर्थक का उदाहरण भी दिया जिसका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया था।

पाकिस्तान से क्रिकेट मैंच...सैनिकों के साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अपमान

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का हवाला देकर भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मुद्दे पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। राउत ने लिखा कि आंतकी हमले में मारे गए भारतीयों का खून अभी सूखा नहीं है और उनके परिवारों के आंसू अभी थमे नहीं हैं, इसके बाद भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना अमानवीय और असंवेदनशील कदम होगा।

राउत ने पत्र में कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैचों को हरी झंडी देने की खबर भारतवासियों के लिए बेहद दुखद है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बिना यह संभव नहीं होता। मैं आपके समक्ष देशभक्त नागरिकों की भावनाएं व्यक्त कर रहा हूं। राउत ने कहा कि आप कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष जारी है, तब हम क्रिकेट कैसे खेल सकते हैं?

क्या राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलते हैं तब कारोबार बंद कर दिया जाएगा। आपने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। अब, क्या खून और क्रिकेट साथ-साथ बहेंगे? पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में बड़े पैमाने पर सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ खेला जाता है, जिसमें कथित तौर पर कई भाजपा सदस्य शामिल हैं। गुजरात के एक प्रमुख व्यक्ति, जय शाह, वर्तमान में क्रिकेट मामलों की कमान संभाल रहे हैं।

पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत

माता-पिता का इकलौता बेटा था नरेश उर्फ आकाश ठाकरे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना अंतर्गत खैरलांजी रोड पर स्थित ग्राम सोनझरा के आगे बेलगाम पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक उमेश उर्फ आकाश पिता लिखन ठाकरे 22 वर्ष ग्राम खरखड़ी थाना खैरलांजी निवासी है। 22 अगस्त की रात्रि करीब 8:00 बजे यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह युवक मोटर साइकिल में रामपायली से अपने घर जा रहा था। रामपायली पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उमेश उर्फ आकाश ठाकरे अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और वह अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था। 22 अगस्त की शाम को उमेश उर्फ आकाश ठाकरे मोटरसाइकिल में अपने किसी काम से रामपायली की तरफ आया था और अपना काम निपटाना के बाद रात्रि 8:00 बजे करीब वह मोटरसाइकिल में रामपायली से अपने घर खरखड़ी जा रहा था। तभी रामपायली से खैरलांजी रोड पर स्थित ग्राम सोनझरा के पास खैरलांजी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से नरेश उर्फ आकाश ठाकरे की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए वहीं सूचना मिलते ही रामपायली और खैरलांजी पुलिस के अलावा इस युवक के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। रामपायली पुलिस ने मृतक युवक नरेश उर्फ आकाश ठाकरे का शव मौके से उठाकर रामपायली अस्पताल में भिजवाए। इस घटना के कुछ ही देर बाद नरेश उर्फ राकेश ठाकरे की मोटर साइकिल को ठोस मार कर फरार पिकअप को भी अभिरक्षा में ले लिया गया है। 23 अगस्त को रामपायली पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक कलशराम उइके ने मृतक युवक उमेश उर्फ आकाश ठाकरे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

पलंग पर सो रहे युवक को साँप ने काटा, सर्पदंश से कृष्ण कुमार की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बरसाती सीजन में सर्पदंश के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं जहां समय पर उचित उपचार न मिलने के चलते अक्सर इन मामलों में सर्पदंश के शिकार हुए व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ती है।इसी कड़ी में सर्पदंश से जुड़ा एक ताजा मामला कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोरीखेड़ा में सामने आया है जहां बीती रात घर के भीतर पलँग में सो रहे एक युवक को अज्ञात सांप ने काटकर अस्वस्थ कर दिया। जिसकी देर रात जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक का नाम ग्राम बोरीखेड़ा निवासी 30 वर्षीय कृष्ण कुमार पिता देवीलाल हरिनखेडे बताया गया है। जिसके शव का शनिवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

रात 11 सांप ने काटा, सुबह करीब 5 बजे हुई मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी बोरीखेड़ा निवासी कृष्ण कुमार हरिनखेडे किसान था जो खेती बाड़ी का काम करता था।जिसकी दो साल की एक पुत्री और 5 साल का पुत्र है। बताया गया कि शुक्रवार की रात अपने परिवार के साथ खाना खाने के बाद कृष्ण कुमार घर के अंदर पलंग में सोया हुआ था।जहां रात्रि करीब 11 के दरमियान कोई अज्ञात साँप उसके पलंग में चढ़ गया और उसने कृष्ण कुमार हरिनखेड़े को डस लिया। जहां सांप के काटने से उसकी की नींद खुल गई। जिसे वहां सांप दिखाई दिया, जिस पर उसने मामले की सूचना अपने परिजनों को दी।वही सर्पदंश से तबीयत खराब होने पर उसके परिजनों ने देर रात्रि उसे कटंगी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे तुरंत जिला अस्पताल रिफर कर दिया। जिनके परिजन रात्रि करीब 2:30 बजे कृष्ण कुमार को गंभीर अवस्था में लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां शनिवार की सुबह करीब 5 बजे के दरमियान ,उपचार के दौरान कृष्ण कुमार ने दम तोड़ दिया।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर शनिवार की सुबहा जिला अस्पताल चिकित्सक से मर्ग डायरी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों के बयान दर्ज कर, पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की। वही मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर, अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।तो वहीं जांच के लिए मर्ग डायरी, कटंगी थाना पहुंचाई गई है।जिसकी जांच कटंगी पुलिस द्वारा की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

गढ़ी पुलिस ने ठाकुर टोला अंधे हत्याकांड का किया पर्दाफाश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की गढ़ी पुलिस ने ठाकुरटोला अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए 65 वर्षीय वृद्धा गोथरीन बाई धुर्वे की हत्या करने के आरोप में उसी के दो नाती सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिये। गोथरीन बाई की हत्या उसके दो नाती ने अपने दोस्त के साथ मिलकर पैसों के लेंन देंन को लेकर की थी । गढ़ी पुलिस ने गोथरीन बाई की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार सुनील पिता स्व. हीरालाल धुर्वे 34 वर्ष उसके छोटे भाई राजकुमार पिता स्व. हीरालाल धुर्वे 28 वर्ष दोनो ग्राम बैजलपुर थाना गढ़ी और सुनील पिता शिवप्रसाद कुशरिया 27 वर्ष ग्राम नूनका टोला गढ़ी निवासी को न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिये है।

ठाकुर टोला में अकेली रहती थी गोथरीन बाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोथरीन बाई मूल रूप से ग्राम बैजलपुर निवासी थी। जो 25-30 साल से अपने पति धीरपाल धुर्वे के साथ ठाकुर टोला में रहकर दोनों पति-पत्नी यहा के पशुपालन विभाग में काम करते थेऔर दोनों यहीं पर बस गये थे। परिवार में एक बेटा और एक बेटी है बेटा हीरालाल धुर्वे की पहले ही मौत हो चुकी है जिसके दो बेटे हैं। गोथरीन बाई की लड़की की लड़की उसके पास रहती थी। किंतु शादी होने के बाद वह अपने ससुराल चली गई थी। हाल ही में गोथरीन बाई अकेली थी और उसके पति धीरपाल धुर्वे मौत हो चुकी थी। गोथरीन बाई को अपने पति और अपनी भी पेंशन मिलती थी।। समय-समय पर ठाकुर टोला गोथरीन बाई के नाती आते जाते रहते थे। और वह खेती किसानी के लिए अपने नाती को रुपए देते रहते थी। 4 अगस्त को गोथरीन बाई अपने नाती सुनील धुर्वे के साथ बैंक गई थी।बैंक में सुनील ने 1लाख 40 हजार रुपये का विड्राल भरा था किंतु गोथरीन बाई ने मना कर दी थी। और सुनील धुर्वे को बोली थी कि तुम लोग रुपये इधर उधर कर देते हो कहकर उसने मात्र 14 हजार रूपये बैंक से निकालकर नाती सुनील धुर्वे को दी थी। सुनील धुर्वे ने ट्रैक्टर फाइनेंस किया था और एजेंसी से ट्रैक्टर की किस्त जमा करने के लिए फोन आ रहे थे। किंतु सुनील धुर्वे के पास किस्त का पैसा जमा करने के लिए पैसे नहीं थे।

ट्रैक्टर की किस्त जमा करने रुपए नहीं देने पर की थी हत्या

8 एवं 9 अगस्त की दरमियानी रात ग्राम ठाकुर टोला में गोथरीन बाई की उसी के घर में हत्या कर दी गई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र पन्द्रों द्वारा गोथरीन बाई की हत्या करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की गई और जांच विवेचना के दौरान संदेह के आधार पर गोथरीन बाई के नाती सुनील धुर्वे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। तब उसने पैसों के लेनदेन को लेकर भाई राजकुमार धुर्वे और दोस्त कुशरिया के साथ मिलकर अपनी दादी गोथरीन बाई की हत्या करना स्वीकार कियेऔर बताएं कि 8 एवं 9 अगस्त की दरमियानी रात को वह अपने भाई राजकुमार धुर्वे और दोस्त सुनील कुसरिया के साथ मोटरसाइकिल में ठाकुर टोला पहुंचे उस समय उसकी दादी गोथरीन बाई घर में सोई हुई थी। राजकुमार ने उसे उठाया घर के अंदर जाने के बाद दादी गोथरीन बाई ट्रैक्टर की किस्त जमा करने के लिए रुपए मांगे किंतु उसने रुपए देने से मना कर दी थी। आवेश में आकर दादी गोथरीन बाई की सर, चेहरे में कुल्हाड़ी से मार कर उसकी हत्या कर दी और वहां से फरार हो गए। गढ़ी पुलिस ने ठाकुर टोला अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए गोथरीन बाई की हत्या करने के आरोप में उसके दो नाती सुनील धुर्वे, राजकुमार धुर्वे और उनके दोस्त सुनील कुसरिया को गिरफ्तार किये। और हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, एक पल्सर मोटरसाइकिल एवं घटना के समय आरोपियों के पहने कपड़े जप्त किए गए। 23 अगस्त को तीनों आरोपियों को बैहर की विद्वान अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

सूचना

यह कि खिलेश गवने मेहदीवाड़ा (वारासिवनी) बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स का कोई कर्मचारी नहीं है, तथा बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिट्स से इसका कोई संबंध नहीं है, यदि यह हमारे नाम से कोई भी रूपये का लेन-देन करता है तो उसकी जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी।

बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेट मेन रोड,
बालाघाट
मो. 9201340520
07632-244911,244922, 244933

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

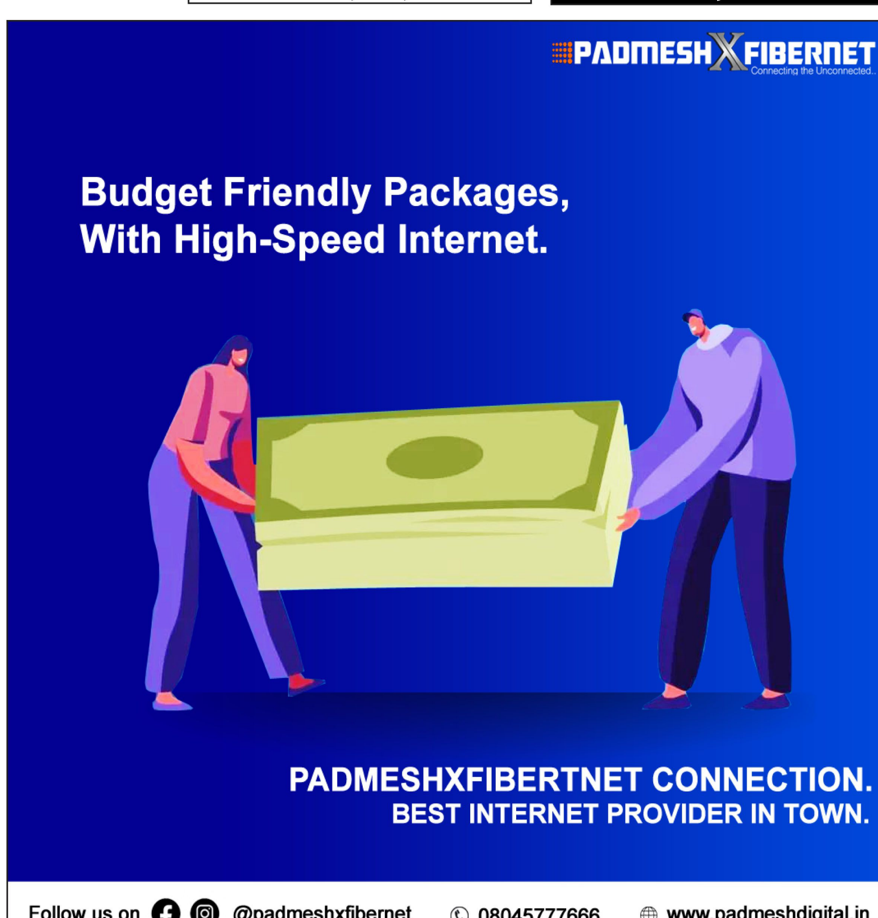

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट